19 May Page 1_Page 3.qxd 5/18/2025 10:47 PM Page 1

धनबाद, सोमवार

19 मई 2025

वर्ष : 10 अंक : 348

पृष्ठ : 12

मूल्य : 3/-

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

नई पत्र वार्ता

सोच आगे की ...

ब्रीफ न्यूज

संसद रत्न से सम्मानित होंगे 17 सांसद

नई दिल्ली(एजेंसी) : संसद में उल्लेखनीय योगदान देने वाले 17 सांसदों और 2 संसदीय स्थायी समितियों को संसद रत्न पुरस्कार 2025 के लिए चुना गया है। ये पुरस्कार संसद में सक्रियता, बहस में भागीदारी, प्रश्न पूछने और विधायी कामकाज में योगदान के आधार पर दिए जाते हैं। यह पुरस्कार प्राइम प्वाइंट फाउंडेशन की तरफ से शुरू किया गया है। इस वर्ष के विजेताओं का चयन जूरी कमेटी ने किया, जिसकी अध्यक्षता हंसराज अहीर, (राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष) ने की। उन्होंने कहा कि ये पुरस्कार उन सांसदों को दिए जाते हैं जिन्होंने लोकतंत्र को मजबूती देने के लिए संसद में उत्कृष्ट योगदान दिया है।

चार सांसदों को संसदीय लोकतंत्र में उत्कृष्ट और सतत योगदान के लिए विशेष रूप से सम्मानित किया जाएगा। प्राइम प्वाइंट फाउंडेशन के अनुसार, ये चारों सांसद 16वीं और 17वीं लोकसभा में भी संसद में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वालों में शामिल रहे हैं और अपनी मौजूदा कार्यकाल में भी लगातार सक्रिय हैं। ये हैं भर्तृहरि महताब (भाजपा), सुप्रिया सुले **शेष पृष्ठ-4.....**

नक्सलियों के मंसूबों को सुरक्षा बलों ने किया नाकाम, पांच किलो के दो आईईडी को किया नष्ट

रायपुर/गरियाबंद, (एजेंसी) :गरियाबंद जिले के गौरमुंड के जंगलों में दो अलग-अलग जगहों पर नक्सलियों द्वारा लगाए गए आईईडी (इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस) को सुरक्षा बलों ने निष्क्रिय कर दिया है।

गरियाबंद पुलिस के अनुसार, सुरक्षा बलों को नुकसान पहुंचाने की नीयत से नक्सलियों के द्वारा मैनपुर थाना क्षेत्रांतर्गत ग्राम गौरमुंड के जंगलों में दो अलग-अलग जगहों पर आईईडी (इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस) प्लांट कर रखे थे, जसि सुरक्षा बलों ने निष्क्रिय कर दिया है।

बताया गया क आज रवविार को नक्सलियों की उपस्थिति की आसूचना पर असिस्टेंट कमांडेंट सुधीर कुमार के नेतृत्व में जिला बल एवं 65 वाहिनी सीआरपीएफ कंपनी की संयुक्त टीम गौरमुण्ड के जंगल में अभियान पर रवाना हुए थे। माओवादियों द्वारा दो जगहों पर कुकर बम सुरक्षा बलों को नुकसान पहुंचाने की नीयत से लगाए हुए थे। नक्सलियों के मंसूबो को नाकाम करते हुए सुरक्षा बल के बीडीएस टीम के द्वारा पांच किलो के दो आईईडी (इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस) को नष्ट किया है। नक्सलियों द्वारा जंगल में लगाये गये इस आईईडी से ग्रामीणों एवं पशुओं को भी नुकसान हो सकता था। इसके अलावा सुरक्षाबलों को सर्चिंग के दौरान जंगल में सोलर प्लेट, वायर, बर्तन जैसे अन्य नक्सल सामग्री बरामद कए हैं।

एनसीसी ने माउंट एवरेस्ट पर किया सफल आरोहण

नई दिल्ली,(एजेंसी) : राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) ने एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। उनकी अभियान टीम ने 18 मई को माउंट एवरेस्ट (8,848 मीटर) पर सफलतापूर्वक चढ़ाई की।

इस टीम में 10 एनसीसी कैडेट्स (पांच लड़के और पांच लड़कियां) शामिल थे। इसके साथ चार अधिकारी, दो जूनियर कमीशन अधिकारी, एक महिला कैडेट प्रशिक्षक और 10 गैर-कमीशन अधिकारी भी थे।

चुने गए कैडेट्स नौसिखिए थे, जिन्हें देशभर से चुना गया था। इनका चयन और प्रशिक्षण प्रक्रिया बहुत कठोर थी। अपनी तैयारी के हिस्से के रूप में, उन्होंने माउंट एबी गामिन पर एक पूर्व-एवरेस्ट अभियान किया। अंतिम टीम में 15 कैडेट्स का चयन किया गया, जिन्होंने **शेष पृष्ठ-4.....**

अमेरिका के टोरनेडो में तूफान ने पूरी रात मचाई तबाही, 27 की गई जान, हजारों हुए बेघर

टोरनेडो(एजेंसी) : अमेरिका के टोरनेडो में आए तूफान ने तबाही मचा दी। यहां 27 लोगों की जान चली गई जबकि हजारों लोग बेघर हो गए। मिडवेस्ट और साउथ के राज्यों में आधी रात को आए इस काल ने कम से कम 27 लोगों की जान ले ली। हर तरफ तबाही के सबूत बिखरे पड़े हुए थे। अमेरिकी दक्षिणी राज्य केंटकी और मिसूरी मानों पूरी तरह से उजड़ गए हैं। हजारों-लाखों लोग बेघर हो गए है। गवर्नर एंडी बेशर ने बताया कि उनके राज्य में 18 लोगों की मौत हुई, जिसमें 17 मौतें लॉरेल काउंटी में और एक पलास्की काउंटी में हुई। मिसूरी में सात लोगों की जान गई, जबकि उत्तरी वर्जीनिया में दो लोगों की मौत पेड़ गिरने से हुई। केंटकी में 10 लोग गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती हैं।

यूएस 17 मई, 2025 को आए तूफान में किम्बर्ली वेल्स अपने घर को हुए नुकसान के बाद अपने सामान को खंगाल रही हैं। वेल्स के कई दोस्त और परिवार के सदस्य तूफान के अगले दिन नुकसान की सफाई में मदद करने के लिए पहुंचे थे। हलॉरेल काउंटी में टोरनेडो ने घरों को तहस-नहस कर दिया। लंदन की रहने वाली कायला पैटरसन ने बताया कि वह अपने पति और पांच बच्चों के साथ बेसमेंट में टब में छिप गई थीं। उन्होंने कहा, ह्यदूर से चीजें टूटने और कांच चटकने की आवाजें आ रही थीं। ऐसा लग रहा था कि मालगाड़ी पटरी पर आवाज करती जा रही है। मेरे घर को कोई नुकसान नहीं हुआ, लेकिन आस पड़ोस के घर आंधी में ध्वस्त हो गए। शेरिफ के कार्यालय ने रातभर और सुबह तक बचे लोगों की खोज की। **शेष पृष्ठ-4.....**

चौतरफा घिरा तुर्की मानने को तैयार नहीं, अब कश्मीर मुद्दे पर कर रहा नेतागीरी

नई दिल्ली(एजेंसी) : दुनिया की तमाम महाशक्तियां कश्मीर मुद्दे पर बात करने से बच रहीं हैं। अमेरिका ने मध्यस्थता की बात कही थी, इस पर भारत ने साफ कह दिया कि बीच में दखल न दें। हमे किसी के मध्यस्थता की जरुरत नहीं है। अब तुर्की कूद रहा है, ये वो देश है जिसे दुनिया के नक्शे में मैग्नीफाई ग्लास से ढूंढना पड़ता है वो मध्यस्थता के सपने देख रहा है। तुर्की के राष्ट्रपति रेसेप तैयप एर्दोगन ने पहले तो खुलकर पाकिस्तान का समर्थन किया और अब कश्मीर मुद्दे में हस्तक्षेप किया है। ये भारत और पाकिस्तान के बीच का मसला है, जिसे उसे सुलझाना है। अब तुर्की कश्मीर मुद्दे में भी घुस गया है और उसने इस मुद्दे पर मदद के तरीके तलाशने की पेशकश की है। उन्होंने पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ से बातचीत की और कहा कि उन्होंने कश्मीर पर विस्तार से चर्चा की, और नई दिल्ली और इस्लामाबाद के बीच मध्यस्थ की भूमिका निभाने में रुचि व्यक्त की। भारत कई बार कह चुका है कि ये उसका आंतरिक मामला मामला है लेकिन पाकिस्तान ने ट्रंप के बाद अब तुर्की को भी कश्मीर की पंचायत में **शेष पृष्ठ-4.....**

मुख्यमंत्री ने अपने पैतृक गांव नेमरा में दिवंगत जगदीश सोरेन को दी श्रद्धांजलि

रांची (एजेंसी) : मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन रविवार को सपरिवार रामगढ़ जिला स्थित अपने पैतृक गांव नेमरा पहुंचे। मुख्यमंत्री वहां अपने पारिवारिक सदस्य जगदीश सोरेन के पार्थिव शरीर पर पुष्पचक्र अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी। मुख्यमंत्री ने ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। मुख्यमंत्री अंतिम यात्रा एवं अन्त्येष्टि संस्कार में भी सम्मिलित हुए। **शेष पृष्ठ-4.....**

इसरो का ईओएस-09 उपग्रह प्रक्षेपण विफल, जांच के आदेश

दबाव संबंधी समस्या की वजह से फेल हुआ मिशनः इसरो अध्यक्ष

श्रीहरिकोटा, 18 मई (हि.स.)। अंतरिक्ष एजेंसी भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) को रविवार को एक झटका लगा है। इसरो का सबसे भरोसेमंद ध्रुवीय उपग्रह प्रक्षेपण यान पीएसएलवी-सी61 का मिशन तीसरे चरण में फेल हो गया। इससे इस महत्वाकांक्षी मिशन के तहत ईओएस-09 पृथ्वी अवलोकन उपग्रह निर्धारित कक्षा में पहुंचाने में कामयाब नहीं हुआ। इसरो ने इसकी जांच के आदेश दे दिए हैं।

आंध्र प्रदेश के श्रीहरिकोटा के सतीश धवन अंतरिक्ष केन्द्र से रविवार सुबह 5:59 बजे इसरो ने

101वां प्रक्षेपण पोलर सैटेलाइट लॉन्च व्हीकल (पीएसएलवी)-सी61 के जरिए ईओएस-09 पृथ्वी अवलोकन उपग्रह भेजा था, लेकिन प्रक्षेपण के कुछ ही मिनटों के बाद तीसरे चरण **शेष पृष्ठ-4.....**

झज्जर जिले में दो दिन में 174 अवैध बांग्लादेशी नागरिक पकड़े गए

विदेशी नागरिकों की जांच के लिए जिला पुलिस ने चलाई है मुहिमपुलिस लाइन में रखकर किया जा रहा सभी के दस्तावेजों का सत्यापन

झज्जर, (एजेंसी) जिले में अवैध रूप से रह रहे विदेशी नागरिकों को पकड़ने के लिए पुलिस अभियान चला रही है। शनिवार को शुरू हुए इस अभियान में रविवार तक 174 बांग्लादेशी नागरिकों को पकड़ा जा चुका है। पुलिस ने इन सभी को पुलिसलाइन परिसर में रखा है और सभी का वेरिफिकेशन करवाया जा रहा है। इन लोगों के दस्तावेजों की जांच रिपोर्ट के आधार पर की अगली कार्रवाई की जाएगी।

पुलिस प्रवक्ता सुरेन्द्र कुमार ने बताया कि वरिष्ठ अधिकारियों के आदेश पर झज्जर पुलिस दने जिले में अवैध तरीके से रह रहे विदेशी नागरिकों को पकड़ने के लिए अभियान चलाया है। शनिवार से लेकर 27 और रविवार तक 147 बांग्लादेशी नागरिक पकड़े गए। **शेष पृष्ठ-4.....**

डेयरी उद्योग को मिलेंगे सभी उपकरण, सहकारी यूनिवर्सिटी पर भी विचार : अमित शाह

अहमदाबाद,(एजेंसी) :केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने रविवार को अहमदाबाद के साइंस सिटी में आयोजित गुजरात स्टेट को-ऑपरेटिव यूनियन सम्मेलन में शिरकत की। यहां अपने संबोधन में शाह ने सहकारी समितियों के सशक्तिकरण की दिशा में कई महत्वपूर्ण घोषणाएं कीं। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार सहकारी क्षेत्र को मजबूती देने के लिए सहकारी यूनिवर्सिटी की स्थापना पर गंभीरता से विचार कर रही है।

गृह एवं सहकारिता मंत्री शाह ने बताया कि वर्ष 2025 को अंतरराष्ट्रीय सहकारिता वर्ष के रूप में मनाने का निर्णय लिया गया है, जिसकी शुरूआत भारत से हुई है।

उन्होंने कहा, कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दिल्ली में सहयोग से समृद्धि का नारा दिया है और गुजरात में इस विचार को जमीन पर उतारने की जिम्मेदारी हम सबकी है। गृहमंत्री ने कहा कि सहकारी आंदोलन को सफल बनाने के लिए जागरूकता, तकनीकी नवाचार और संगठनों के आपसी सहयोग की आवश्यकता है। उन्होंने सुझाव दिया कि प्रत्येक सहकारी सदस्य और संस्था का जिला सहकारी बैंक में खाता होना चाहिए। शाह ने यह भी **शेष पृष्ठ-4.....**

लश्कर कमांडर आतंकी सैफुल्लाह पाकिस्तान में ढेर

नई दिल्ली,(एजेंसी) : लश्कर-ए-तैयबा के प्रमुख कमांडर आतंकी सैफुल्लाह खालिद को पाकिस्तान में अज्ञात हमलावरों ने गोली मारकर हलाक कर दिया। भारत में हुए कई आतंकी हमलों में नाम जुड़े होने के कारण सैफुल्लाह इंडिया में मोस्ट वांटेड आतंकी था।

जानकारी अनुसार लश्कर कमांडर सैफुल्लाह लंबे समय से नेपाल से अपने नापाक इरादों को अमली जामा पहनाने में लगा हुआ था। फिलहाल वह पाकिस्तान के सिंध प्रांत के मतली, बदीन कैंप से अपने काम को अंजाम दे रहा था। भारत में अलग-अलग समय में हुए बड़े आतंकी हमलों से उसका नाम जुड़ा हुआ था। इन हमलों में महाराष्ट्र के नागपुर स्थित आरएसएस मुख्यालय में साल 2006 में हमले की साजिश रचने वालों में **शेष पृष्ठ-4.....**

हजारों लोगों की मौजूदगी में नए पोप लियो-14 ने ली शपथ

वेटिकन,(एजेंसी) : वेटिकन के सेंट पीटर स्क्वायर पर रविवार को नए पोप लियो-14 का शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया गया। शपथ ग्रहण में शामिल होने दुनिया भर से वैश्विक नेता और लीडर्स भी वेटिकन पहुंचे थे। इस कार्यक्रम में हजारों लोगों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई।

नए पोप लियो-14 के शपथ ग्रहण समारोह का कार्यक्रम भारतीय समयानुसार 1:30 बजे शुरू हुआ। नए पोप लियो के साथ ही अन्य कैथोलिक चर्च के नेता शपथ ग्रहण के पूर्व बेसिलिका के अंदर स्थित सेंट पीटर की कब्र पर पहुंचे और यहां पर प्रार्थना की गई। शपथ ग्रहण समारोह करीब 2 घंटे तक चला।

शपथ ग्रहण के लिए नए पोप को एक धार्मिक वस्त्र और एक अंगूठी धारण कराई गई थी। जानकारी अनुसार धार्मिक वस्त्र नए पोप के पदभार ग्रहण करने का सूचक है, जबकि कैथोलिक प्रथा और परंपरा के मुताबिक अंगूठी इस बात का संकेत है कि पोप कैथोलिक चर्च के प्रमुख और सेंट पीटर के उत्तराधिकारी **शेष पृष्ठ-4.....**

हैदराबाद में गुलजार हाउस में आग लगने से 17 लोगों की मौत , मोदी ने जतायी संवेदना

हैदराबाद,(एजेंसी) :आंध्र प्रदेश की राजधानी हैदराबाद में चारमीनार के पास गुलजार हाउस में रविवार तड़के भीषण आग लगने से 17 लोगों की मौत हो गयी।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने घटना पर दुख जताया है और मृतकों के परिजनों और घायलों के लिए अनुग्रह राशि दिये जाने की घोषणा की है।

तेलंगाना राज्य आपदा प्रतिक्रिया और अग्निशमन सेवा विभाग के अनुसार चारमीनार के गुलजार हाउस चौरास्ता में स्थित जी+2 बिल्डिंग में सुबह 6:16 बजे आग लगने की सूचना मिली। इसके बाद मोगलपुरा दमकल केंद्र से एक वाटर टेंडर और चालक दल सबसे पहले मौके पर पहुंचे। आग भूतल पर लगी थी और तेजी से ऊपरी मंजिलों तक फैल गई। अग्निशमन, तलाश और बचाव अभियान एक साथ शुरू किया गया।

अग्निशमन विभाग के कर्मियों ने पहली मंजिल पर फंसे सत्रह व्यक्तियों को बचाया और इलाज के लिए अस्पतालों में भर्ती कराया। कुछ देर बाद विभिन्न स्थानों से कुल 12 अग्निशमन उपकरण घटनास्थल पर पहुंचे। कड़ी मुशक्कत के बाद दमकलकर्मियों ने करीब दो घंटे बाद आग पर काबू पा लिया। ब्रोंटो स्काईलिफ्ट हाइड्रोलिक प्लेटफॉर्म और फायर रोबोट ने इस अभियान में अहम भूमिका निभाई।

आग लगने के कारणों की फिलहाल पता नहीं चल पाया है। संपत्ति के नुकसान का आकलन अभी नहीं हो पाया है। मृतकों की पहचान प्रहलाद (70), मुन्नी (70), राजेंद्र मोदी (65), सुमित्रा (60), हमी (7), अभिषेक (31), शीतल (35), प्रियांश (4), इराज (2), आरुषि (3), ऋषभ (4), प्रथम (1.5 वर्ष), अनुयान (3), वर्षा (35), पंकज (36) रजनी (32) और इद्दू (4) के रूप में हुई है।

मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने घटना पर गहरा दुख व्यक्त किया और तत्काल बचाव और राहत उपायों के आदेश दिए। उन्होंने वरिष्ठ अधिकारियों को घायलों के लिए सर्वोत्तम चिकित्सा उपचार और पीड़ित परिवारों को पूर्ण सहायता सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने कुछ पीड़ितों से व्यक्तिगत रूप से बात की और प्रतिक्रिया की निगरानी के लिए हैदराबाद के प्रभारी मंत्री पोन्नम प्रभाकर के साथ समन्वय किया।

मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने घटनास्थल का दौरा किया और अग्निशमन विभाग के महानिदेशक नागी रेड्डी और दक्षिण क्षेत्र की पुलिस उपाधीक्षक (डीसीपी) स्नेहा मिश्रा से जानकारी जानकारी हासिल की। उन्होंने कहा कि आग लगने की सूचना सुबह 6:16 बजे मिली और टीमों ने तुरंत कार्रवाई की। हालांकि मदद पहुंचने तक कई पीड़ित गंभीर रूप से जख्मी हो चुके थे, लेकिन त्वरित प्रतिक्रिया से जानमाल के **शेष पृष्ठ-4.....**

Page 2_Page 3.qxd 2025-05-18 22:23 Page 1

छात्र-छात्राओं को छात्रवृत्ति प्राप्त करने में किसी प्रकार की समस्या ना हो करें सुनिश्चित : उपायुक्त

समाहरणालय स्थित सभागार में उपायुक्त विजया जाधव की अध्यक्षता में जिला समन्वय समिति की बैठक हुई सम्पन्न

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

बोकारो : जिला समन्वय समिति की बैठक शनिवार को उपायुक्त विजया जाधव की अध्यक्षता में समाहरणालय स्थित सभाकक्ष में सम्पन्न हुई। बैठक में विभिन्न विभागों के कार्य प्रगति की समीक्षा की गई। उपायुक्त विजया जाधव ने शिक्षा, आपूर्ति, कल्याण, समाज कल्याण, सामाजिक सुरक्षा, कृषि, पशुपालन, सहकारिता, यू आई डी, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल तथा मनरेगा अंतर्गत बिरसा हरित ग्राम योजना सहित अन्य विभागों के कार्य प्रगति की एक-एक कर समीक्षा की। शिक्षा विभाग की समीक्षा के क्रम में उपायुक्त विजया जाधव ने बच्चों के अच्छे परीक्षा परिणाम सुनिश्चित करने हेतु जिला शिक्षा पदाधिकारी एवं जिला शिक्षा अधीक्षक को आवश्यक निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि स्कूल आफ एक्सीलेंस के बच्चों के पासिंग प्रतिशत को शतप्रतिशत सुनिश्चित करें। साथ ही छात्रवृत्ति वितरण के संदर्भ में शतप्रतिशत आधार सीडिंग करने का निर्देश दिया। उन्होंने जिला शिक्षा पदाधिकारी को अपने स्तर से निगरानी करने का निदेश दिया। साथ ही उन्होंने कहा कि छात्र-छात्राओं को छात्रवृत्ति प्राप्त करने में किसी प्रकार की समस्या ना हो इसे सुनिश्चित करें। लाभुक को लाभ दिलाने हेतु तो शत प्रतिशत आधार सीडिंग आवश्यक है।

एक सप्ताह के अंदर साइकिल वितरण करें पूर्ण : उपायुक्त विजया जाधव ने साइकिल वितरण के कार्य प्रगति की समीक्षा करते हुए संबंधित पदाधिकारियों को निर्देशित किया। कहा कि अगले एक सप्ताह में पूर्णरूप से साइकिल वितरण सुनिश्चित करें। स्कूल बैग वितरण के वितरण के संदर्भ में जिला शिक्षा पदाधिकारी की ओर से जानकारी दी गई की स्कूल बैग शत प्रतिशत वितरण सुनिश्चित कर किया गया है।

वहीं निःशुल्क पुस्तक वितरण के संदर्भ में उपायुक्त विजया जाधव ने नाराजगी जाहिर करते हुए संबंधित पदाधिकारियों को निर्देशित किया कि गर्मी की छुट्टी से पहले शत प्रतिशत निःशुल्क पुस्तक वितरण सुनिश्चित करें। इसके लिए जिला शिक्षा पदाधिकारी एवं जिला शिक्षा अधीक्षक को आवश्यक निदेश दिया गया।

आपूर्ति विभाग की समीक्षा के क्रम में जिला आपूर्ति पदाधिकारी शालिनी खालको द्वारा बताया गया कि तीन माह के राशन का वितरण एक बार जून माह में किए जाएंगे। इसके लिए अतिरिक्त भंडारण क्षमता की व्यवस्था विभिन्न प्रखंडों में किया जा रहा है। इस पर उपायुक्त विजया जाधव ने निर्देशित करते हुए कहा कि अनाज का भंडारण ऐसी होनी चाहिए ताकि अनाज भींगे नहीं और सडे नहीं। आवश्यक हो तो भवन प्रमंडल विभाग से इसकी मदद लें एवं अनाज का वितरण पारदर्शी तरीके से करना सुनिश्चित करें। जिसके लिए जनप्रतिनिधियों का भी मदद ले। अनाज वितरण की सूची पंचायत सचिवालय के सूचना पट पर चिपकाएं। अयोग्य राशन कार्ड धारियों के संबंध में निर्देशित किया की सूची से अयोग्य लाभुकों का नाम प्रक्रिया का पालन करते हुए हटाए ताकि योग्य लाभुकों का नाम सूची में जोड़ा जा सके।

किसी भी ई-पार्श मशीन से ई-केवाईसी की जा सकती है: समीक्षा के क्रम में बताया गया कि लाभुकों के ई-केवाईसी किसी भी ई-पॉस मशीन से की जा सकती है। ऐसे में लाभुक अपने नजदीकी जन वितरण प्रणाली की दुकानों पर जाकर ई-केवाईसी कराए। ई-केवाईसी नहीं होने पर राशन उठाव में दिक्कतों का सामना करना पड़ सकता है। इस पर उपायुक्त विजया जाधव ने निर्देशित किया कि आगामी 21 मई, 2025 तक अपने नजदीकी पीडीएस दुकान में जाकर ई केवाईसी कराएं। इसके साथ ही धान अधिप्राप्ति अंतर्गत किसानों के निबंध स्थिति की समीक्षा की गई। इसमें उपायुक्त ने तेजी लाने का निर्देश दिया। साथ ही निर्देशित किया गया कि अधिकतम एवं शीघ्र निबंध सुनिश्चित करने हेतु निबंधन प्रपत्र प्रज्ञा केदो एवं आधार केंद्रों पर रखें ताकि ज्यादा से ज्यादा किसान निबंध कर सके।

सभी बच्चों का आधार सत्यापन का कार्य अगले 30 मई, 2025 तक पूरा करः समाज कल्याण विभाग की समीक्षा के क्रम में निर्देशित किया गया कि सभी आंगनबाड़ी केदो में विद्युत कनेक्शन सुनिश्चित करें। इसके लिए प्रत्येक दिन कार्य प्रगति की समीक्षा करें। आंगनबाड़ी केंद्र के सभी बच्चों का आधार सत्यापन का कार्य अगले 30 मई, 2025 तक पूरा करें। इसके साथ ही समाज कल्याण विभाग के प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना, सावित्रीबाई फुले किशोरी समृद्धि योजना आदि की समीक्षा की गई। मुख्यमंत्री मईया सम्मान योजना के समीक्षा के क्रम में उपायुक्त विजया जाधव ने निर्देशित किया कि जिन बच्चों का आधार बैंक खाता संख्या से जुड़े नहीं है उन्हें अति शीघ्र जोड़े ताकि योजना का लाभ दिया जा सके।

भीषण गर्मी को देखते हुए सभी खराब छाप नालों की मरम्मती शीघ्र सुनिश्चित करें: पेयजल एवं स्वच्छता विभाग की समीक्षा के क्रम में निर्देशित किया कि जिले के सभी चापानलों की मरम्मती शीघ्र सुनिश्चित करें ताकि भीषण गर्मी में आम जनता को पेयजल की समस्या से निजात मिल सके। मौके पर निदेशक, डीआरडीए मेनका, अनुमंडल पदाधिकारी चास प्रांजल ढांडा, अपर समाहर्ता मो मुमताज अंसारी, अनुमंडल पदाधिकारी बेरमो तेनुघाट मुकेश मछुआ, जिला आपूर्ति पदाधिकारी शालिनी खलको, जिला जन सम्पर्क पदाधिकारी रवि कुमार, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी डॉ सुमन गुप्ता, जिला कल्याण पदाधिकारी नीली सरोज खलको, जिला शिक्षा पदाधिकारी जगरनाथ लोहरा, जिला शिक्षा अधीक्षक अतुल चौबे सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

संक्षिप्त खबर

देवर की हत्या के आरोप में18 महीने से फरार महिला को पुलिस ने किया गिरफ्तार

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

गिरिडीह : एक मामला सरिया का है जो दो भाई ग्राहक को लेकर दोनों भाइयों ने आपस में अजय राम और विजय राम में आपसी कहा सुनी हो गई बात इतनी बढ़ गई थी कि अजय राम ने अपने छोटे भाई विजय राम के ऊपर पेट्रोल छिड़क कर आग लगा दी। जहां बिजय राम की मौत जलने से हो गई। अजय राम की पत्नी भी घटना के समय मौजूद थी। घटना के दिन ही अजय राम गिरफ्तार हो गया और जेल चला गया। बताते चलें कि अजय राम की पत्नी ज्योति देवी अपने देवर के उपर पेट्रोल डाल कर जला कर हत्या कर दी थी। अजय राम घटना के दिन ही गिरफ्तार हो गया और जेल चला गया था। जो अब तक जेल मै है। ज्योति देवी उसी दिन से फरार हो गई।करीब 18 महीने से फरार है। पुलिस कई बार पकड़ने का प्रयास किया। हर बार पुलिस को चकमा देकर फरार हो जाती थी। पुलिस को गुप्त सूचना मिली की ज्योति देवी अपने भाई के घर में जो पचम्बा थाना के कहरबारी में छुपी हुई है। सुबह सरिया थाना पुलिस से पूनय उरांव के नेतृत्व में गुप्त सूचना के आधार पर ज्योति देवी के मायके कहरबारी से सरिया पुलिस ने छापामारी कर गिरफ्तार कर लिया और आगे की करवाई करते हुए जेल भेज दिया गया।

लोगों को जागरूक करने के लिए उच्च रक्तचाप दिवस मनाया गया

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

गिरिडीह : लोगों में बढ़नेवाले उच्च रक्त चाप की बीमारी तथा उसे बचने के लिए जागरूकता फैलाने के मद्देनजर जिला स्वास्थ्य समिति के प्रयास से सदर अस्पताल गिरिडीह में उच्च रक्तचाप दिवस मनाया गया। गौरतलब है कि हर वर्ष 17 मई को पूरे विश्व में उच्च रक्तचाप दिवस मनाया जाता है। तथा इस मौके पर लोगों को इस बीमारी से बचने के लिए जागरूक किया जाता है। इसी के मद्देनजर गिरिडीह सदर अस्पताल परिसर में भी इस कार्यक्रम का आयोजन किया गया तथा शिविर लगाकर लोगों को इस बीमारी से बचने तथा इस बीमारी से होने वाले दूसरी बीमारियों की जानकारी दी गई । वहीं इस मौके पर पहुंचे लोगों का ब्लड प्रेशर की जांच की गई। इस मौके पर बताया गया कि कैसे आदमी सही रहन-सहन खान-पान से इस बीमारी से बचे और इसके साथ-साथ दूसरी बीमारी से भी बचा जा सके। इस मौके पर सिविल सर्जन गिरिडीह ने बताया कि आज के भागम भाग जिंदगी में उच्च रक्तचाप की बीमारी आम हो गई है। इसका प्रमुख कारण है लोगों का रहन-सहन खान और तनाव।इससे बचने के लिए लोगों को सही खान-पान, रहन-सहन में सुधार लाने की आवश्यकता है ताकि लोग इस बीमारी और इससे होने वाली अन्य बीमारी से बच सके। इस मौके पर जिला यक्ष्मा पदाधिकारी, आरसीएच के पदाधिकारी, जिला कुष्ठ निवारण पदाधिकारी समेत सदर अस्पताल के स्वास्थ्य कर्मी मौजूद थे।

बेंगाबाद पुलिस ने हत्या के आरोपी को भेजा जेल

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

गिरिडीह : बेंगाबाद थाना क्षेत्र के फिटकोरिया पंचायत अंतर्गत कजरो गांव में आरोपी पति मकसूद अंसारी ने 31 वर्षीय पत्नी आसमा खातून को धारदार हथियार से गला रेतकर शुक्रवार की रात हत्या कर दी थी ओर शव को कमरे में छोड़कर फरार हो गई थी। पुलिस ने हत्या के आरोप में मकसूद अंसारी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है. वह कजरो गांव का ही रहनेवाला है. थाना प्रभारी जितेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि हत्या के मामले में मृतका के पिता आकुब मियां ने अपने दामाद सहित 4 अन्य पर हत्या के मामले में बेंगाबाद थाना को आवेदन दिया है। जिसमें आरोपी पति मकसूद अंसारी व 4 अन्य के विरुद्ध बेंगाबाद थाना कांड संख्या 74/2025 के तहत मामला दर्ज कर मकसूद अंसारी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है। बाकी अन्य की तलाश जारी है।

उपायुक्त ने समाज कल्याण विभाग की समीक्षा बैठक में कार्य प्रगति में तेजी लाने का दिया निर्देश

भवन पूर्ण आंगनबाड़ी केंद्रों का जल्द से जल्द हस्तांतरण करने एवं भवन निर्माण को भूमि चिन्हित करने को कहा

प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना में संतोषजनक प्रगति नहीं होने को लेकर नावाडीह सीडीपीओ से पूछा स्पष्टीकरण

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

बोकारो : समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में शनिवार देर शाम उपायुक्त विजया जाधव ने समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं एवं कार्यक्रमों की समीक्षा बैठक किया। मौके पर जिला समाज कल्याण पदाधिकारी डा. सुमन गुप्ता, बाल विकास परियोजना पदाधिकारी, महिला पर्यवेक्षिका आदि उपस्थित थे।

बैठक में उपायुक्त ने जिला अंतर्गत संचालित आंगनबाड़ी केंद्रों में विद्युत कनेक्शन, आंगनबाड़ी केंद्र भवन की स्थिति, पेयजल व शौचालय की व्यवस्था, आंगनबाड़ी सेविका एवं सहायिकाओं का आयुष्मान कार्ड और सेविका-सहायिका के रिक्त पद से संबंधित प्रतिवेदन पर क्रम वार समीक्षा की। उन्होंने इस दिशा में कार्य प्रगति में तेजी लाने का निर्देश दिया।

उपायुक्त ने सक्षम आंगनबाड़ी केंद्र, पीएम जनमन, सावित्रीबाई फुले किशोरी समृद्धि योजना, प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना, महिला पर्यवेक्षिकाओं को आधार ऑनबोडिंग हेतु परीक्षा पास कराते हुए विभाग को प्रतिवेदन प्रेषित करने तथा पोषण ट्रैकर अपडेशन से संबंधित विविध गतिविधियों पर विस्तार पूर्वक चर्चा कर जरूरी दिशा-निर्देश दिया।

समीक्षा क्रम में उपायुक्त ने विभिन्न योजनाओं से भवन पूर्ण आंगनबाड़ी केंद्र का जल्द से जल्द हस्तांतरण कराते हुए केंद्र का संचालन प्रारंभ करने का निर्देश दिया। इसके अलावा जहां अभी तक भवन निर्माण हेतु भूमि चिन्हित नहीं किया गया है, वहां भूमि चिन्हित कर प्रतिवेदन कार्यालय को उपलब्ध कराने को कहा। साथ ही, पर्यवेक्षिकाओं को पेयजल एवं शौचालय सहित भवन से संबंधित सभी अद्यतन प्रगति को पोषण ट्रैकर एप में अपडेट करने हेतु निर्देशित किया।

समीक्षा बैठक में आंगनबाड़ी सेविका एवं सहायिका का आयुष्मान कार्ड बनाने से संबंधित कार्यों का अवलोकन उपरांत सभी बाल विकास परियोजना पदाधिकारी को अपने स्तर से प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी से समन्वय स्थापित कर शत-प्रतिशत आंगनबाड़ी सेविका एवं सहायिकाओं का आयुष्मान कार्ड हेतु पंजीकरण कराना और सेविकाओं एवं सहायिकाओं के रिक्त पद के विरुद्ध जल्द से जल्द प्रस्ताव जिला कार्यालय को उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया। समीक्षा क्रम में प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना में संतोषजनक प्रगति नहीं होने के कारण उपायुक्त ने नावाडीह सीडीपीओ से स्पष्टीकरण पूछने का निर्देश दिया। वहीं, उपायुक्त ने सभी बाल विकास परियोजना पदाधिकारी (सीडीपीओ) को नियमित आंगनबाड़ी केंद्रों का निरीक्षण करने एवं सभी महिला पर्वेक्षकों (एल एस) को सप्ताह में चार दिन आंगनबाड़ी केंद्रों का पर्यवेक्षण करते हुए प्रतिवेदन जिला को उपलब्ध कराने का निर्देश दिया।

सड़क दुर्घटना में विवाहिता की मौत

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

गिरिडीह : ग्राम पचम्बा के शंकर कुमार की पत्नी राधिका किशोरी कुमारी 20 की सड़क दुर्घटना में मौत हो गई। बता दूं कि देवरी थाना क्षेत्र के ग्राम पचम्बा के नवल किशोर विश्वकर्मा की छोटी बहु मायके से अपने भाई के साथ बाइक से अपनी ससुराल पचम्बा वापिस लौट रही थी। इसी क्रम में बड़ाडीह के पास एक बिना नंबर का बालू लदा स्वराज ट्रेक्टर के चालक ने उन्हें जोरदार धक्का मार दिया और लड़की गंभीर रूप से घायल हो गई और घटना स्थल पर ही उनकी मौत हो गई।इसकी जानकारी मिलते ही सभी लोगों ने उन्हें आनन फानन में ईलाज हेतु जमुआ अस्पताल ले जाया गया जहां उन्हें डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। इस घटना से पचम्बा सहित बरवाडीह में भी मातम पसरा हुआ है। साथ ही परिजनों का रो रो कर बुरा हाल है।

रोटरी क्लब ऑफ बोकारो स्टील सिटी ने तीसरे सर्वाइकल कैंसर टीकाकरण शिविर के साथ महिला स्वास्थ्य की दिशा में उठाया प्रभावशाली कदम

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

बोकारो : समाज के सर्वांगीण विकास में महिलाओं की भूमिका को सशक्त बनाते हुए तथा उनके स्वास्थ्य को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए रोटरी क्लब ऑफ बोकारो स्टील सिटी ने रविवार को अपने क्लब परिसर स्थित पॉल हैरिस ऑडिटोरियम में तीसरे सर्वाइकल कैंसर टीकाकरण शिविर का आयोजन किया। यह शिविर सुबह 10:00 बजे आरंभ होकर दोपहर 1:00 बजे तक चला, जिसमें कुल 51 किशोरी बालिकाओं को सर्वाइकल कैंसर से बचाव हेतु एचपीवी वैक्सीन की पहली डोज प्रदान की गई।

यह शिविर क्लब द्वारा संचालित उस स्वास्थ्य सेवा श्रृंखला का हिस्सा है, जिसकी परिकल्पना रोटेरियन अध्यक्ष महेश कुमार गुप्ता ने महिला स्वास्थ्य की सुरक्षा को केंद्र में रखते हुए की है। यह अभियान एक ओर जहां रोग-प्रतिरोधक जागरूकता को बढ़ावा देता है, वहीं दूसरी ओर समाज में नारी सम्मान और स्वास्थ्य संरक्षण की भावना को भी मजबूती प्रदान करता है।

शिविर की चिकित्सा जिम्मेदारी रोटेरियन डॉ. एस. सी. मुंशी और उनकी विशेषज्ञ टीम ने पूरी निष्ठा और दक्षता के साथ निभाई। इस पूरे कार्यक्रम में शिविर प्रमुख रोटेरियन प्रदीप नारायण की भूमिका विशेष रूप से सराहनीय रही। वैक्सीनेशन की प्रत्येक प्रक्रिया को वैज्ञानिक मानकों और सुरक्षा उपायों के अनुरूप संचालित किया गया, जिससे अभिभावकों और लाभार्थियों को सुरक्षित वैक्सीनेशन के प्रति आत्मविश्वास का अनुभव हुआ।

कार्यक्रम की सफलता में रोटरी क्लब के वरिष्ठ सदस्यों की सहभागिता अत्यंत सराहनीय रही। आज के शिविर में अनेक रोटरी सदस्यगण उपस्थित थे जिसमें महिला रोटेरियंस की संख्या भी काफी थी। उनकी सतत उपस्थिति और सक्रिय सहयोग ने न केवल व्यवस्थागत मजबूती दी, बल्कि सेवा कार्यों के प्रति क्लब की सामूहिक प्रतिबद्धता को भी दशार्या।

इस अवसर पर क्लब अध्यक्ष रोटेरियन महेश कुमार गुप्ता ने कहा- हमारा यह प्रयास स्वास्थ्य सेवा की दिशा में एक कदम मात्र नहीं है, यह हमारे समाज की बेटियों को एक सुरक्षित भविष्य देने का संकल्प भी है। रोटरी की विचारधारा सर्विस एवभ सेल्फ को हम तब तक सार्थक नहीं मान सकते, जब तक हम अपने आस-पास की महिलाओं को स्वस्थ और सशक्त बनाने की जिम्मेदारी नहीं उठाते। यह शिविर उसी सोच की परिणति है। रोटरी क्लब इस टीकाकरण परियोजना के माध्यम से एक बड़ी स्वास्थ्य क्रांति का बीजारोपण कर रहा है, जिसमें न केवल वैक्सीनेशन शामिल है, बल्कि उससे जुड़ी वैज्ञानिक जानकारी, मिथकों का निवारण और जन-भागीदारी को प्रोत्साहन भी शामिल है।

क्लब द्वारा यह भी जानकारी दी गई कि इस श्रृंखला को आगे जारी रखते हुए आगामी शिविरों की योजना भी तैयार की जा रही है, जिनमें अधिक से अधिक लाभार्थियों तक यह जीवनरक्षक वैक्सीन पहुंचाने का लक्ष्य है।

यह पहल रोटरी क्लब ऑफ बोकारो स्टील सिटी के उस समर्पण की प्रतीक है, जो समाज को केवल सेवा देने तक सीमित नहीं, बल्कि उसे स्वस्थ, सशक्त और जागरूक बनाने की दिशा में प्रतिबद्ध है।

जलसहिया कर्मचारी संघ जिला शाखा की बैठक संपन्न

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

गिरिडीह : झारखंड राज्य महिला जलसहिया कर्मचारी संघ जिला शाखा गिरिडीह की बैठक किरण पब्लिक स्कूल कोलडिया में संपन्न हुई। इस बैठक की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष दिव्या देवी ने प्रदेश संरक्षक अशोक कुमार सिंह की निगरानी में की। बैठक में जल सहिया संबंधित विभिन्न समस्याओं की चर्चा हुई। सर्वसमति से यह निर्णय लिया गया कि प्रदेश अध्यक्ष सितारा परवीन एवं दिव्या देवी जिला अध्यक्ष, सरिता देवी प्रदेश उपमहामंत्री ,नीतू यादव, बंदनी देवी, कविता देवी प्रखंड अध्यक्ष सदस्य के साथ दुमका मध्यान, गोड्डा अपराह्न, देवघर पहुंचकर जलसहिया बहनों को जागरूक करेगी। इस प्रकार दूसरे सप्ताह हजारीबाग चतरा और कोडरमा जिले की यात्रा के साथ-साथ आगे अन्य सप्ताह में अन्य जिलों का दौरा किया जाएगा।बैठक में सरकार से मांग की गई कि जलसहिया जनहित में लगातार सेवा में लगे रहना चाहती है। इसलिए उस प्रकार का माहौल तैयार किया जाए जो कि पेयजल एवं स्वच्छता मिशन में कारगर साबित होगा। यह भी मांग की गई कि पूर्व की भांति बीसी यसएम की नियुक्ति पुनः की जाए जिसमें की विभागीय प्रोन्नति अथवा सीधी नियुक्ति पद पर महिलाऐ ही होना अनिवार्य है। बैठक में सरकार से मांग की गई कि जब तक न्यूनतम मजदूरी के आधार पर मानदेय निर्धारित नहीं होता इस बीच कम से कम आंगनबाड़ी सेविका की भारती11000 रुपए मासिक मानदेय निर्धारित की जाए।यह भी अनुरोध किया गया कि कर्तव्य अवधि निर्धारित कर प्रत्येक माह नियमित रूप से मानदेय भुगतान की व्यवस्था कायम की जाए।

पचम्बा थाना क्षेत्र में युवक-युवती ने मंदिर में की शादी

युवती ने परिवार पर लगाया विरोध का आरोप

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

गिरिडीह : पचम्बा थाना क्षेत्र से एक विवाह से जुड़ा मामला सामने आया है। जिसमें एक युवक और युवती दोनों बालिग हैं और स्थानीय निवासी हैं ने आपसी सहमति से विवाह कर ली है। युवती कुमारी अनिमका ने बताया कि यह विवाह उसकी स्वेच्छा से हुई है और युवक की ओर से किसी भी प्रकार की जबरदस्ती नहीं की गई है। युवती ने बताया कि उसने पहले ही अपने परिवार को युवक के बारे में जानकारी दी थी, लेकिन उनके परिवार वाले इस रिश्ते से सहमत नहीं थे। इस विषय को लेकर 13 मई को एक मीटिंग भी आयोजित की गई थी। जिसमें पूर्व वार्ड पार्षद अनिल राम सहित दोनों पक्षों के परिजन उपस्थित थे। हालांकि उस समय भी युवती के परिवार ने विवाह के लिए सहमति नहीं दी। इसके बाद युवती को उसके परिजन नानी के घर भेज दिया लेकिन युवती ने वहां से युवक को फोन किया और दोनों ने दुखिया महादेव मंदिर, उड़नाबाद में विवाह रचा ली। युवक के परिवार ने इस विवाह को स्वीकार कर लिया है। वे इस रिश्ते से संतुष्ट हैं। जबकि युवती के परिवार में अब भी असहमति बनी हुई है। इस प्रकरण को लेकर क्षेत्र में चचाओं का माहौल है। चूंकि दोनों युवक-युवती बालिग हैं और विवाह आपसी सहमति से हुई है। ऐसे में पुलिस मामले की गंभीरता से जांच कर रही है।

संक्षिप्त खबर

सिख समाज ने तिरंगा यात्रा में शामिल लोगों के लिए की ठंडा पेयजल व शरबत की व्यवस्था

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

कतरास : कतरास में भाजपा द्वारा निकाली गई तिरंगा यात्रा में कतरास सिख समुदाय के लोगों ने यात्रा में शामिल लोगों के लिए पेयजल, शरबत, गुड़, चना आदि की व्यवस्था की. मौके पर सिख समाज के हरभजन सिंह, राजू सरदार, इन्दर सिंह, लाली सिंह,पप्पू सिंह, विख्यात सिंह, सुखविंदर सिंह, इंद्रजीत सिंह, दल जीत सिंह, हरपल सिंह, अमृत सिंह, काकू सरदार, ट्विंकल सिंह आदि शामिल थे.

ओंकार म्यूजिक सेंटर में रविन्द्र जयंती मनायी गयी

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

धनबाद : हर साल के भांति इस साल भी मनईटांड बैंक कॉलोनी में स्थित ओंकार म्यूजिक सेंटर के द्वारा कवि गुरु रविंद्र नाथ ठाकुर की 164 वां रविन्द्र जयंती मनाया गया. सर्वप्रथम संस्था के संस्थापक श्याम बनर्जी एवं मनी दीपा बनर्जी ने मुख्य अतिथि डॉ. गोपाल चटर्जी और डॉ. सुजाता चटर्जी को पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया. इसके बाद अनुश्री, अर्पिता, दीपाली, मौसमी, रूपा आदि ने संगीत प्रस्तुत किया. संस्था के छात्र पापाई, अद्रिजा, गोविन्दो ठाकुर, नयन, अंकिता और सुरभि आदि ने संगीत एवं नृत्य से सबका मन मोह लिया. कार्यक्रम को सफल करने के लिए बादल सरकार, श्यामल सेन, कल्याण घोषाल, सचिन पाठक, सोमेन रॉय और पूर्णेदु रॉय आदि का सहयोग रहा.

केशलपुर कोलियरी में बीसीकेयू की बैठक संपन्न

9 जुलाई को हड़ताल को सफल बनाने का किया गया आह्वान

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

कतरास : केशलपुर कोलियरी में बीसीकेयू का शाखा अध्यक्ष ठाकुर महतो के अध्यक्षता में बैठक किया गया. बैठक को बैठक को भाकपा-माले पोलित ब्यूरो सदस्य सह बीसीकेयू केंद्रीय उपाध्यक्ष हलधर महतो ने संबोधित करते हुए कहा कि केंद्र की भाजपा सरकार मजदूर विरोधी, लेबर कोर्ट लाकर मजदूरों के लोकतांत्रिक अधिकार को समाप्त करने का प्रयास कर रहा है.

इसके विरोध में पूरे देश के मजदूर वर्ग संगठित होकर 9 जुलाई को अपनी चट्टानी एकता दिखाने का मौका है. साथ ही केंद्र की तानाशाही सरकार के खिलाफ लड़ने के लिए मजदूर वर्ग को किसान आंदोलन से प्रेरणा लेकर एक लंबी लड़ाई की तैयारी करने की जरूरत है. तभी एक फासीवादी सरकार मजदूर के हक और अधिकार, देश के सरकारी संपत्तियों को निजी कंपनी के हाथ में देने की नीति अपनाया हुआ है.

उसे रोकने के लिए मजदूरों को भी अपनी संगठन को मजबूत एवं संघर्षशील बनाने के लिए नई पीढ़ी के नौजवान मजदूर को नेतृत्व संभालना होगा और नेतृत्व की भूमिका निभाना होगा. जिसके लिए मजदूरों के बीच में राजनीतिक प्रशिक्षण चलने का आवाह्न किया गया. बैठक में शाखा सचिव सुनील कुमार महतो, शंकर महतो, दिलीप कुमार महतो, सृष्टिधर महतो, अजीत दास, चेतु साहू, दिलीप महतो, रामू महतो, कार्तिक महतो, रामाश्रय सिंह, रॉबिन महतो, भैरवनाथ महतो आदि उपस्थित थे.

जेल अदालत में छह मामलों का निपटारा

पश्चिम सिंहभूम (एजेंसी)। पश्चिमी सिंहभूम जिला मुख्यालय स्थित मंडल कारा परिसर में रविवार को एक विशेष जेल अदालत का आयोजन किया गया, जिसमें छह मामलों का निपटारा किया गया। यह आयोजन झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार, रांची के निर्देश पर जिला विधिक सेवा प्राधिकार, चाईबासा की ओर से किया गया। कार्यक्रम का संचालन प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश मोहम्मद शाकिर के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ।

जेल अदालत की अध्यक्षता न्यायिक दंडाधिकारी मंजीत कुमार साहू ने की। इस दौरान लंबित छह मामलों का त्वरित समाधान किया गया, जिससे संबंधित कैदियों को राहत मिली।

इस अवसर पर जेल परिसर में बंदियों के लिए स्वास्थ्य जांच शिविर का भी आयोजन किया गया। स्वास्थ्य विभाग की टीम ने बंदियों की नियमित जांच की और आवश्यक परामर्श भी प्रदान किया। कैदियों की सेहत को लेकर यह पहल सराहनीय मानी जा रही है।

कार्यक्रम के दौरान मंडल कारा के जेल अधीक्षक सुनील कुमार, संबंधित न्यायालयों के कर्मचारी एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकार की टीम उपस्थित रही।

बाघमारा प्रखंड कार्यालय में मेगा विधिक सशक्तिकरण शिविर आयोजित

लाभुको के बीच योजनाओं से जुड़े पत्र भी किया गया वितरित

समाज का अंतिम व्यक्ति को योजना के प्रति अवगत कराना मुख्य मकसद: न्यायाधीश

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

बाघमारा : बाघमारा प्रखंड कार्यालय में जिला विधिक सेवा प्राधिकार (डालसा) के द्वारा रविवार को मेगा विधिक सशक्तिकरण शिविर लगाया गया. कानूनी जागरूकता के लिए आयोजित इस शिविर में न्यायाधीश सुरेश उरांव एवं पैनल अधिवक्ता केएल ठाकुर तथा पारा लीगल वालंटियर्स ने आम लोगों को कानूनी सहायता के साथ-साथ नए कानूनों से जुड़ी जानकारी दी ग. इसके अलावा, सरकारी योजनाओं से जुड़ी जानकारी भी दी गई. साथ ही दर्जनों लाभुकों के बीज पारितोषिक वितरण किया गया. दिव्यांगों को वैशाखी, प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत लाभुको को राशि वितरण किया गया. तथा लाभुकों के बीच योजनाओं से जुड़े वितरण पत्र भी वितरित किया गया. न्यायाधीश ने कहा कि इस शिविर का आयोजन करने का मकसद, लोगों को कानूनी जानकारी उपलब्ध कराना और उन्हें विधिक सशक्तिकरण के बारे में जागरूक करना होता है. सरकार की जो भी महत्वाकांक्षी योजनाएं संचालित की जा रही है और जिसकी जानकारी लोगों तक नहीं है. वैसे लोगों तक शिविर के माध्यम से यह जानकारी दी गयी. ताकि समाज का अंतिम व्यक्ति उसे योजना के प्रति अवगत हो सके और उसका लाभ उठा सके. मौके पर प्रखंड प्रमुख गीता देवी, बीडीओ लक्ष्मण यादव, सीडीपीओ विमला देवी, प्रखंड पशुपालन पदाधिकारी डॉ नबी हुसैन, कृषि पदाधिकारी तरुण कुमार, जनसेवक प्रेमलता सिंह, महिला पर्यवेक्षिका जयश्री शर्मा, हेमलता कुमारी, इंदु कुमारी, बीपीओ दीपक कुमार रवानी, सांसद प्रतिनिधि गौतम गोप, बीस सूत्री क्रियान्वयन समिति के उपाध्यक्ष राहुल महतो सहित अन्य अधिकारी मौजूद थे.

स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी एसएनएमएमसीएच का किया निरीक्षण

मंत्री ने कहा जब तक खादी खाकी वाले सरकारी अस्पताल में नहीं कराएंगे इलाज, तब तक अस्पताल नहीं सुधरेगा२

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

धनबाद : एसएनएमएमसीएच के निरीक्षण करने पहुंचे स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी बातचीत में मंत्री ने कहा कि

सरकारी अस्पताल की व्यवस्था में सुधार तब तक मुमकिन नहीं है जबतक खादी और खाकी भी अपना इलाज निजी अस्पतालों के बजाय सरकारी अस्पताल में नहीं कराते हैं. उन्होंने कहा कि जमशेदपुर मेडिकल कॉलेज में घटी घटना की पुनरावृति न हो इसे लेकर झारखण्ड सरकार काफी सचेत है. उन्होंने एसएनएमएमसीएच के जर्जर भवन की मरम्मति को लेकर दिए निर्देश.

स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि भवन हो चूका है पुराना,सरकार इसके डिमोलिस कर भी कर चुकी है. एक्सरे मशीन की मरम्मति एवं नई मशीन आने तक मरीजों का एक्सरे निजी जांच केंद्र से कराने के दिए गए हैं निर्देश, सरकार वहन करेगी खर्च. मंत्री इरफान अंसारी को ग्रामीणों ने भी रास्ता बंद करने को लेकर घेराबंदी की तो मंत्री ने कहा कि मामले की जांच करायेंगे.

20 मई को बिनोद बाबू के आदमकद प्रतिमा का अनावरण को लेकर झामुमो ने बीबीएमकेयू प्रशासन के साथ की बैठक

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

धनबाद : बिनोद बिहारी महतो कोयलांचल विश्वविद्यालय, धनबाद परिसर में आगामी 20 मई को बिनोद बिहारी महतो की आदमकद प्रतिमा का अनावरण झारखण्ड के राज्यपाल संतोष गंगवार एवं मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के द्वारा किया जाएगा. इसको लेकर झारखंड मुक्ति मोर्चा के वरिष्ठ नेत्री केंद्रीय सदस्य मीडिया पैनलिस्ट डॉ.नीलम मिश्रा, जिलाध्यक्ष लखी सोरेन, जिला सचिव मनु आलम, जिला उपाध्यक्ष मुकेश सिंह, युवा नेता राज आनंद सिंह, उदय तिवारी, राजू प्रमाणिक एवं पार्टी के अन्य सदस्य के साथ कोयलांचल विश्वविद्यालय के कुलपति, प्रोफेसर डॉ. रामकुमार सिंह एवं विश्वविद्यालय प्रशासन से मिलकर के कार्यक्रम को सफल बनाने हेतु बैठक कर कार्यक्रम का जायजा लिया.

इलाज के दौरान हॉलेज ऑपरेटर की मौत, पुत्र को मिला नियोजन

मृतक मदन रवानी एएमपी कोलियरी में कार्यरत था

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

बाघमारा : बरोरा क्षेत्र के एएमपी कोलियरी में कार्यरत हालेज ऑपरेटर मदन रवानी (50) की मृत्यु शनिवार को हो गयी. मौत का कारण हार्टअटैक बताया गया है.

वह 12 मई को ड्यूटी से घर लौटने के दौरान उनके सीने दर्द बढ़ने से बीमार पड़ गया. डुमरा रीजनल अस्पताल के चिकित्सक ने हार्टअटैक बताते हुए उसे तुरंत रेफर कर दिया. धनबाद के असर्फी अस्पताल में इलाज के दौरान उनकी मौत हो गयी. वह विस्थापित बड़ा पांडेयडीह रहने वाला था. उसे एक पुत्र और दो पुत्री है.

नियोजन के लिए शव के साथ धरना रविवार को सुबह अस्पताल से शव लेकर परिजन जीएम कार्यालय पहुंचे. मृतक के आश्रित पुत्र को प्रोविजनल नियोजन की मांग को लेकर संयुक्त मोर्चा शव के साथ धरना पर बैठ गये. कोलियरी का चक्का जाम करने की चेतावनी पर प्रबंधन हरकत में आये. सूचना पाकर विधायक शत्रुघ्न महतो भी पहुंचे. उनके हस्तक्षेप पर अपर महाप्रबंधक जीके मेहता, प्रभारी परियोजना पदाधिकारी पाचन पांडेय, क्षेत्रीय प्रबंधक कार्मिक हेमंत कुमार हेनो युनियन प्रतिनिधियों के बीच वार्ता की. मृतक की पत्नी फुल कुमारी देवी के आग्रह पर प्रबंधन ने मृतक के पुत्र प्रभाकर रवानी को प्रोविजनल नियुक्ति पत्र दिया गया. साथ ही अन्य राशि का भुगतान करने का आश्वासन दिया गया. इसके बाद परिजन शव को उठाकर दाह संस्कार के लिए घर ले जाया गया. मौके पर जेके झा, संतोष गोराई, तुलसी साव, उमाकांत राय, बिनोद रवानी, मंगल हेम्ब्रम , देवनाथ चौहान ,अनूप चौहान, नंदू दुसाध, पालचंद महतो, एनडी पांडेय, नवल किशोर महतो, संजय सिंह , उदय शंकर चौहान ,सुमन पांडेय, धीरेन रवानी, दुर्गा रवानी, महेन्द्र रवानी , गणेश सिंह , जेएन पोद्दार, मनोज मोदी, बजरंगी चौहान, भोला रवानी, मंसूर आलम, रामस्वरूप मिश्रा आदि मौजूद थे.

खरखरी कोलियरी स्थित बाबूडीह के ग्रामीणों ने पूर्व मुख्यमंत्री सुदेश महतो को लिखा पत्र

पत्र में कहा कि बीसीसीएल प्रबंधन जबरन हमारी रैयती जमीन कब्जा कर काम शुरू कर दिया है, न्याय दिलायी जाए

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

कतरास : झारखंड के पूर्व उप मुख्यमंत्री सुदेश कुमार महतो को ग्रामीणों ने एक पत्र लिखकर कहां है कि बीसीसीएल एवं आउटसोर्सिंग प्रबंधन के द्वारा रैयतों व ग्रामीणों के जमीन का मुआवजा, नियोजन एवं अन्य मांगो को सुलझाए बिना पुनः हिलटॉप आउटसोर्सिंग कम्पनी द्वारा रैयती जमीन पर जबरन कार्य किया जा रहा है.ग्रामीणों का कहना है कि बीसीसीएल गोविंदपुर क्षेत्र संख्या-3 के खरखरी कोलियरी के खरखरी, बाबूडीह, सुड़ियाडीह, ब्राह्मणडीहा, धमाबांध आदि गांवों में एमडीओ के तहत हिलटॉप ऐनजी प्रालि आउटसोर्सिंग कम्पनी के माध्यम से कोयला खनन योजना की निविदा स्वीकृत हुई है. परन्तु उक्त कम्पनी द्वारा कार्य करने से पूर्व सार प्र क्रियाएं पूरा नहीं की गई है. ग्रामीणों ने बताया कि रैयती जमीन का मामला सुलझाए बिना उक्त जमीन पर जबरन व धांधली तरीके से घेराबंदी (बाउंड्री वॉल) का कार्य प्रारंभ कर दिया गया था, जिसके परिणाम स्वरूप गत 09 जनवरी 2025 को खरखरी कोलियरी के बाबूडीह जंगल में रैयतों एवं आउटसोर्सिंग के गुंडों तथा लठैतों के बीच जोरदार टकराव हो गया था, जिसमें कई लोग घायल हो गए थे.एक रैयत सुभाष सिंह गुंडों के गोली से बुरी तरह घायल हो गया था. आउटसोर्सिंग के गुंडों को पकड़ने के क्रम में बाघमारा डीएसपी पर पथराव कर उन्हें बुरी तरह से घायल कर दिया गया था. पुरे मामले में प्रशासन द्वारा कुल 12, 13 प्राथमिकी दर्ज की गई थी.

उक्त घटना के कारण आज दर्जनों आउटसोर्सिंग के गुंडों के साथ साथ कई निर्दोष रैयत/ग्रामीण भी जेल में बंद है. इसके अलावे गिरिडीह लोकसभा क्षेत्र के सांसद चन्द्र प्रकाश चौधरी द्वारा उक्त मामले में हम रैयतों के साथ न्याय एवं असमाजिक तत्वों पर उचित कारवाई के लिए कई विभागों एवं मंत्रालय में पत्राचार किया गया है. इसके बावजूद खरखरी कोलियरी में इतनी बड़ी घटना के बाद भी हम ग्रामीणों का जमीन विवाद व नियोजन मामले को सुलझाने की दिशा में बीसीसीएल एवं उक्त आउटसोर्सिंग प्रबंधन द्वारा कोई प्रयास नहीं किया गया. उल्टे बीसीसीएल एवं उक्त आउटसोर्सिंग प्रबंधन द्वारा जमीन तिवाद व नियोजन मामला को सुलझाए बिना पुनः हम ग्रामीणों की जमीन पर गुंडों व बन्दूक के बल पर जबरन कार्य कराया जा रहा है.

ग्रामीणों द्वारा उक्त जमीनों में नियम विरुद्ध कार्य किये जाने की बात पर उक्त कम्पनी द्वारा रैयतों व ग्रामीणों को डराया धमकाया जा रहा है तथा झूठे केस में फंसा कर जेल में सड़ा देने की धमकी दे रहा है.पत्र देने वाले रैयत ग्रामीणो में सुभाष सिंह, हेमंत कुमार, समीर गयाली, रमाशंकर तिवारी आदि शामिल है.

जमशेदपुर में सिंदूर यात्रा निकालकर वीर जवानों के प्रति आभार जताया गया

पूर्वी सिंहभूम (एजेंसी)। पहलगाम आतंकी हमले के जवाब में भारतीय सेना की ओर से चलाए गए ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के बाद देशभर में सेना के साहस और बलिदान को सम्मानित करने की मुहिम तेज हो गई है। इसी कड़ी में जमशेदपुर पूर्वी में विधायक पूर्णिमा दास साहू के नेतृत्व में महिलाओं ने सिंदूर यात्रा निकालकर वीर जवानों के प्रति आभार जताया।

रविवार को जमशेदपुर पूर्वी की विधायक पूर्णिमा दास साहू के नेतृत्व में सिंदूर यात्रा निकाली गई, जो एग्रिको मैदान से प्रारंभ होकर गोलमुरी पुलिस लाइन स्थित शहीद स्थल तक पहुंची। इस विशेष यात्रा में सैकड़ों महिलाओं ने भाग लिया, जो हाथों में सिंदूर लिए, शहीदों को नमन करने पहुंचीं। वहां कलश में सिंदूर भरकर उसे सेना के लिए समर्पित किया गया।

विधायक पूर्णिमा साहू ने ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के लिए भारतीय सेना और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार जताते हुए कहा कि यह यात्रा हमारे उन जवानों को समर्पित है जो देश की रक्षा में दिन-रात डटे रहते हैं। उन्होंने कहा कि हम अपने सुहाग की रक्षा करने वाले फौजियों के माथे पर सिंदूर का तिलक लगाकर उन्हें सम्मान देना चाहते हैं। यदि जरूरत पड़ी, तो देश की नारियां भी हथियार उठाने से पीछे नहीं हटेंगी।

इस अवसर पर महिलाओं ने देशभक्ति के नारे लगाए और जवानों के प्रति सम्मान व्यक्त किया। हालांकि, इस आयोजन को लेकर राजनीतिक विवाद भी देखने को मिला है। कांग्रेस ने भाजपा पर ऑपरेशन सिंदूर का राजनीतिक लाभ उठाने का आरोप लगाया है, जबकि भाजपा ने कांग्रेस की टिप्पणी को ओछी राजनीति करार दिया है।

बांग्लादेशी घुसपैठ के नाम पर झारखंड के आदिवासियों और मूलवासियों को बांटने का षड्यंत्र रच रही भाजपा : विनोद कुमार पांडेय

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

रांची। भाजपा नेता चंपाई सोरेन के बयानों पर झारखंड मुक्ति मोर्चा के महासचिव विनोद कुमार पांडेय ने कड़ी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने प्रेस बयान जारी कर कहा कि भाजपा को राज्य की जनता के मुद्दों से कोई सरोकार नहीं है। बांग्लादेशी घुसपैठ के नाम पर झारखंड के आदिवासियों और मूलवासियों को बांटने का प्रयास किया जा रहा है। केंद्र सरकार के स्पेशल टास्क फोर्स के गठन का असली मकसद आदिवासी समाज को डराने और कमजोर करने का षड्यंत्र है। उन्होंने कहा कि भाजपा आदिवासियों के नाम पर राजनीति कर रही है, लेकिन सत्ता में रहते हुए उन्होंने कभी सरना धर्म कोड को मान्यता नहीं दी।

महासचिव विनोद पांडेय ने आगे कहा कि महिला सुरक्षा के मुद्दे पर भाजपा को झारखंड सरकार को घेरने का कोई अधिकार नहीं है। अंतरराष्ट्रीय सीमा पर सुरक्षा पूरी तरह केंद्र सरकार का विषय है। अगर घुसपैठ हुआ है तो इसके लिए केंद्र सरकार को जिम्मेदारी लेनी चाहिए और अपनी गलती को सुधारने के लिए कदम बढ़ाना चाहिए। लेकिन अपनी गलती का ठीकरा दूसरों पर फोड़ने की अपनी आदत के अनुकूल भाजपा काम करती दिख रही है।

धर्मांतरण पर चंपाई सोरेन के बयान पर पांडेय ने कहा कि भाजपा हमेशा से ही धार्मिक ध्रुवीकरण कर सत्ता हासिल करने की कोशिश करती रही है। उन्होंने कहा कि झामुमो ने आदिवासियों-मूलवासियों के अधिकारों के लिए हमेशा संघर्ष किया है और आगे भी करता रहेगा। भाजपा को चाहिए कि वह आदिवासियों के मुद्दों पर राजनीति करने के बजाय उनके अधिकारों की रक्षा के लिए ठोस कदम उठाए।

बच्चों के अधिकारों की रक्षा करता है किशोर न्याय अधिनियम : अन्नपूर्णा देवी

किशोर न्याय अधिनियम पर राष्ट्रीय परामर्श बैठक का आयोजन

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

रांची। रांची के न्यायिक अकादमी में रविवार को किशोर न्याय अधिनियम और इससे संबंधित कानूनों पर एक दिवसीय विशेष परामर्श बैठक का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता केंद्रीय महिला और बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने की। इस बैठक का उद्देश्य किशोर न्याय प्रणाली को अधिक प्रभावी, संवेदनशील और न्यायपूर्ण बनाने के लिए हितधारकों के बीच संवाद स्थापित करना था।

मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने इस अवसर पर कहा कि जब हम हर बच्चे को न्याय, संरक्षण और सम्मान देते हैं, तभी एक संवेदनशील और सशक्त समाज की नींव रखी जाती है। किशोर न्याय अधिनियम इसी दिशा में एक सशक्त कदम है, जो न केवल बच्चों के अधिकारों की रक्षा करता है, बल्कि उन्हें पुनर्वास एवं पुनर्सवर्धन के माध्यम से गरिमामयी जीवन की ओर अग्रसर करता है।

कार्यक्रम में बाल न्यायालयों के न्यायाधीशों, प्रधान मजिस्ट्रेटों, किशोर न्याय बोर्ड (जेजेबी) और चाइल्ड वेलफेयर कमिटी कल्याण (सीडब्लूसी) के सदस्यों, विशेष किशोर पुलिस इकाई (एसजेपीयू) के अधिकारी, जिला बाल संरक्षण इकाई (डीसीपीयू) के पदाधिकारी सहित अनेक महत्वपूर्ण हितधारकों की उपस्थिति रही।

विशिष्ट अतिथि के रूप में न्यायमूर्ति अनुभा रावत चौधरी, न्यायाधीश, झारखंड उच्च न्यायालय उपस्थित रहीं। उन्होंने किशोर न्याय प्रणाली की संवेदनशीलता और उसमें सुधार की संभावनाओं पर अपने विचार रखे। कार्यक्रम में न्यायिक अकादमी के निदेशक राजेश शरण सिंह, संयुक्त निदेशक डॉ. संध्या मिश्रा बारिक ने भी बाल संरक्षण प्रणाली को सशक्त बनाने के विभिन्न पहलुओं पर विचार साझा किए।

बैठक में उपस्थित सभी विशेषज्ञों और अधिकारियों ने किशोर न्याय प्रणाली की चुनौतियों, सुधारों और भविष्य की दिशा पर उपयोगी संवाद किया। यह परामर्श बैठक बाल अधिकारों की रक्षा और न्यायिक प्रणाली के उन्नयन की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल साबित होगी।

19 May Page 4_Page 3.qxd 5/18/2025 10:38 PM Page 1

पीके व आरसीपी को नहीं मालूम कि बिहार की जनता के पास है एनडीए वाला एंटीवायरस : मांझी

जन सुराज के नेता प्रशांत किशोर व आरसीपी सिंह के एक साथ आने पर केंद्रीय मंत्री जीतनराम मांझी ने दी

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

गया :जन सुराज पार्टी के नेता प्रशांत किशोर और पूर्व केंद्रीय मंत्री आरसीपी को एक साथ आने पर केंद्रीय मंत्री जीतनराम मांझी ने रविवार को अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि प्रशांत किशोर और आरसीपी सिंह मिलकर भी कुछ हासिल नहीं कर पाएंगे।

इन दोनों को नहीं मालूम कि बिहार की जनता के पास एनडीए वाला एंटीवायरस है।उन्होंने कहा कि बिहार को विषाक्त करने के मकसद से कीटाणु और विषाणु एक साथ आए हैं। पीके और आरसीपी जैसे नेता आपस में मिलकर ये सोच रहे हैं कि वो जनता को बर्बाद कर देंगे लेकिन शायद उन्हें नहीं मालूम कि बिहार की जनता के पास एक ऐसा एंटीवायरस है जिसका नाम

एनडीए है। केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने कहा कि इन दिनों की जोड़ी को ये समझना चाहिए कि एनडीए का एंटीवायरस किसी भी वायरस से निपटने में कारगर है। प्रशांत किशोर हों या आरसीपी सिंह ये दोनों राजनीतिक तौर पर असफल लोग हैं। इससे हास्यास्पद स्थिति और क्या हो सकती है कि 6 महीने 18 दिन पहले नई पार्टी बनाने वाले आरसीपी सिंह ने उसका विलय प्रशांत किशोर की उस जन सुराज पार्टी में कर दिया जिसे बने अभी केवल 7 महीने 16 दिन हुए हैं। यह तथ्य बताने को काफी है इन दोनों का कोई जनाधार नहीं है। केंद्रीय मंत्री श्री मांझी ने कहा कि प्रशांत किशोर हों या आरसीपी सिंह दोनों बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के साथ काम कर चुके हैं। लेकिन अगर ये दोनों वहां टिककर नहीं रह पाए तो इसकी सबसे बड़ी वजह ये रही कि दोनों का व्यक्तिगत स्वार्थ सबसे ऊपर रहा। दोनों के बीच

नौरंगिया पुलिस ने शराब पार्टी करते चार वनपाल सहित पांच को किया गिरफ्तार

पश्चिम चम्पारण (बगहा), (एजेंसी) : वाल्मीकि व्याघ्र परियोजना वन प्रमंडल 2 के मदनपुर वन क्षेत्र के फॉरेस्टर के सरकारी आवास पर शराब पार्टी करते चार वनपाल सहित पांच अन्य लोगों को नौरंगिया पुलिस ने शनिवार की देर रात गिरफ्तार किया। आवास से पुलिस ने शराब की बोतल, केन बियर और अन्य बीयर की बोतल को भी बरामद किया है।इस मामले में गिरफ्तार सभी आरोपियों को बिहार मध्य निषेध अधिनियम के तहत मामला दर्ज करते हुए न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

थानाध्यक्ष अजय कुमार ने बताया कि गुप्त सूचना मिली थी कि वाल्मीकि व्याघ्र आरक्ष के मदनपुर वन क्षेत्र स्थित फॉरेस्टर के आवास पर कुछ लोग शराब पार्टी कर रहे हैं। इसकी सूचना वरीय अधिकारियों को दी गई।इसके उपरांत मदनपुर वन क्षेत्र के वनपाल के सरकारी आवास पर छापेमारी की गई।

धनबाद की महिला रेल यात्री से छेड़छाड़ के आरोप में एक पुरूष यात्री गिरफ्तार

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

गया : गया जंक्शन होकर प्रतिदिन चलने वाली 13329 धनबाद-पटना गंगा दामोदर एक्सप्रेस के कोच संख्या एस-3 में सफर के दौरान महिला यात्री से छेड़खानी के मामले में एक यात्री को गिरफ्तार किया गया। रेल सूत्रों ने बताया कि गया जंक्शन पर ट्रेन पहुंचने के साथ ही रेल थानाध्यक्ष राजेश कुमार सिंह के नेतृत्व में रेल पुलिस के जवानों ने कार्रवाई करते हुए छेड़खानी करने वाले यात्री को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार व्यक्ति राजमोहन कुमार,ग्राम गंगाईया पोस्ट पिजड़ावा थाना कुड़िया जिला अरवल का रहने वाला है। बताया गया कि शनिवार की देर रात

जब ट्रेन मानपुर रेलवे स्टेशन से खुली। उसी समय धनबाद के

सिंदरी के रहने वाले करीब 37 वर्षीय महिला यात्री से छेड़खानी की शिकायत पर रेल थाना में मामला दर्ज किया गया।

आंधी पानी से दवा किसानों के नुकसान की क्षतिपूर्ति करें सरकार:पप्पू यादव

पूर्णिया, (एजेंसी) : पूर्णिया जिले में बीते दिन आई तेज आंधी और मूसलधार बारिश ने भारी तबाही मचाई। कई जगहों पर पेड़ टूटकर बिजली के तारों और पोलों पर गिर पड़े, जिससे विद्युत आपूर्ति बाधित हो गई। इस प्राकृतिक आपदा ने सबसे अधिक नुकसान गरीब किसानों को पहुंचाया, जिनकी मक्का और सब्जी की फसलें पूरी तरह से बर्बाद हो गईं।

क्षेत्र का दौरा करने के बाद पूर्णिया के सांसद राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव ने स्थिति की गंभीरता को देखते हुए सरकार से तत्काल राहत एवं क्षतिपूर्ति की मांग की है। उन्होंने कहा कि किसानों ने इस बार कर्ज लेकर मक्का और सब्जियों की खेती की थी, लेकिन

आंधी और बारिश ने सारी मेहनत और उम्मीदों पर पानी फेर दिया। किसानों के अनुसार फसल कटाई के करीब थी, लेकिन अब लागत भी निकलना मुश्किल हो गया है।

सांसद पप्पू यादव ने विशेष रूप से राज्य सरकार और जिला प्रशासन से आग्रह किया कि फसल क्षति का त्वरित आकलन कर प्रभावित किसानों को मुआवजा दिया जाए। उन्होंने कहा कि किसानों की आर्थिक हालत पहले से ही डगमगाई हुई है और इस तबाही ने उन्हें पूरी तरह तोड़ दिया है। अगर समय रहते मदद नहीं मिली तो सैकड़ों परिवार भूख और कर्ज के बोझ तले दब जाएंगे।

उन्होंने यह भी कहा कि सिर्फ आश्वासन नहीं, जमीन पर राहत दिखनी चाहिए। साथ ही यह चेतावनी दी कि अगर प्रशासन ने शीघ्र कार्रवाई नहीं की तो वे खुद जनआंदोलन की अगुवाई करेंगे और किसानों का हक दिलवाकर रहेंगे।

सम्राट चौधरी ने बाढ अनुमंडल के अंचल कार्यालय और थाना स्तर पर कड़ी निगरानी रखने का दिया निर्देश

पटना, (एजेंसी) : उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने बाढ अनुमंडल की समीक्षा बैठक में अंचल कार्यालय और थाना स्तर पर कड़ी निगरानी रखने के निर्देश दिये।

बाढ़ जिले के प्रभारी मंत्री के नाते उन्होंने तीन अंचल कार्यालयों की रिपोर्ट मांगी। जिनमें पंडारक में मिले 1.19 लाख मामलों में से सबसे अधिक 57 फीसद

मामले खारिज कर दिये थे। एक अंचल कार्यालय का परफार्मेंस सबसे कमजोर पाया गया।

इस पर अनुमंडलाधिकारी को निर्देश दिया गया कि जिन अंचल कार्यालय ने जनता की शिकायतें दूर करने में शिथिलता बरती है, उसकी रिपोर्ट तीन हफ्ते के भीतर तैयार कर संबंधित अधिकारी के विरुद्ध कार्रवाई की जाए।

सम्राट चौधरी ने अनुमंडल में आपात चिकित्सा (ट्रामा सेंटर), विद्यालयों में पेजयल-शौचालय जैसी बुनियादी सुविधाओं की स्थिति सहित 11 योजनाओं के क्रियान्वयन का जायजा लिया और आवश्यक निर्देश दिए ।

उपमुख्यमंत्री चौधरी ने स्कूलों में ड्राप आउट कम करने और पढाई की गुणवत्ता सुधारने के लिए पूर्णिया मॉडल के स्मार्ट क्लास शुरू करने का निर्देश दिया।

उन्होंने कहा कि जिन ट्रामा सेंटर पर डाक्टर और नर्स की कमी है, उसे तुरंत दूर किया जाए। इसके लिए प्रतिनियुक्ति पर दूसरी जगह काम करने वाले डाक्टरों का डेपुटेशन रद करने और नर्सों की नियुक्ति के लिए सरकार के अधियाचना भेजी जानी चाहिए ।

भारत निर्वाचन आयुक्त ने आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर अधिकारियों के साथ की समीक्षात्मक बैठक

पश्चिम चम्पारण(बगहा), (एजेंसी) : भारत निर्वाचन आयुक्त आगामी बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर दो दिवसीय दौरे पर शनिवार की शाम वाल्मीकिनगर पहुंचे। बिहार विधानसभा आम निर्वाचन 2025 की तैयारियों की समीक्षा के क्रम में भारत निर्वाचन आयोग के निर्वाचन आयुक्त डॉक्टर विवेक जोशी तथा बिहार के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी विनोद सिंह गुंजियाल रविवार को वाल्मीकिनगर स्थित अंतरराष्ट्रीय कन्वेंशन सेंटर के वाल्मीकि सभागार में जिलाधिकारी, जिला प्रशासन, एसएसबी तथा पुलिस प्रशासन के साथ आगामी विधानसभा निर्वाचन की तैयारियों को लेकर समीक्षात्मक बैठक की।बैठक में आदर्श आचार संहिता के अनुपालन,मतदाता सूची के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण, मतदान प्रतिशत बढ़ाने हेतु स्वीप गतिविधियां की समीक्षा, विधि व्यवस्था,दिव्यांग एवं वृद्ध मतदान कर्मियों के प्रबंधन, तथा पश्चिम चंपारण तथा पूर्वी चंपारण की सीमा पर भारत तथा नेपाल के सीमा पर सुरक्षा के लिए तैनात सभी एस एस बी बटालियन के अधिकारियों के साथ सुरक्षा से संबंधित कई अहम बिंदुओं पर चर्चा किया ।

बैठक के उपरांत मुख्य निर्वाचन आयुक्त के द्वारा वाल्मीकिनगर स्थित नदी घाटी योजना उच्च विद्यालय तथा राजकीय मध्य विद्यालय में स्थित बूथ संख्या 14,15,16 तथा 17 का निरीक्षण किया । निरीक्षण के दौरान सभी बूथ के प्रधान शिक्षक मनोज कुमार,बी एल ओ से बूथ पर मतदाताओं की संख्या, वोट प्रतिशत के अलावा बूथ पर मूलभुत सुविधाओं आदि की जानकारी ली। साथ ही बी एल ओ सहित अन्य अधिकारियों से वोट प्रतिशत के वृद्धि के लिए दिशा निर्देशित किया गया।इस अवसर पर जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह जिला पदाधिकारी दिनेश कुमार राय, डी डी सी सुमित कुमार, ए डी एम राजीव कुमार सिंह, एस डी एम गौरव कुमार,एस पी सुशांत कुमार सरोज, डी एस पी कुमार देवेंद्र, वाल्मीकि नगर थाना अध्यक्ष संजय कुमार सिंह,बी डी ओ बगहा दो के बिड्डू कुमार, बी डी ओ बगहा एक प्रदीप कुमार, एस एस बी बेतिया के डी आई जी एस सुब्रह्मण्यम, एस एस बी 21 वी बटालियन बगहा के कमांडेंट तपेश्वर राउत, एस एस बी 44 वी बटालियन नरकटियागंज के कमांडेंट बलदेव सिंह नेगी, एस एस बी 65 वी बटालियन बेतिया के कमांडेंट नंदन सिंह मेहरा, एस एस बी 47 वी बटालियन रक्सौल के कमांडेंट संजय पांडे, बेतिया के वन प्रमंडल पदाधिकारी अतीश कुमार, वन प्रमंडल दो के वन प्रमंडल पदाधिकारी पीयूष वर्णवाल उप मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी बिहार के अशोक प्रियदर्शी के अलावा जिला तथा प्रखंड के कई अधिकारी उपस्थित रहें।

केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने भागलपुर में मेगा टेक्सटाइल पार्क की स्थापना को लेकर पीएम को लिखा पत्र, बुनकरों में हर्ष

भागलपुर, (एजेंसी) : केंद्रीय मंत्री सह लोजपा रामविलास के राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान ने भागलपुर में पीएम मित्र योजना के तहत मेगा टेक्सटाइल पार्क की स्थापना किए जाने की मांग करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखा है। उन्होंने भागलपुर में इसकी स्थापना किए जाने को लेकर तर्क भी दिए हैं। इसको लेकर लोक जनशक्ति पार्टी भागलपुर इकाई के जिला अध्यक्ष सुबोध पासवान सहित अन्य ने रविवार को एक प्रेस वार्ता के दौरन चिराग पासवान को बधाई दी है।सुबोध पासवान ने कहा कि बुनकर की चिंताओं को लेकर चिराग पासवान ने जो यह पत्र लिखा है। इससे भागलपुर के बुनकरों में काफी उल्लास है। उन्होंने कहा कि बिहार फर्स्ट बिहारी फर्स्ट एक डॉक्यूमेंट है। चाहे भागलपुर के लिए हवाई सेवा हो, बुनकर की बात हो, बिजली की सुविधा हो, आवाज उठाने का काम लोग जनशक्ति पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान ने किया है। यह भागलपुर के लिए बड़ी बात है। अगर मेगा टेक्सटाइल पार्क भागलपुर में बन जाता है तो यहां का बुनकर व्यवसाय राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय व्यापार फलक पर होंगे।प्रदेश अध्यक्ष राजू तिवारी ने कहा कि यहां के बुनकर अभी जिर्ण शीर्ण अवस्था में अपने व्यवसाय को किसी तरह कर रहे हैं। मेगा टेक्सटाइल पार्क बनने से उन्हें अंतरराष्ट्रीय स्तर पर व्यापार करने में सहूलियत मिलेगी और एक मजबूत आय का आधार भी बनेगा और भागलपुर का नाम सिल्क सिटी से जाना जाता है वह फिर से उभरेगा।

पृष्ठ एक का शेष...

अमेरिका के टोरनेडो में तूफान ने पूरी रात मचाई तबाही....

एक स्थानीय हाई स्कूल में आपातकालीन आश्रय बनाया गया। ग्रोवर फिशबेक एक कमरे के दरवाजे के चौखट पर खड़े होकर किम्बर्ली वेल्स के घर को हुए नुकसान को देख रहे हैं, जब मोर्गनफील्ड, केंटकी में तूफानों की एक श्रृंखला आई थी।

मिसूरी में सेंट लुइस की मेयर कारा स्पेंसर ने बताया कि उनके शहर में पांच लोगों की मौत हुई। शुक्रवार को टोरनेडो में 38 घायल हुए और 5,000 से अधिक घर तबाह हो गए। उन्होंने कहा, ह्लयह तबाही दिल तोड़ने वाली है।ह्व सबसे प्रभावित इलाकों में कर्फ्यू लागू है। सेंट लुइस के सेंटेनियल क्रिश्चियन चर्च का हिस्सा ढह गया, जिसमें एक महिला पैट्रिशिया पेनल्टन की मौत हो गई। सेंट लुइस जू में तितली सुविधा की छत क्षतिग्रस्त हुई और तितलियों को चेस्टरफील्ड कंजर्वेटरी में रख दिया गया है। स्कॉट काउंटी में टोरनेडो से दो लोगों की मौत हुई और कई घर नष्ट हो गए। केंटकी में पहले भी ऐसी आपदाएँ आ चुकी हैं। 2021 में टोरनेडो से 81 लोगों की मौत हुई थी, 2022 में बाढ़ से दर्जनों लोग मारे गए थे। शोधकताओं के अनुसार, पारंपरिक ह्लटोरनेडो एलेह्ल (ओक्लाहोमा, कंसास) की तुलना में अब मिड-साउथ में टोरनेडो ज्यादा हो रहे हैं। मौसम विभाग ने चेतावनी दी कि टेक्सास, ओक्लाहोमा, और अरकंसास में रविवार तक बड़े ओले, तेज हवाएं और टोरनेडो का खतरा बना रहेगा। लोगों से सतर्क रहने की अपील की गई है। मौसम विभाग ने पहले चेतावनी जारी नहीं की। विशेषज्ञ फिलोमन गीर्टसन ने कहा कि यह टोरनेडो ही था, जो लंदन कॉर्बिन हवाई अड्डे तक पहुंच गया था। एक लोकल निवासी क्रिस क्रोमर ने बताया कि रात 11:30 बजे पहली चेतावनी मिली। वह अपनी पत्नी और कुत्ते के साथ रिलेटिव के साथ घर की क्रॉलस्पेस में छिप गए। उन्होंने कहा, टोरनेडो की कंपन महसूस हुई। मेरा छत का एक हिस्सा उड़ गया, लेकिन पड़ोस के घर नष्ट हो गए। यह अविश्वसनीय अनुभव था।

चौतरफा घिरा तुर्की मानने को तैयार नहीं, अब कश्मीर....

शामिल करने की कोशिश कर रहा है।

पाकिस्तान के खुले समर्थन में आने के बाद एर्दोगन ने कश्मीर के मुद्दे पर भी अपनी राय देनी शुरू कर दी है। उन्होंने टिप्पणी की है -हमने पाकिस्तानी पीएम शहबाज शरीफ के साथ कश्मीर मुद्दे पर व्यापक बातचीत की और मदद के तरीके तलाशे। मुद्दों पर संतुलित दृष्टिकोण पार्टियों को समाधान के करीब ला सकता है और नए सिरे से तनाव को रोकने में मदद कर सकता हैह्ल एर्दोगन इस मामले पर सुझाव भी दे रहे हैं और बता रहे हैं कि दोनों पड़ोसी देशों को बातचीत की मेज पर आना चाहिए। एर्दोगन ने एक कदम आगे बढ़कर कश्मीर मुद्दे के मानवाधिकार-आधारित समाधान की मांग की, जिसमें अंतरराष्ट्रीय संगठनों की भागीदारी हो। वो इस मुद्दे पर मध्यस्थता का भी प्रस्ताव दे रहे हैं।

भारत हमेशा से कश्मीर को अपना आंतरिक मुद्दा मानता आया है और कभी किसी का हस्तक्षेप नहीं चाहता। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्पष्ट कर दिया है कि बातचीत और आतंकवाद एक साथ नहीं हो सकते और पाकिस्तान के साथ बातचीत के लिए केवल दो मुद्दे बचे हैं झ्र आतंकवाद और पीओके की भारत में वापसी। बावजूद इसके पाकिस्तान इस मामले पर अंतरराष्ट्रीय हस्तक्षेप के लिए लामबंदी कर रहा है।

यह पहली बार नहीं है जब एर्दोगन ने कश्मीर पर सार्वजनिक टिप्पणी की है, जिससे अक्सर भारत की तीखी प्रतिक्रिया आई है। एर्दोगन ने अक्सर कश्मीर पर पाकिस्तान के विचारों का समर्थन किया है और संयुक्त राष्ट्र महासभा जैसे अंतरराष्ट्रीय मंचों पर इस मुद्दे को उठाया है। कश्मीर पर एर्दोगन की ताजा टिप्पणी ऐसे समय में आई है जब तुर्की के खिलाफ गुस्सा बढ़ रहा है। हाल ही में ऑपरेशन सिंदूर के दौरान तुर्की ने पाकिस्तान को हथियार भी दिए थे, जिसके बाद भारत में उसके बहिष्कार की बड़े पैमाने पर मांग की जा रही है।

झज्जर जिले में दो दिन में 174 अवैध ....

इनमें से अधिकतर लोग जिले के ईंट भट्टों पर काम करते हैं या कूड़ा कबाड़ में से प्लास्टिक व लोहा आदि बीनते हैं। उन्होंने बताया कि सदर थाना पुलिस झज्जर और शहर थाना पुलिस ने इनको ईंट भट्ठा परिसरों और अन्य स्थानों पर झुग्गियों में से पकड़ा है। पकड़े गए सभी लोगों के दस्तावेजों की जांच की जा रही है। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि यह अभियान आगे भी जारी रहेगा। इन लोगों को लेकर कार्रवाई का अंतिम निर्णय जांच के बाद ही होगा।

विहिप ने अवैध विदेशियों को वापस भेजने की मांग की

उधर, झज्जर जिला के विश्व हिंदू परिषद के अध्यक्ष राकेश भारद्वाज ने जिले में अवैध रूप से रह रहे सभी विदेशी नागरिकों को पकड़ कर जल्द से जल्द उन्हें उनके देश वापस भेजने की मांग की है। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश से आए घुसपैठिए हमारे देश को कमजोर कर रहे हैं। लाखों लोगों के भारत में रहने से न केवल देश पर आर्थिक रूप से बड़ा भारी बोझ पड़ रहा है, बल्कि आपराधिक घटनाओं को भी बढ़ावा मिल रहा है।

संसद रत्न से सम्मानित होंगे 17....

(एनसीपी-एसपी), एन. के. प्रेमचंद्रन (आरएसपी) और श्रीरंग अप्पा बारणे (शिवसेना)।

अन्य संसद रत्न पुरस्कार विजेता सांसद

बाकी 13 सांसदों को भी उनके विशिष्ट संसदीय कार्यों के लिए चुना गया है। इनमें कई राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि शामिल हैं। इन सांसदों ने संसद में प्रश्न पूछने, चर्चा में भाग लेने और विधेयकों पर सुझाव देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इनमें स्मिता वाघ (भाजपा), अरविंद सावंत (शिवसेना उद्धव ठाकरे गुट), नरेश गणपत म्हास्के (शिवसेना), वर्षा गायकवाड़ (कांग्रेस),मेधा कुलकर्णी (भाजपा) प्रवीण पटेल (भाजपा), रवि किशन (भाजपा), निशिकांत दुबे (भाजपा), बिद्युत बारन महतो (भाजपा), पीपी चौधरी (भाजपा), मदन राठौर (भाजपा), सीएन अन्नादुरै (डीएमके), दिलीप सैकिया (भाजपा) शामिल हैं।

दो संसदीय समितियों को भी मिला सम्मान

वहीं इस वर्ष दो संसदीय स्थायी समितियों को भी संसद रत्न पुरस्कार से नवाजा जाएगा। वित्त पर स्थायी समिति जिसके अध्यक्ष भर्तृहरि महताब हैं। इस समिति ने वित्तीय नीतियों पर कई प्रभावशाली और व्यावहारिक रिपोर्टें संसद में प्रस्तुत की हैं। वहीं कृषि पर स्थायी समिति जिसके अध्यक्ष चरणजीत सिंह चन्नी (कांग्रेस) हैं। इस समिति ने किसानों की समस्याओं और कृषि सुधारों पर ठोस सुझाव संसद में रखे हैं।

एनसीसी ने माउंट एवरेस्ट पर किया...

सियाचिन बेस कैंप में आर्मी माउंटेनियरिंग इंस्टीट्यूट में सर्दी और तकनीकी प्रशिक्षण लिया। महीनों की प्रशिक्षण के बाद, दस कैडेट्स को माउंट एवरेस्ट अभियान के लिए चुना गया।

इस टीम में कम उम्र के पर्वतारोही शामिल थे, जिनकी औसत आयु 19 वर्ष थी। चढ़ाई के विभिन्न चरणों में उनकी फिटनेस और अनुशासन के लिए नेपाल के शेरपाओं ने उनकी सराहना की।

कठिन मौसम और परिस्थितियों का सामना करते हुए, कैडेट्स ने विश्व की सबसे ऊंची चोटी पर तिरंगा और एनसीसी ध्वज लहराया। यह अभियान 03 अप्रैल को नई दिल्ली से शुरू किया गया था। यह एनसीसी द्वारा माउंट एवरेस्ट की तीसरी चढ़ाई है, इससे पहले 2013 और 2016 में भी अभियान किए गए थे।

इसरो का ईओएस-09 उपग्रह प्रक्षेपण....

में रॉकेट अपने मार्ग से भटक गया। शुरूआती अनुमान के अनुसार रॉकेट के तीसरे चरण के प्रणोदन प्रणाली में संदिग्ध फ्लेक्स नोजल की खराबी के कारण प्रक्षेपण विफल हुआ। ईओएस-09 पृथ्वी अवलोकन उपग्रह से रात में भी उच्च-रिजॉल्यूशन फोटो लेने की तकनीक शामिल थी। वैज्ञानिक इस प्रक्षेपण के विफल होने की जांच पड़ताल शुरू कर दी है।

इसरो के अध्यक्ष वी नारायणन ने मीडिया को बताया कि यह इसरो का 101वां मिशन था। पीएसएलवी ने पूर्व निर्धारित समय सुबह पांच बजकर 59 मिनट पर उड़ान भरी, लेकिन मिशन का उद्देश्य पूरा नहीं हो सका। यह मिशन तीसरे स्टेज में विफल हो गया। यह दबाव संबंधी समस्या की वजह से हुआ है। हम पूरे प्रयोग की समीक्षा कर रहे हैं तथा जल्द ही और जानकारी देंगे।

मुख्यमंत्री ने अपने पैतृक गांव नेमरा में दिवंगत जगदीश सोरेन....

उल्लेखनीय है कि दिवंगत जगदीश सोरेन रिश्ते में मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन के चाचा लगते थे। वे राज्यसभा सांसद दिशोम गुरु शिबू सोरेन के चचेरे भाई थे। विगत 17 मई 2025 को उनका निधन हो गया था। वे अपने पीछे दो पुत्र, एक पुत्री सहित भरापूरा परिवार छोड़ गए हैं।

हजारों लोगों की मौजूदगी में नए पोप लियो....

हैं, जो पेशे से मछुआरे थे। यह अंगूठी ही अब पोप लियो-14 की मोहर होगी।

शपथ ग्रहण के बाद पोल लियो ने हाथ हिलाकर सभी लोगों को अभिवादन किया। प्रार्थना सभा संपन्न होने के बाद पोप लियो ने धार्मिक वाइन ग्रहण की और यूखरिस्त के दौरान दी जाने वाली रोटी को उन्होंने अपने हाथों में लिया। यह वही रोटी है, जो यीशु के बलिदान को दशार्ती है। इसके साथ ही नए पोप ने लोगों को आशीर्वाद भी दिया। वेटिकन में नए पोप के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होने हजारों की संख्या में लोग पहुंचे थे।

एकता और प्रेम का दिया संदेश

नए पोप लियो-14 ने इतालवी भाषा में समाज को एकता और प्रेम का संदेश दिया। उन्होंने अपने संदेश में कहा कि भाइयों और बहनों, मैं चाहता हूं कि हम सभी की इच्छा एक एकजुटता वाले चर्च की हो, जो एकता और भाईचारे का प्रतीक बने। रोम का चर्च प्रेम में यकीन करता है और इसकी असली ताकत जीजस से प्रेम में है। यह कभी भी दूसरे लोगों को बलपूर्वक, धार्मिक प्रोपेगैंडा या अन्य शक्ति के जरिए अपने वश में करने की हिमायत नहीं करता है। बल्कि, यह हमेशा प्रेम से रहने और सभी को प्रेम करने की बात करता है, जैसा कि यीशु ने किया

लश्कर कमांडर आतंकी सैफुल्लाह....

शामिी रहा। राहत की बात यह रही कि इस साजिश को पुलिस ने नाकाम कर तीन आतंकियों को मार गिराया था। इससे पहले बेंगलुरु में साल 2005 में भारतीय विज्ञान संस्थान के ऑडिटारियम में हुए आतंकी हमले और उत्तर प्रदेश के रामपुर में स्थित सीआरपीएफ कैंप पर 2008 में किए गए आतंकी हमले में भी सैफुल्लाह का हाथ रहा। आतंकी हमलों के साजिशकताओं में लश्कर कमांडर सैफुल्लाह का नाम प्रमुखता से लिया जाता रहा है। अब सूत्रों से जानकारी मिली है कि पाकिस्तान में अज्ञात हमलावरों ने गोली मारकर उसे ढेर कर दिया है।

डेयरी उद्योग को मिलेंगे सभी उपकरण, सहकारी यूनिवर्सिटी.....

कहा कि गुजरात को सहकारी शिक्षा और प्रशिक्षण के क्षेत्र में देश का अग्रणी राज्य बनना चाहिए।

डेयरी क्षेत्र के लिए उपकरणों की घोषणा

गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा कि केंद्र सरकार सहकारी संगठनों के माध्यम से डेयरी क्षेत्र को सभी आवश्यक उपकरण उपलब्ध कराएगी, और इस प्रयोग की शुरूआत गुजरात से की जाएगी।

गुजरात दौरे का शेष कार्यक्रम

कार्यक्रम के बाद गृहमंत्री मेहसाणा रवाना हुए, जहां वे दो कार्यक्रमों में भाग लेने के बाद शाम को वापस अहमदाबाद लौटेंगे। अहमदाबाद में वे 1692 करोड़ रुपये की विभिन्न विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करेंगे, और शाम 6 बजे कॉर्पोरेशन प्लॉट में एक जनसभा को भी संबोधित करेंगे।

इससे पहले शाह ने शनिवार को गांधीनगर में 1100 करोड़ रुपये की 78 परियोजनाओं का लोकार्पण किया था।

हैदराबाद में गुलजार हाउस में आग लगने से....

और नुकसान को रोकने में मदद मिली। उन्होंने आश्वासन दिया कि पूरी जांच की जाएगी और पुष्टि की कि प्रारंभिक निष्कर्षों से संकेत मिलता है कि यह एक दुर्घटना थी और इसमें किसी गड़बड़ी का संदेह नहीं है।

केंद्रीय मंत्री जी किशन रेड्डी ने घटना की जानकारी मिलने पर बाद मौके पर पहुंचे और पीड़ितों के परिवारों से मुलाकात की। उन्होंने इस घटना पर संवेदना व्यक्त की और उन्हें राज्य और केंद्र सरकारों दोनों से सभी आवश्यक सहायता का आश्वासन दिया।

प्रधानमंत्री ने एक्स पर कहा कि वह लोगों की दुखद मौत से बहुत दुखी हैं। उन्होंने प्रत्येक मृतक के परिजनों को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष (पीएमएनआरएफ) से 02 लाख रुपये और घायलों को 50,000 रुपये की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की।

Page 5_Page 3.qxd 2025-05-18 22:36 Page 1

संक्षिप्त खबर

मिशन वात्सल्य के तहत जिला न्यायाधीश ने किया बालगृह का निरीक्षण

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

जामताड़ा : जामताड़ा जिला न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव द्वारा मिशन वात्सल्य के अंतर्गत संचालित बालगृह का निरीक्षण किया गया। यह बालगृह जन सहभागी विकास केंद्र द्वारा संचालित किया जा रहा है।निरीक्षण के दौरान जिला न्यायाधीश एवं सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकार ने बालगृह में रह रहे विशेष बच्चों से मुलाकात की तथा उनके साथ संवाद किया। इस अवसर पर बच्चों को स्कूल बैग, कॉपी, पेंसिल तथा रंगों का वितरण भी किया गया। जिससे बच्चों में उत्साह देखा गया।इस अवसर पर जन सहभागी विकास केंद्र के सचिव द्वारा मुख्य अतिथि को पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया गया एवं योजना के सम्बन्ध में जानकारी दी. कार्यक्रम में जिला बाल संरक्षण पदाधिकारी अंजू देवी की उपस्थिति भी सराहनीय रहा.

फतेहपुर डैम में युवक की लाश मिलने से सनसनी

हत्या या आत्महत्या, पुलिस जांच में जुटी

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

मिहिजाम : चितरंजन के फतेहपुर डैम में रविवार शाम उस वक्त हड़कंप मच गया जब डैम में एक युवक की लाश तैरती हुई मिली। मृतक की पहचान रवि रंजन सिंह (28) के रूप में हुई है। जो मिहिजाम आमबागान झारखंड का निवासी था। बताया जा रहा है कि वह शनिवार से ही लापता था।शाम करीब 4 बजे स्थानीय लोगों ने डैम में शव देखा और तुरंत इसकी सूचना पुलिस को दी। चितरंजन थाना की टीम मौके पर पहुंची और शव को बाहर निकालकर चित्तरंजन अस्पताल ले जाया गया जहां डॉक्टरों ने रवि को मृत घोषित कर दिया।थाना प्रभारी एसके स्माइल ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और रिपोर्ट का इंतजार किया जा रहा है। शुरूआती जांच में यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि मामला आत्महत्या का है या हत्या का। पुलिस हर पहलू पर बारीकी से जांच कर रही है और आसपास के लोगों से पूछताछ जारी है।रवि की मौत से उसके परिजन सदमे में हैं। उन्होंने रवि की किसी भी मानसिक परेशानी से इनकार किया है और कहा कि वह सामान्य जीवन जी रहा था। अचानक उसकी मौत ने परिवार को गहरे दुख में डाल दिया है।

इस घटना ने फतेहपुर डैम क्षेत्र की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि यहां पर निगरानी की कोई व्यवस्था नहीं है। जिससे ऐसी घटनाएं घट रही है। लोगों ने प्रशासन से इलाके में सुरक्षा उपाय मजबूत करने की मांग की है।पुलिस ने आश्वासन दिया है कि मामले की निष्पक्ष और गहन जांच की जाएगी और जो भी दोषी होगा उसे बख्शा नहीं जाएगा। रवि की रहस्यमयी मौत ने पूरे इलाके को स्तब्ध कर दिया है और लोग मामले के खुलासे का इंतजार कर रहे हैं।

वैदिक मंत्रोच्चार के साथ हुआ शिव पार्वती की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

जामताड़ा : जामताड़ा शहर के कोर्ट रोड स्थित शिव धाम मोहल्ले के शिव मंदिर में वैदिक मंत्रोच्चार एवं रीति रिवाजों के बीच भगवान शिव एवं माता पार्वती की प्रतिमा की प्राण प्रतिष्ठा की गयी। जामताड़ा के विख्यात पुरोहित आचार्य के मंत्रोचारण के बीच प्राण प्रतिष्ठा के साथ चौबीस घंटे का अष्टायाम यज्ञ एवं अन्य धार्मिक अनुष्ठान आयोजन की भी शुरूआत की गयी। वहीं शिव धाम मंदिर समिति के सदस्यों द्वारा बताया गया कि शिव मंदिर में पूर्व से ही भगवान शिव एवं माता पार्वती की प्रतिमा स्थापित थी। किसी कारणवश माता पार्वती की प्रतिमा खंडित हो गया था। जिसके कारण यहां के श्रद्धालुओं को पूजा पाठ करने में काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा था। इस समस्या को देखते हुए समाज सेवी सह वरिष्ठ भाजपा नेता हरिमोहन मिश्रा एवं समस्त शिव धाम मंदिर कमेटी के सदस्यों के सहयोग से भगवान शिव एवं माता पार्वती की भव्य प्रतिमा स्थापित की गयी। जहां काशी एवं स्थानीय विद्वान पंडितों के मार्गदर्शन एवं मंत्रोंच्चार के बीच वैदिक रीति रिवाजों से मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा की गयी। वहीं समाज सेवी सह भाजपा नेता हरिमोहन मिश्रा ने कहा कि शिवधाम मोहल्ले में पुनः उमानाथ मंदिर में भगवान शिव एवं पार्वती की प्रतिमा को पुनर्स्थापित किया जा रहा है। कहा कि हम हमेशा से ही मंदिर निर्माण, प्राण प्रतिष्ठा, धार्मिक अनुष्ठानों में सहभागिता देते हैं। सनातन धर्म की रक्षा, प्रचार-प्रसार और संस्कृति के उत्थान आदि को लेकर होने वाले अनुष्ठान में सहयोग करते आ रहें हैं। उसी के तहत आज मुझे यह सौभाग्य प्राप्त हुआ कि शिवधाम मोहल्ले में भगवान शिव एवं मां पार्वती की प्रतिमा स्थापित करने का मौका मिला। मौके पर नटवर खां,रत्नेश झा,हेमन्त झा, अविनाश राउत, रंजित राउत,अनिल बर्नवाल,संजय बर्नवाल,रवीन्द्र सिंह,अशोक यादव,संतोष बर्नवाल,नवल किशोर तिवारी,बबलू बर्नवाल,निरंजन झा,मदन गुप्ता,रंजय वर्मा सहित शिव धाम मंदिर समिति के सदस्य गण उपस्थित थे।

हत्याकांड में लिप्त पत्नी और उसके प्रेमी को किया गिरफ्तार

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

दुमका : जामा थाना क्षेत्र अंतर्गत युवक की हत्या मामले में पुलिस द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए हत्याकांड में लिप्त पत्नी और उसके प्रेमी को गिरफ्तार कर लिया। जामा थाना प्रभारी को ग्रामीणों के द्वारा सूचना दिया गया कि थाना क्षेत्र अन्तर्गत ग्राम-कुरमन सिलान्दा के पास दिलिक्र्स ईस्टर्न चर्च के परिसर में एक अज्ञात पुरुष का शव आम का पेड के दो टहनी के बीच फंसा हुआ है। इस संदर्भ में सनहा दर्ज कर वरीय पदाधिकारी घटनास्थल पर पहुँच कर शव को कब्जे में लिया और पोस्टमार्टम हेतु फुलोझानो मेडिकल कालेज अस्पताल भेज दिया। घटनास्थल के आसपास ग्रामीणों तथा मीडिया से संपर्क स्थापित कर शव को पहचान कराने का प्रयास किया गया। जिसके पश्चात जामा थाना के चौकीदार शिवलाल सोरेन के लिखित आवेदन के आधार पर अज्ञात व्यक्तियों के द्वारा अज्ञात शव को हत्या करने के आरोप में थाना कांड सं0-27/25, 16 मई को धारा-103 (1) इठर अंकित की गई है। इसी क्रम में ग्राम धनाडीह थाना जामा के रसीलाल मुर्मू पिता लुखीराम मुर्मू के द्वारा फुलोझानो मेडिकल कालेज अस्पताल जाकर अज्ञात शव की पहचान अपना भाई रविन्द्र मुर्मू पिता लुखीराम मुर्मू के रूप में किया गया। जिसके पश्चात रसीलाल मुर्मू पिता लुखीराम मुर्मू के द्वारा थाना में लिखित आवेदन दे कर आशंका जताई कि भाई रविन्द्र मुर्मू की पत्नी रासमुनी हेम्ब्रम छ मई से घर से दो बच्चा को छोडकर भागी हुई है एवं रासमुनी हेम्ब्रन का एक प्रेमी राजीव मुर्मू उम्र-करीब 27 वर्ष पिता सुजन मुर्मू सा० फाड़ासिमल थाना-जामा जिला दुमका का निवासी है।

इन्हें आशका है रासमुनी हेम्ब्रम एवं उसका प्रेमी राजीव मुर्मू उम्र-करीब 27 वर्ष पिता सुजन मुर्मू के द्वारा ही रविन्द्र मुर्मू की हत्या की गई है। आवेदन के आलोक में पुलिस अधीक्षक द्वारा अनुमण्डल पुलिस पदाधिकारी जरमुण्डी त्वरित कार्रवाई करते हुए छापामारी दल का गठन किया गया।

छापामारी दल द्वारा राजीव मुर्मू एवं रासगुनी हेम्ब्रम को सदेह के आधार पर ग्राम फाड़ासिमल राजीव मुर्मू के घर में गहन पूछताछ किया गया। पूछताछ के क्रम में राजीव मुर्मू एवं रासमुनी हेम्ब्रम के द्वारा अपराध स्वीकार किया। गिरफ्तार आरोपी ने अपराध स्वीकारोक्ति व्यान में गला दबा कर हत्या करने देने की बात को स्वीकार किया। छापामारी दल में शामिल पुलिस पदाधिकारी अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी जरमुण्डीअमित कुमार कच्छप, थाना प्रभारी जामा पु०अ०नि० अजीत कुमार, पु०अ०नि० उपेन्द्र चौरसिया जामा थाना, हव० सुरेन्द्र मुर्मू आ मंजीत किस्कू,आ0 अमित पाण्डेय शामिल थे।

पत्नी ने पति के मौत का लिया खौफनाक बदला, चार गिरफ्तार

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

बोकारो: बोकारो के बारीडीह जंगल में एक युवक की कार में गोली मारकर हत्या कर दी थी। पुलिस के जांच में खुलासा हुआ कि महिला आरोपित ने पति की रहस्यमय मौत का बदला लेने के लिए तीन लाख रुपये की सुपारी देकर इस वारदात को अंजाम दिलवाया। पुलिस की एसआईटी ने 72 घंटे में केस सुलझाकर चार आरोपितों को गिरफ्तार किया और हथियार, कारतूस, मोबाइल एवं स्कूटी बरामद की। यह साजिश छह महीने से रची जा रही थी। मामला अपराध, अंधविश्वास और बदले की कहानी को उजागर करता है। बोकारो जिला के नावाडीह थाना क्षेत्र अंतर्गत बारीडीह जंगल में 14/15 मई की रात एक व्यक्ति की गोली मारकर हत्या कर दी गई। मृतक की पहचान हेमलाल पंडित के रूप में हुई। पुलिस अधीक्षक बोकारो ने मामले की गंभीरता को देखते हुए एक विशेष जांच टीम का गठन किया और स्वयं उसकी निगरानी की। तकनीकी साक्ष्य,एफएसएल रिपोर्ट और गवाहों के बयान के आधार पर महज 72 घंटे में इस हत्या का खुलासा कर चार आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया गया। जांच में खुलासा हुआ कि मुख्य आरोपित चंपा देवी को शक था कि उसके पति खगेश्वर पंडित की मौत में हेमलाल पंडित का हाथ था। बदला लेने के लिए उसने अपने मित्र प्रकाश सिंह के जरिए धनबाद के शूटरों से संपर्क किया और हत्या का साजिश रची। चंपा देवी और प्रकाश सिंह ने करीब 2.35 लाख रुपये की सुपारी दी। पहले 13 मई को हत्या की कोशिश विफल रही, लेकिन बाद में डोमन राम ने 'ग्राहक' बनकर हेमलाल को बुलाया और बारीडीह जंगल में गोली मारकर हत्या कर दी। वहीं गिरफ्तार आरोपितों में चंपा देवी (हजारीबाग), प्रकाश सिंह (गिरिडीह), डोमन राम और विकास कुमार (धनबाद) शामिल हैं। इनके पास से पिस्टल, कट्टा, कारतूस, मोबाइल और स्कूटी जब्त की गई है। अन्य फरार आरोपितों की तलाश जारी है।

विस्थापितों को नहीं मिला आवास योजना का लाभ पर बीडीओ की प्रतिक्रिया

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

रानीश्वर : रविवार को सादीपुर के मयूराक्षी विस्थापित बिजय राजवार, अजित राजवार एवं सुरेश राजवार को पीएम आवास की सर्वे से बंचित रखने की समाचार प्रकाशित हुई हैं ।प्रखंड विकास पदाधिकारी राजेश कुमार सिन्हा ने उस समाचार को तथ्य से परे भ्रामक बताया हैं । बीडीओ ने बताया है कि तीनों लाभुक योग्य हैं ,तथा सर्वे सूची में नाम दर्ज हैं । सूची के क्रमांक में बिजय, अजित एवं सुरेश का नाम दर्ज हैं ।बीडीओ ने आगे जानकारी दिया हैं कि इससे पूर्व बिजय के पत्नी रीता राजवार को बर्ष 2024-2025 में अबुआ आवास की स्वीकृति दिया गया हैं साथ ही राशि की भुगतान हेतु जिला को पत्र भेजा गया हैं । सर्वे से संबंधित समाचार प्रकाशित होने के बाद रविवार पंचायत स्वयं सेवक प्रसेनजित बाउरी ने यहां आकर लाभुक बिजय ,अजित एवं सुरेश के पुत्र देवा से मिल कर बताया हैं कि जल्द आवास निर्माण का प्रथम किस्त की राशि लाभुक के बचत खाता में जमा हो जायेगा । लाभुक अजित ने बताया हैं कि वह फुस के झोपड़ी में रहता हैं ।आवास के लिए 2018 से पंचायत कार्यालय का चक्कर काट रहा हैं ।पंचायत के मुखिया, वार्ड सदस्य , पंचायत सचिव ,पंचायत स्वयं सेवक किसी ने सुध नहीं ली ।

आदिवासी संस्कृति को समर्पित मेले का आयोजन

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

विन्दापाथर : लोक चिराग सेवा संस्थान द्वारा ग्राम सभा स्वशासन परियोजना के अंतर्गत मरालो क्लस्टर और गेड़िया क्लस्टर में एक दिवसीय आदिवासी मेला का भव्य आयोजन किया गया। मेले का उद्घाटन मरालो पंचायत की मुखिया हीरामुनी मुर्मू, गेड़िया पंचायत के पंचायत सचिव निदोल सोरेन, उपमुखिया मिथिलाल सोरेन तथा लोक चिराग सेवा संस्थान के सचिव राहिल टुडू द्वारा संयुक्त रूप से फीता काटकर किया गया। इस मेले में ग्रामीण समुदाय की महिलाओं और पुरुषों द्वारा विभिन्न प्रकार के स्टॉल लगाए गए। जिनमें जंगली जड़ी-बूटी, पारंपरिक खानपान, सांस्कृतिक नृत्य-गान से संबंधित वस्तुएं और वर्तमान समय में लुप्त होती पारंपरिक सामग्रियों की प्रदर्शनी लगाई गई। इन स्टॉलों ने उपस्थित ग्रामीणों को बेहद आकर्षित किया। मुखिया हीरामुनी मुर्मू ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन लोगों को अपनी संस्कृति और परंपरागत विरासत को सहेजने की प्रेरणा देते हैं। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि समाज को अपनी जड़ों से जोड़ने के लिए इस तरह के आयोजनों की निरंतर आवश्यकता है। मेले में लोक चिराग सेवा संस्थान की ओर से जहूर, सोनाली, आरती, संजय और ललिता सहित रंगासोला और टर्रा गांव के ग्राम प्रधान भी उपस्थित रहे। सैकड़ों की संख्या में ग्रामीणों ने मेले में भाग लेकर आयोजन को सफल बनाया।कार्यक्रम का समापन सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के साथ किया गया, जिसमें आदिवासी लोकनृत्य और गीतों ने वातावरण को रंगमय बना दिया।

शहर वासियों के लिए जी का जंजाल बना रेलवे स्टेशन का कोयला रैक

प्रदूषण के कारण लोग बीमार

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

दुमका : रेलवे स्टेशन पर बने कोयला डंपिग यार्ड को हटाने की मांग को लेकर 31सप्ताह से लगातार धरना प्रदर्शन कर रहे आंदोलनकारी रविवार को केंद्र और राज्य सरकार पर जम कर अपनी भढ़ास निकाला। गौरतलब है कि जब से सारे नियम कानून को तक पर रखते हुए रेलवे स्टेशन पर कोयला डंपिंग यार्ड बनाया गया है तभी से यहां इसका विरोध किया जा रहा है। भारत में शायद ही ऐसा कोई रेलवे स्टेशन होगा जहां इतनी गंदगी होगी। हजारों ग्रामीणों के लिए यह एक बड़ी परेशानी का कारण बन गया है। लेकिन इस गंभीर मुद्दे पर रहस्यमई चुप्पी साधना आम लोगों के गले नहीं उतर रहा है। आंदोलनकारियों का नेतृत्व कर रहे रवि शंकर मंडल ने कहा कि अब तो लोग गंभीर रूप से बीमार पड़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि केंद्र की मोदी सरकार जहां स्वस्थ भारत का अभियान चलाकर लोगों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक कर रहे हैं वहीं केंद्र और राज्य सरकार की मनमानी से हजारों ग्रामीणों का जीवन खतरे में पड़ गया है। श्री मंडल ने कहा कि केंद्र सरकार और राज्य सरकार उन लोगों को उग्र आंदोलन के लिए मजबूर कर रही है। उन्होंने कहा कि उन लोगों की एक ही मांग है कि जल्द से जल्द दुमका रेलवे स्टेशन पर से कोयला डंपिंग यार्ड को हटा कर अन्यत्र शिफ्ट किया जाए अन्यथा आने वाले समय में उग्र आंदोलन करने के लिए यहां के ग्रामीण बाध्य होंगे। यहां बताते चलें कि इस गंभीर मुद्दे को लेकर गोड्डा सांसद डॉ निशीकांत दूबे ने भी यहां के लोगों से 2024 के अंत तक कोयला रैक हटाने का वादा कर चुके हैं लेकिन उनका वादा भी हवा हवाई सिद्ध हुआ। इस मामले पर मनोविज्ञान के प्रोफेसर डॉ. विनोद कुमार शर्मा, सेवा निवृत्त कर्मचारी अर्जून राम ने भी गहरी चिंता जताते हुए दुमका रेलवे स्टेशन पर बने कोयला डंपिग यार्ड को हटाने की मांग करते हुए कहा है कि दुमका रेलवे स्टेशन से जबतक कोयला रैक नहीं हटाया जाएगा आंदोलन जारी रहेगा। मौके पर रवि शंकर मंडल के साथ संजय मंडल,अभय गुप्ता,गोवर्धन मंडल,हेमंत श्रीवास्तव,बिष्णु यादव, डॉ.विनोद कुमार शर्मा, मंजू गुप्ता,आशा देवी, प्रो. विनय सिन्हा,श्याम प्रसाद शर्मा,सच्चिदानंद प्रसाद संतोषी,शंकर चंद्र मंडल,महेश्वर हेंब्रम,मनोज भगत,धनंजय कुमार,विभाष कुमार, अर्जुन शर्मा,ध्रुव मंडल, लक्ष्मण पंडित, मिथिलेश कुमार, नित्यानंद पंडित,सुबोध कुमार मंडल,मनोज पंडित, जगन्नाथ पंडित,बिष्णु कुमार शर्मा,आलोक कुमार, लिल्टू दे,ऋषि शर्मा,कृष्ण शर्मा,अजय मंडल,ब्रज मोहन प्रसाद सिंह,उदय कुमार राय, भट्टू पाल,पांडु कापरी,चंदन तिवारी,दिलीप राम,राजेश कुमार, संतु कुमार,आकाश यादव,विक्की यादव,डिस्को मंडल ,बिलाश कुमार झा,आदि उपस्थित थे।

मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी की अध्यक्षता में केंद्रीय कारा में जेल अदालत का आयोजन

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

दुमकाः जिला विधिक सेवा प्राधिकार द्वारा केन्द्रीय कारा में मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी की अध्यक्षता में जेल अदालत -सह- विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। न्यायालय मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी के न्यायालय में लंबित तीन वाद न्यायालय अनुमंडलीय न्यायिक दंडाधिकारी के न्यायालय में लंबित दो वाद तथा वॉटर भेंगरा, न्यायिक दंडाधिकारी के न्यायालय मे लंबित एक वाद कुल छः वादों का आवेदन जेल अदालत हेतु समर्पित किया गया। जिसमें से माननीय अनुमंडलीय न्यायिक दंडाधिकारी के न्यायालय में लंबित वाद के एक बंदी को रिहा किया गया तथा अन्य सभी वादों में बंदियों का समयावधि कम रहने के कारण आवेदन पर विचार नहीं किया जा सका। उपरोक्त अवसर पर कारा अधीक्षक, केन्द्रीय कारा एवं लीगल ऐड डिफेंस काउंसिल के सदस्य तथा न्यायालयकर्मी, काराकर्मी एवं बंदीगण उपस्थित थे। जेल अदालत -सह- विधिक जागरूकता शिविर में मेडिकल कैंप लगा करके सभी बंदियो के स्वास्थ्य की जांच भी की गई तथा जिन बंदियों को लिगल एड की आवश्यकता थी उसपर सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकार द्वारा दिशा-निर्देश दिया गया।

आलिया फरहीन ने कैरम टैलेंट प्रतियोगिता में हासिल किया दूसरा स्थान

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

जामताड़ा : आरजीआरजी प्लस 2 स्कूल, कमार्टांड़ की होनहार छात्रा आलिया फरहीन ने स्टेट लेवल कैरम टैलेंट प्रतियोगिता (अंडर-19 बालिका सिंगल वर्ग) में शानदार प्रदर्शन करते हुए दूसरा स्थान प्राप्त कर जिले का नाम गौरवान्वित किया है।प्रतियोगिता के फाइनल मुकाबले में आलिया का सामना सिमडेगा की प्रतिभागी से हुआ, जिसमें दोनों के बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिला। लगभग एक घंटे तक चले संघर्षपूर्ण मैच में आलिया ने उत्कृष्ट खेल का प्रदर्शन करते हुए उपविजेता का खिताब अपने नाम किया।आलिया की इस उपलब्धि पर विद्यालय के शिक्षक नीतेश सेन ने खुशी जाहिर करते हुए कहा कि आलिया की यह सफलता न केवल विद्यालय के लिए गौरव की बात है बल्कि क्षेत्र की अन्य छात्राओं के लिए भी एक प्रेरणास्त्रोत है। उन्होंने बताया कि आलिया की मेहनत, लगन और नियमित अभ्यास ने ही उसे यह मुकाम दिलाया है। विद्यालय परिवार और स्थानीय लोगों ने आलिया को इस उपलब्धि पर ढेरों बधाइयां और शुभकामनाएं दी हैं। क्षेत्र में खुशी का माहौल है और सभी को उम्मीद है कि भविष्य में आलिया और भी बड़े मंचों पर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाएगी।

संपादकीय

नफरती बोल

यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण ही है कि पहलगाम आतंकी हमले के बाद देश की बहादुर सेना ने जब पाक को सबक सिखा, देश को गौरव का अहसास कराया तब नफरती ट्रोल सेना, नीचता की सीमा तक गिरती नजर आई। जिसके विरोध में देश में तीखे गुस्से की लहर देखी गयी। इस बिगड़ैल ट्रोल सेना ने ऑनलाइन गाली-गलौज करने में किसी को भी नहीं बख्शा। यहां तक कि सादगी के व्यक्तित्व व गरिमापूर्ण अभिव्यक्ति वाले विदेश सचिव विक्रम मिसरी तक को नहीं छोड़ा। ओलंपिक चैंपियन नीरज चोपड़ा भी निशाने पर आए। यहां तक कि पहलगाम हमले में विधवा हुई हिमांशी नरवाल को भी नहीं बख्शा गया। इसकी वजह यह थी कि उन्होंने सांप्रदायिक सौहार्द बनाये रखने और पहलगाम की घटना के बाद कश्मीरियों को निशाने पर न लेने का आह्वान किया था। निश्चित रूप से यह देश में सामाजिक समरसता के लिये वक्त की आवाज भी थी। लेकिन सबसे परेशान करने वाली घटना वह थी, जिसमें भाजपा शासित राज्य मध्य प्रदेश के एक मंत्री विजय शाह ने बेसिर-पैर का सांप्रदायिक सोच वाला बयान दिया। दरअसल, इस सप्ताह की शुरूआत में मंत्री विजय शाह ने ह्यऑपरेशन सिंदूरह्ल की प्रेस ब्रीफ देने वाली कर्नल सोफिया के बारे में चौंकाने वाली सांप्रदायिक टिप्पणी की थी। निश्चय ही देश के लिये महत्वपूर्ण योगदान देने वाली महिला सैन्य अधिकारी के बारे में ऐसी टिप्पणी करना दुर्भाग्यपूर्ण ही कहा जाएगा। मंत्री ने असंगत रूप से पहलगाम में आतंक फैलाने वाले आतंकवादियों से दुर्भाग्यपूर्ण ढंग से साम्य दशार्ने का कुत्सित प्रयास किया। हालांकि यह टिप्पणी सोमवार को की गई थी, लेकिन मंत्री शाह के खिलाफ प्राथमिकी मुश्किल से बुधवार रात दर्ज की गई। वह भी शासन द्वारा स्वतः संज्ञान लेने के बजाय मध्य प्रदेश हाईकोर्ट की सख्ती के बाद ही दर्ज की गई। हाईकोर्ट ने कर्नल कुरैशी के खिलाफ ह्यगटर की भाषाह्ल इस्तेमाल करने के लिए मंत्री शाह को फटकार लगायी। सही मायनों में हाईकोर्ट ने न केवल मंत्री को आईना दिखाया बल्कि तमाम बेलगाम बयानबाजी करने वालों को भी सख्त संदेश दिया। उल्लेखनीय है कि एफआईआर दर्ज होने के बाद जब आरोपी मंत्री ने सुप्रीम कोर्ट से राहत के लिये गुहार लगायी तो सुप्रीम कोर्ट ने उन्हें आड़े हाथ लिया। सुप्रीम कोर्ट ने आरोपी को चेतावनी दी कि एक मंत्री को ऐसे समय में जिम्मेदारी की भावना के साथ बोलना चाहिए, जब देश चुनौतिपूर्ण स्थिति से गुजर रहा हो। फिर कोर्ट की सख्ती के बाद शाह ने खेद व्यक्त किया। उन्होंने फिर सफाई दी कि वह कर्नल कुरैशी का अपनी बहन से ज्यादा सम्मान करते हैं। लेकिन जैसे कमान से निकला तीर वापस नहीं लौटता है, उसी तरह उनकी अनर्गल बयानबाजी से जो नुकसान हो चुका था, उसकी क्षतिपूर्ति संभव नहीं है। इससे बड़ी विसंगति यह भी कि भाजपा शीर्ष नेतृत्व ने उन्हें राज्य मंत्रिमंडल से हटाने की तात्कालिक गंभीर पहल नहीं की। यह विडंबना ही है कि पार्टी नेतृत्व इंतजार का खेल खेल रहा है।

वहीं दूसरी ओर आरोपी मंत्री अपने बचाव के लिये कानूनी विकल्पों को आजमाने में व्यस्त रहा है। दरअसल, भाजपा की राजनीतिक मजबूरी यह है कि जातीय समीकरणों के हिसाब से वे पार्टी के लिये महत्वपूर्ण हैं। वे उस राज्य में आदिवासी कल्याण मंत्री हैं जहां अनुसूचित जनजातियों की आबादी का पांचवां हिस्सा मौजूद है। लेकिन इतना तो तय है कि चाहे उनका राजनीतिक प्रभाव कितना भी क्यों न हो, उन्हें सशस्त्र बलों के साथ-साथ ही महिलाओं का अपमान करने की छूट नहीं मिल जाती। पार्टी को राष्ट्र को आश्वस्त करने के लिये अनुकरणीय कार्रवाई करनी ही चाहिए। तभी समाज में यह साफ संदेश जाएगा कि हम आतंकवाद और सांप्रदायिक विभाजन के खिलाफ मजबूती से एकजुट हैं और नफरत फैलाने वालों को किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। निश्चय ही इस मामले में अदालत की सख्त टिप्पणियां न केवल आरोपी मंत्री बल्कि उन सभी नेताओं के लिये सबक हैं जो लगातार अनर्गल प्रलाप करते रहते हैं। जो यह बताता है कि जनता की उदासीनता से हम कैसे-कैसे लोगों को अपना नेता चुनकर जनप्रतिनिधि संस्थाओं में भेज रहे हैं।

(चिंतन-मनन)

चिंतन सही हो

एक व्यक्ति ने अपने मित्र से साठ रूपए उधार लिए। कुछ दिनों बाद वह आया और बीस रूपए देकर बोला, सारे रूपए आ गए? मित्र ने कहा, साठ दिए थे और तुम बीस लौटा रहे हो, तो अभी चालीस रूपए बाकी रहेंगे। तीस और तीस साठ होते हैं। उसने कहा, नहीं, दस और दस साठ होते हैं। मैंने साठ रूपए लौटा दिए हैं। मित्र ने कहा, भोले आदमी! दस और दस बीस ही होते हैं। तीस और तीस साठ होते हैं। उसने कहा, मैं इस बात को नहीं मानता। मैं तो यही मानता हूं कि दस और दस साठ होते हैं। मेरी मान्यता मेरे पास और तुम्हारी मान्यता तुम्हारे पास। ऐसे मानने वाले को विधाता भी नहीं समझा सकता। गणित का नियम -दस और दस बीस होते हैं। कोई व्यक्ति इस गणित के नियम को जानने की बात छोड़कर मानने की बात को ही पकड़ बैठता है तो उसका कोई इलाज नहीं है। हम मानने की बात को छोड़ दें और जानें। सदा जानने का प्रयत्न करें। सदा जानें। हम विशिष्ट उपलब्धियों के लिए प्रयत्न करें। वे प्राप्त हों तो ठीक है, न हों तो कोई बात नहीं। पुरूषार्थ को सही दिशा में लगाएं। पुरूषार्थ निरंतर हमारा साथ दे। हम प्रयत्न को बंद न करें। पुरूषार्थ को साथ लेकर चलें। मन और शरीर को विशेष आदेश दें। मन जो भटकता रहता है, अनेक प्रवृत्तियों में संलग्न रहता है, बहुत अधिक सक्रिय और गतिशील है

पहलगाम त्रासदी : नफरत की तेज होती आंधी

-राम पुनियानी-

पहलगाम के पास बैसरन में 26 पर्यटकों की हत्या हाल के समय की सबसे भीषण त्रासदियों में से एक है। बैसरन एक अत्यंत रमणीक स्थान है जहां सिर्फ घोड़े पर सवार होकर या ऊबड़-खाबड़ रास्ते पर पैदल चलकर पहुंचा जा सकता है। इस हत्याकांड से सारा देश गहन शोक में डूब गया। यद्यपि आतंकवादियों ने पर्यटकों की हत्या उनके धर्म की पहचान करके की थी, लेकिन हमले का शिकार होने वालों में एक स्थानीय मुसलमान घोड़े वाला, जो पर्यटकों के साथ आया था, भी था। वह तब मारा गया जब उसने आतंकियों का विरोध किया। कश्मीरी कुलियों ने पर्यटकों को सुरक्षित स्थानों तक पहुंचाया और कश्मीरियों ने अपने घरों और मस्जिदों के दरवाजे मेहमानों के लिए खोल दिए। कश्मीर में बंद का आयोजन किया गया और ह्यहिंदू मुस्लिम एकताह्य का संदेश देने वाले कई जुलूस निकाले गए। सारे देश में मुसलमानों और अन्यों ने मोमबत्ती जुलूस निकाले और शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की।

लगभग इन्हीं तारीखों में मोदीजी की कश्मीर यात्रा तय की गई थी। लेकिन निर्धारित तिथि के कुछ ही दिन पहले उसे रद्द कर दिया गया। घटना के समय वे सऊदी अरब में थे। घटना के बाद वे अपनी यात्रा अधूरी छोड़कर स्वदेश रवाना हो गए। किंतु वापिस अपने के बाद कश्मीर जाने के बजाए वे एक चुनावी रैली में भाग लेने के लिए बिहार चले गए जहां उन्होंने आतंकियों को अंग्रेजी में कड़ी चेतावनी दी। आतंकी मुसलमान थे और मारे गए लोग हिंदू थे। इसे दबे-छिपे ढंग से इस घटना का सबसे महत्वपूर्ण पहलू बना दिया गया।

डोनाल्ड ट्रंप ने दोनों देशों के बीच संघर्ष विराम की घोषणा की। मोदीजी ने इस बारे में कुछ अलग बात कही। इस बीच गोदी मीडिया की बन आई और उसने नफरत फैलाने में कोई कसर नहीं छोड़ी। वे अपने शानदार आरामदायक स्टूडियो में बैठे-बैठे पाकिस्तान के विभिन्न शहरों पर भारतीय सेना का कब्जा होने की खबरें देते रहे। गोदी मीडिया अपने निम्नतम स्तर पर पहुंच गया और उसने पत्रकारिता की आचार संहिता के उल्लंघन का नया रिकार्ड कायम किया, जिसे वह बहुत पहले ताक पर रख चुका है।

इस सबका सबसे बुरा नतीजा मुसलमानों के प्रति नफरत में बढ़ोत्तरी के रूप में सामने आया। सारा देश इस्लामोफोबिया के सैलाब में डूब गया और इसकी तीव्रता और स्तर अकल्पनीय ऊंचाई तक पहुंच गए। लातूर में एक मुसलमान पर पाकिस्तानी होने का लेबिल चस्पा कर उसकी बुरी तरह पिटाई गई। उसे इतना अपमान महसूस हुआ कि उसने आत्महत्या कर ली। उत्तराखंड के एक हॉस्टल में कश्मीरी छात्रों को आधी रात को बाहर निकाल दिया गया और उन्हें देहरादून विमानतल के बाहर रात बितानी पड़ी। सबसे बुरी हरकत मध्यप्रदेश की भाजपा सरकार के मंत्री विजय शाह ने की। उन्होंने भारतीय सेना की प्रवक्ता कर्नल सोफिया कुरैशी को ह्यआतंकवादियों की बहनह्य बताया। बाद में बात संभालने के लिए उन्होंने माफी मांग ली।

सेंटर फॉर स्टडी ऑफ सोसायटी एंड सेक्यूलरिज्म, मुंबई की मिथिला राऊत ने दैनिक लोकसत्ता (मराठी) में प्रकाशित अपने एक लेख में विभिन्न समाचारपत्रों में छपी खबरों के आधार पर मुसलमानों के खिलाफ हुई नफरत-जनित हरकतों की जानकारी प्रस्तुत की है। उनके लेख के मुताबिक पहलगाम हमले के बाद कई मुस्लिम विरोधी घटनाएं हुईं। ऐसी शर्मनाक घटनाओं में से एक उत्तरप्रदेश के शामली के ठोडा गांव में हुई जहां गोविंद ने सरफराज पर हमला किया। गोविंद ने कहा कि तुमने हमारे 26 मारे हम भी तुम्हारे 26 मारेंगे! पंजाब के डेरा बस्सी में यूनिवर्सल समूह के छात्रावास में कश्मीरी छात्रों पर हमला किया गया।

मसूरी में रहने वाले शब्बीर धर नाम के एक कश्मीरी, जो शाल बेचते थे, और उनके सहायक पर हमला किया गया और उन्हें पहलगाम की हत्याओं का कुसूरवार बताते हुए धमकाया गया कि यदि वे दुबारा वहां नजर आए तो बहुत बुरा होगा। हरियाणा के रोहतक नाम के गांव में मुस्लिम निवासियों को धमकाया गया और उनसे 2 मई तक गांव छोड़ देने के लिए कहा गया। ये तो केवल कुछ घटनाएं हैं जिनका विवरण समाचारपत्रों से पता लगा है। लेकिन इनसे यह साफ जाहिर है कि नफरत किस हद तक बढ़ गई है। समाज में माहौल धीरे-धीरे खराब हो रहा है। हिंदू दक्षिणपंथियों ने पहले से ही मुस्लिम विरोधी वातावरण बनाया हुआ है। शुरूआत में आरएसएस शाखाओं में मध्यकालीन इतिहास को तोड़-मरोड़ कर मुसलमानों के प्रति नफरत फैलाई गयी। हाल के कुछ सालों में गोदी मीडिया और सोशल मीडिया के जरिए मुसलमानों की शत्रु की छवि बनाई गई।

इतिहास गवाह है कि पाकिस्तान के निर्माण से साम्प्रदायिक राजनीति करने वालों को एक नया हथियार मिल गया और उन्होंने यह कहना शुरू कर दिया कि पाकिस्तान बनने के लिए मुसलमान जिम्मेदार हैं। यह पूरी तरह से इतिहास को तोड़-मरोड़कर पेश करने वाली बात थी क्योंकि पाकिस्तान के निर्माण की तीन वजहें थीं-अंग्रेजों की फूट डालो और राज करो की नीति, मुस्लिम साम्प्रदायिकता और हिन्दू साम्प्रदायिकता। द्विराष्ट्र सिद्धांत सबसे पहले हिन्दुत्ववादी विचारक विनायक दामोदर सावरकर ने पेश किया था। पाकिस्तान बनने के बाद यह प्रोपेगेंडा कि पाकिस्तान के निर्माण के लिए मुसलमान जिम्मेदार हैं, नफरत फैलाने का एक नया औजार बन गया। हकीकत यह है कि दो देश, भारत और पाकिस्तान एक साथ बने थे। मुस्लिम बहुल इलाके पाकिस्तान का हिस्सा बने। मुस्लिम-विरोधी प्रोपेगेंडा का एक नया मुद्दा बन गया कश्मीर का पेंचीदा मामला। 1990 के दशक में कश्मीरी पंडितों के कश्मीर से पलायन का इस्तेमाल भी मुसलमानों खिलाफ किया गया। जब यह पलायन हुआ था तब भाजपा समर्थित वी। पी। सिंह सरकार केन्द्र में सत्ता में थी और भाजपा की विचारधारा वाले जगमोहन कश्मीर के राज्यपाल थे। इन सभी तथ्यों को नजरअंदाज करते हुए मुसलमानों को पंडितों के पलायन की मुख्य वजह बताते हुए उनके प्रति घृणा को और बढ़ाया गया।

इस तरह एक के बाद एक कई मसलों का इस्तेमाल भारतीय मुसलमानों को सताने के लिए किया गया। इन दिनों भाईचारे की बातें बहुत कम सुनायी पढ़ती हैं और हर घटना का इस्तेमाल मुसलमानों के प्रति पहले व्याप्त नफरत को और बढ़ाने के लिए किया जाता है। इस नफरत का इस्तेमाल आरएसएस-भाजपा हिंदू राष्ट्र के अपने एजेंडे को आगे बढ़ाने के लिए करते हैं।

पहलगाम के मसले से भारतीय कूटनीति की बदलती प्रकृति भी सामने आ गई है। 1972 में इंदिरा गांधी और जुल्फिकार अली भुट्टो के बीच हुए शिमला समझौते के अनुसार सारे मसलों का समाधान किसी तीसरे पक्ष की मध्यस्थता के बिना द्विपक्षीय आधार पर ही किया जाना है। लेकिन अब तो पूरे मसले पर डोनाल्ड ट्रंप हावी हैं। नरेन्द्र मोदी उनका मुकाबला करने में अक्षम हैं। इससे समीकरण बदल गए हैं। वैश्विक स्तर पर ज्यादा देश भारत के पक्ष में खड़े नहीं हुए।

मुख्या मुद्दा यह है कि कश्मीर का मसला अटल बिहारी वाजपेयी के इंसानियत, कश्मीरियत और जम्हूरियत के नारे के आधार पर सुलझाया जाए। हम अपने पड़ोसियों के साथ शांति से रहें, यह बहुत जरूरी है।

नेताओं के बिगड़े बोल से आहत होती राष्ट्रीयता

-ललित गर्ग-

सेना के शौर्य पर सम्मान की बजाय अपमान के बिगड़े बोल को लेकर राजनीतिक घमासान छिड़ जाना स्वाभाविक है। कर्नल सोफिया और विंग कमांडर ब्योमिका सिंह के संबंध में क्रमशः मंत्री विजय शाह और सपा महासचिव राम गोपाल यादव द्वारा की गई टिप्पणियों पर राजनीतिक विवाद और कानूनी कार्रवाई की मांग तेज हो गई है। बड़ा प्रश्न है कि क्या धर्म और जाति के नाम पर वोट के लिए सेना और सेना से जुड़ी बेटियों के सम्मान को चोट पहुंचाई जाना उचित है? चाहे सत्ता पक्ष हो या विपक्ष वाणी का संयम अपेक्षित है। भारतीय राजनीति में बिगड़े बोल, असंयमित भाषा एवं कड़ावपन की मानसिकता चिन्ताजनक है। ऐसा लगता है ऊपर से नीचे तक सड़कछाप भाषा ने अपनी बड़ी जगह बना ली है। यह ऐसा समय है जब शब्द सहमे हुए हैं, क्योंकि उनके दुरूपयोग की घटनाएं लगातार जारी हैं। जब देश पहलगाम की त्रासद घटना एवं उसके बाद पाकिस्तान से बदला लेने की शौर्य की महत्वपूर्ण घटना के मोड़ पर खड़ा है, तब कुछ नेताओं के बिगड़े बोल बहुत दुखद और निंदनीय हैं। मध्य प्रदेश में भाजपा सरकार के एक मंत्री विजय शाह एवं समाजवादी पार्टी के रामगोपाल यादव के खिलाफ गुस्सा बढ़ता जा रहा है। विजय शाह को राज्य मंत्रिमंडल से हटाने की मांग तेज हो गई है। कर्नल सोफिया कुरैशी के खिलाफ विजय शाह की विवादास्पद टिप्पणी एक ऐसा दाग है, जिसे आसानी से नजरंदाज नहीं किया जा सकता। यह मामला सर्वोच्च न्यायालय तक पहुंचा और मामला भी दर्ज हो गया, तो आश्चर्य नहीं। देश के नेताओं व मंत्रियों को ऐसी हल्की और स्तरहीन बातों से परहेज करना चाहिए। नफरती सोच एवं हेट स्पीच का बाजार बहुत गर्म है। राजनीति की सोच ही दूषित एवं घृणित हो गयी है। नियंत्रण और अनुशासन के बिना राजनीतिक शुचिता एवं आदर्श राजनीतिक मूल्यों की कल्पना नहीं की जा सकती। नीतिगत नियंत्रण या अनुशासन लाने के लिए आवश्यक है सर्वोपरि राजनीतिक स्तर पर आदर्श स्थिति हो, अनुशासन एवं संयम हो, तो नियंत्रण सभी स्तर पर स्वयं रहेगा और इसी से देश एक आदर्श लोकतंत्र को स्थापित करने में सक्षम हो सकेगा। युद्ध जैसे माहौल में सेना एवं उसके नायकों का मनोबल बढ़ाने की बजाय उनके साहस एवं पराक्रम पर छींटाकशी करना दुर्भाग्यपूर्ण है। चर्चा में बने रहने के लिए ही सही, राजनेताओं के विवादित बयान गाहे-बगाहे सामने आ ही जाते हैं, लेकिन ऐसे बयान एक ऐसा परिवेश निर्मित करते हैं जिससे राजनेताओं एवं राजनीति के लिये घृणा पनपती है। यह सही है कि शब्द आवाज नहीं करते, पर इनके घाव बहुत गहरे होते हैं और इनका असर भी दूर तक पहुंचता है और देर तक रहता है। इस बात को राजनेता भी अच्छी तरह जानते हैं इसके बावजूद जुबान से जहरीले बोल सामने आते ही रहते हैं।

यह चिंताजनक है कि इधर के वर्षों में कुछ भी बयान दे देने की बुरी आदत बढ़ रही है। बिगड़े बोल वाले नेता बेलगाम हो रहे हैं। कोई दो राय नहीं कि पहले राजनीतिक दलों और उसके बाद सरकारों को इस मोर्चे पर अनुशासन एवं वाणी संयम का बांध बांधना चाहिए। विजय शाह करीब आठ बार चुनाव जीत चुके हैं, मतलब, अनुभवी नेता हैं, तो क्या वह चर्चा में रहने के लिए बिगड़े बोल का सहारा लेते हैं? सर्वोच्च न्यायालय में खिंचाई के बाद अब वह सफाई देने में लगे हैं। उन्होंने स्पष्टीकरण जारी करते हुए कहा है कि उनकी टिप्पणियों को संदर्भ से बाहर ले जाया गया और उनका मकसद कर्नल कुरैशी की बहादुरी की प्रशंसा करना था। उन्होंने यह भी कहा कि कर्नल सोफिया कुरैशी मेरी सगी बहन से भी बढ़कर हैं। वह माफी भी मांग रहे हैं, तो साफ है कि उनका पद खतरे में है। अगर वह पहले ही सावधानी बरतते या गलती होते ही माफी मांग लेते, तो मामला इतना नहीं बढ़ता। विजय शाह का मामला थमा भी नहीं है कि मध्य प्रदेश के ही उप- मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा ने भी बिगड़े बोल को अंजाम दे दिया है। उनका मानना है कि देश की सेना प्रधानमंत्री के सामने नतमस्तक है। वास्तव में, ऐसी गलतबयानी से किसी के भी सम्मान में वृद्धि नहीं होती है।

देश अभी-अभी एक संघर्ष से निकला है। यह एकजुटता और परस्पर समन्वय बढ़ाने के लिए संभलकर बोलने का समय है। राष्ट्रीय एकता एवं राजनीतिक ताने-बाने को ध्वस्त कर रहे जहरीले बोल की समस्या दिन-प्रतिदिन गंभीर होती जा रही है। संकीर्णता एवं राजनीति का उन्माद एवं ह्यहेट स्पीचह्ल के कारण न केवल विकास बाधित हो रहा है, सेना का मनोबल प्रभावित हो रहा है, बल्कि देश की एकता एवं अखण्डता भी खण्ड-खण्ड होने के कगार पर पहुंच गयी है। राजनेताओं के नफरती, उन्मादी, द्वेषमूलक और भड़काऊ बोलों को लेकर सर्वोच्च न्यायालय ने भी कड़ी टिप्पणियां की है। भाषा की मयार्दा सभी स्तर पर होनी चाहिए। कई बार आवेश में या अपनी बात कहने के चक्कर में शब्दों के चयन के स्तर पर कमी हो जाती है और इसका घातक परिणाम होता है। मुद्दों, मामलों और समस्याओं पर बात करने की बजाय जब नेता एक-दूसरे पर निजी हमले करने लगें तो यह उनकी हताशा, निराशा और कुंठा का ही परिचायक होता है। यह आज के अनेक नेताओं की आदत सी बन गई है कि एक गलती या झूठ छिपाने के लिए वे गलतियों और झूठ का अंबार लगा देते हैं। क्या यह सत्ता का अहंकार एवं नशा है? संसद में गलती एक बार अटल बिहारी वाजपेयी से भी हुई थी, उन्होंने तत्काल सुधार करते हुए कहा था कि चमड़े की जुबान है, फिसल जाती है। बेशक, अच्छा नेता वही होता है, जो गलतियां नहीं करता और अगर गलती हो जाए, तो तत्काल सुधारता है। जिम्मेदार पदों पर बैठे नेताओं को हमेशा ध्यान रखना चाहिए कि उनके अच्छे-बुरे बोल व गलत-सही कारनामे इतिहास में दर्ज हो रहे हैं।

ध्यान रखना होगा, पहले केवल शब्द वायरल होते हैं, पर अब शब्द के साथ वीडियो भी वायरल होता है। ध्यान रहे, समय के साथ मीडिया का बहुत विस्तार हुआ है और उसका एक बड़ा हिस्सा ऐसी ही गलतबयानी का भूखा है। उसे ऐसे ही बिगड़े बोल वाले कंटेंट की तलाश है। अतः कम से कम देश के जिम्मेदार दलों के नेताओं को कोई भी राष्ट्र-विरोधी अप्रिय या प्रतिकूल ध्वनि नहीं पैदा करनी चाहिए। अनेक राजनीतिक दलों के नेता ऐसे वक्तव्य देते हैं और विवाद बढ़ता देख बाद में सफाई देने से भी नहीं चूकते। वोट के लिए धर्म, सम्प्रदाय, जाति, समाज किसी को भी नहीं छोड़ा जा रहा। पार्टी कोई सी भी हो, नेता अपने विरोधियों के खिलाफ जहर उगलने से नहीं चूकते लेकिन सेना नायकों पर टिप्पणियां बहुत ही घातक है।

स्व प्रेरित होकर कार्य करना किसी बुद्धिमान व्यक्ति का सबसे मजबूत गुण होता है।
- अज्ञात

साफ सुथरे सादे परिधान में ऐसा यौवन होता है जिसमें अधिक उम्र छिप जाती है। - अज्ञात

सिन्दूरः अब श्रृंगार ही नहीं, शौर्य का प्रतीक

-प्रियंका सौरभ-

अब सिन्दूर केवल विवाह का प्रतीक नहीं, बल्कि स्वतंत्रता, साहस और आत्मसम्मान का प्रतीक बन गया है। यह उस नारी का प्रतीक है जो किसी भी परिस्थिति में न झुकने का संकल्प लेती है, जो अपने आत्मसम्मान के लिए किसी भी हद तक जा सकती है। संक्षेप में कहें तो, सिन्दूर अब केवल श्रृंगार नहीं, बल्कि शौर्य का प्रतीक है। यह हर उस नारी का प्रतिनिधित्व करता है जो खुद को परिभाषित करने में सक्षम है, जो किसी भी बंधन को तोड़कर अपनी पहचान बना रही है। यह बदलाव हमारे समाज की सोच में आ रहे सकारात्मक परिवर्तन का सूचक है।

सिन्दूर, जो प्राचीन काल से भारतीय नारी के वैवाहिक जीवन का प्रतीक रहा है, आज एक नए अर्थ में उभर रहा है। यह केवल सुहाग का प्रतीक नहीं, बल्कि नारी शक्ति, साहस और स्वाभिमान का प्रतीक बनता जा रहा है। यह बदलाव केवल एक सांस्कृतिक परिवर्तन नहीं, बल्कि एक सामाजिक क्रांति का संकेत है। भारतीय समाज में सिन्दूर का स्थान अत्यंत पवित्र माना जाता है। यह न केवल पति की लंबी उम्र की कामना है, बल्कि पति-पत्नी के बीच के अटूट बंधन का प्रतीक भी है। लेकिन बदलते समय के साथ, सिन्दूर अब केवल एक पारंपरिक श्रृंगार का हिस्सा नहीं रह गया है। यह आज की नारी की स्वतंत्रता, स्वाभिमान और साहस का भी प्रतीक बन चुका है।

प्राचीन ग्रंथों में सिन्दूर को सौभाग्य, प्रेम और आस्था का प्रतीक माना गया है। लेकिन जब हम इतिहास के पन्नों में झांकते हैं, तो हमें ऐसे कई उदाहरण मिलते हैं जहां सिन्दूर केवल श्रृंगार नहीं, बल्कि शौर्य और बलिदान का प्रतीक भी बना। रानी लक्ष्मीबाई, रानी दुर्गावती, पद्मावती जैसी वीरांगनाओं ने अपने सिन्दूर की लाज के लिए तलवार उठाई, अपने प्राणों की आहुति दी। ये उदाहरण दिखाते हैं कि सिन्दूर केवल सौंदर्य का नहीं, बल्कि स्वाभिमान और आत्मबल का प्रतीक भी है। आज की नारी भी इसी भावना से ओतप्रोत है। वह केवल एक पत्नी, मां या बहू तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज की रीढ़ है। वह हर क्षेत्र में अपना परचम लहरा रही है-चाहे वह खेल का मैदान हो, युद्ध का मैदान हो, या फिर राजनीति की गूंज। मिताली राज, मेरी कॉम, नीरज चोपड़ा जैसी खिलाड़ियों ने सिन्दूर के प्रतीक को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया है। उनकी सफलता की कहानियां हमें यह सिखाती हैं कि सिन्दूर न केवल परिवार का सम्मान है, बल्कि आत्मसम्मान का प्रतीक भी है। इस भावना को हाल ही में 'ऑपरेशन सिंदूर' ने भी बल दिया, जिसमें वियोमिका और सोफिया जैसी बहादुर महिलाओं ने अपने साहस और संघर्ष से यह साबित किया कि सिन्दूर केवल श्रृंगार नहीं, बल्कि अदम्य साहस का प्रतीक है। इन वीरांगनाओं ने न केवल अपने कर्तव्य का निर्वाह किया, बल्कि समाज की धारणाओं को भी चुनौती दी। यह परिवर्तन केवल महिलाओं तक ही सीमित नहीं है, बल्कि समाज के हर कोने में महसूस किया जा रहा है। सिन्दूर अब केवल पवित्रता का नहीं, बल्कि प्रतिरोध का प्रतीक भी है। यह उन महिलाओं की आवाज है जो अन्याय के खिलाफ उठ खड़ी होती हैं, अपने हक के लिए लड़ती हैं, और समाज की बंधी-बंधाई धारणाओं को तोड़ती हैं।

यह बदलाव फिल्मों और साहित्य में भी साफ दिखाई देता है। जैसे कि फिल्म 'मणिकर्णिका' में झांसी की रानी लक्ष्मीबाई का सिन्दूर केवल श्रृंगार का नहीं, बल्कि स्वाभिमान और संघर्ष का प्रतीक है। इसी तरह, कई वेब सीरीज और कहानियां भी सिन्दूर को एक नई परिभाषा दे रही हैं। समाज का यह नया दृष्टिकोण नारी के प्रति उसकी बदलती सोच का प्रतीक है। अब सिन्दूर केवल विवाह का प्रतीक नहीं, बल्कि स्वतंत्रता, साहस और आत्मसम्मान का प्रतीक बन गया है। यह उस नारी का प्रतीक है जो किसी भी परिस्थिति में न झुकने का संकल्प लेती है, जो अपने आत्मसम्मान के लिए किसी भी हद तक जा सकती है। संक्षेप में कहें तो, सिन्दूर अब केवल श्रृंगार नहीं, बल्कि शौर्य का प्रतीक है। यह हर उस नारी का प्रतिनिधित्व करता है जो खुद को परिभाषित करने में सक्षम है, जो किसी भी बंधन को तोड़कर अपनी पहचान बना रही है। यह बदलाव हमारे समाज की सोच में आ रहे सकारात्मक परिवर्तन का सूचक है। यह केवल एक परंपरा का नहीं, बल्कि एक पूरे विचारधारा का पुनर्जागरण है। आज की नारी सिन्दूर को केवल एक प्रतीक नहीं, बल्कि अपने संघर्ष और स्वाभिमान का प्रतीक मानती है। यह उसकी शक्ति, संकल्प और आत्मसम्मान का प्रमाण है। सिन्दूर, जो एक समय केवल वैवाहिक बंधन का प्रतीक था, आज नारी की आत्मशक्ति, संघर्ष और साहस का प्रतीक बन चुका है। यह उन महिलाओं का प्रतिनिधित्व करता है जिन्होंने अपने सपनों को पंख दिए और समाज की पुरानी धारणाओं को तोड़ा। यह केवल एक परंपरा नहीं, बल्कि एक संकल्प है-खुद को परिभाषित करने का, अपने आत्मसम्मान के लिए लड़ने का, और अपने अधिकारों के लिए आवाज उठाने का। यह उन वीरांगनाओं का प्रतीक है जिन्होंने इतिहास को अपने खून से लिखा और उन आधुनिक नारियों का प्रतीक है जो हर चुनौती को आत्मविश्वास से स्वीकारती हैं। सिन्दूर अब केवल श्रृंगार नहीं, बल्कि नारीत्व का महाकाव्य है- संघर्ष, स्वाभिमान और शौर्य का प्रतीक।

घर बैठे विदेशी डिग्री

ऑनलाइन एजुकेशन

भारत में नौकरी के साथ-साथ पढ़ाई के बढ़ते चलन ने ऑनलाइन विदेशी विश्वविद्यालयों की चांदी कर दी है। पिछले कुछ सालों से नौकरीपेशा लोगों के साथ-साथ कालेज छात्र-छात्रएं भी ऑनलाइन डिग्री के प्रति काफी रुचि दिखा रहे हैं।

चाहे आप विश्व के किसी भी कोने में हों, सुविधानुसार घर या ऑफिस में बैठे-बैठे नामी-गिरामी अंतर्राष्ट्रीय विश्वविद्यालयों से विभिन्न विषयों में ऑनलाइन डिग्री हासिल कर सकते हैं। इन विश्वविद्यालयों में बिजनैस, टैक्नोलॉजी, यहां तक कि नर्सिंग जैसे प्रायौगिक विषयों में भी ऑनलाइन कोर्स उपलब्ध हैं। अब अगर आप सोच रहे हैं कि विभिन्न विश्वविद्यालयों में पढ़ाए जाने वाले विभिन्न कोर्सों के बारे में विस्तृत जानकारी कहां से मिलेगी तो हमारी बताई कुछ वैबसाइटों पर क्लिक कीजिए।

यूनिवर्सिटी ऑफ फिनिक्स

यूनिवर्सिटी ऑफ फिनिक्स से बिजनैस टैक्नोलॉजी, एजुकेशन और नर्सिंग में दो-तीन वर्षों में ऑनलाइन डिग्री हासिल की जा सकती है। इसके अलावा यूनिवर्सिटी एम.ए. और पीएच.डी. की भी पढ़ाई करवाती है। वहां पढ़ाए जाने वाले ज्यादातर कोर्स विभिन्न क्षेत्रों में कार्यरत प्रोफैशनल्स को ध्यान में रख कर डिजाइन किए गए हैं।

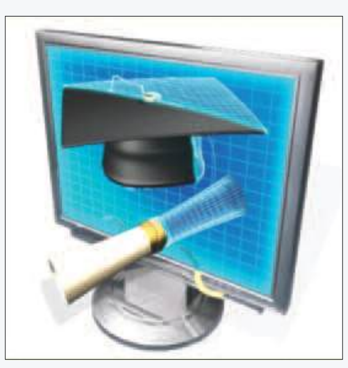

नामांकन और कोर्सों के बारे में ज्यादा जानकारी के लिए www.uopxonline.com पर क्लिक करें।

बोस्टन यूनिवर्सिटी

बोस्टन यूनिवर्सिटी का ऑनलाइन 'मास्टर ऑफ साइंस इन कम्प्यूटर इन्फॉर्मेशन सिस्टम' कोर्स अच्छा माना जाता है। हाल ही में यूनिवर्सिटी ने 'क्लिनिकल इन्वैस्टिगेशन' स्नातक स्तर का सर्टीफिकेट कोर्स शुरू किया है। इस क्षेत्र में प्रशिक्षित लोगों की दवा कम्पनियों में काफी मांग है। नामांकन और कोर्सों के बारे में ज्यादा जानकारी के लिए http://www.bu.edu पर क्लिक करें।

वैस्टवुड कालेज

वैस्टवुड कालेज के ज्यादातर कोर्स बाजार में उपलब्ध नौकरियों को ध्यान में रख कर डिजाइन किए गए हैं। इनमें क्रिमिनल जस्टिस, इंडस्ट्रियल सर्विसेज डिजाइनिंग, कम्प्यूटर एंड इन्फॉर्मेशन टैक्नोलॉजी, हैल्थकेयर और एम.बी.ए. आदि शामिल हैं। नामांकन और कोर्सों के बारे में ज्यादा जानकारी के लिए www.westwood.edu पर क्लिक करें।

केपेला यूनिवर्सिटी

केपेला यूनिवर्सिटी में शिक्षा के लगभग 80 क्षेत्रों में 700 से ज्यादा कोर्स उपलब्ध हैं। यूनिवर्सिटी बिजनैस व सूचना तकनीक में स्नातक स्तरीय कोर्स के अलावा मानव सेवा और साइकोलॉजी में अंतर स्नातक स्तरीय कोर्स भी करवाती है। नामांकन और कोर्सों के बारे में ज्यादा जानकारी के लिए www.capella.edu पर क्लिक करें।

थंडरबर्ड स्कूल ऑफ इंटरनैशनल मैनेजमैंट

वॉल स्ट्रीट जनरल द्वारा विश्व स्तर पर इंटरनैशनल बिजनैस में नंबर वन कोर्स करार दिए गए थंडरबर्ड स्कूल में वैश्विक मैनेजमैंट में 60 से अधिक कोर्स उपलब्ध हैं। इसकी फैकल्टी में विश्व के अनेक प्रोफैशनल शामिल हैं। नामांकन और कोर्सों के बारे में ज्यादा जानकारी के लिए www.thunderbird.edu पर क्लिक करें।

चाय के लिए एक लोकप्रिय कहावत है लबसोज, लबरेज व लबबंद यानी चाय का ऐसा प्याला जो होंठों को गरमी दे, लबालब भरा हो व मिठास लिए हो। जिस चाय के प्याले से आप अपने ताजगी भरे दिन की शुरुआत करते हैं उसी के जरिए कॅरियर को भी नई ताजगी दी जा सकती है।

टी मैनेजमेंट

ताजगी भविष्य की...

चाय इंडस्ट्री में रोजगार के लिए बॉटनी, फूड साइंस, हॉर्टीकल्चर में बीएससी या एग्रीकल्चर साइंस के डिग्रीधारियों को प्राथमिकता दी जाती है। बिजनेस मैनेजमेंट या मार्केटिंग में विशेषज्ञता रखने वाले लोगों को मार्केटिंग के क्षेत्र में अवसर मिल सकते हैं।

चाय का नाम सुनते ही एक ताजगी का अनुभव होता है। खुशी की बात यह है कि भारत दुनिया में चाय का सबसे बड़ा उत्पादक, निर्यातक व उपभोक्ता देश है। यही कारण है कि इस क्षेत्र में कॅरियर बनाने की भी अपार संभावनाएं है। यह बहुत ज्यादा प्रचलित कॅरियर विकल्पों में से नहीं होने के बावजूद बेहद रुचिकर क्षेत्र जरूर है। टी मैनेजमेंट में चाय से जुडें अलग-अलग तरह के कार्य शामिल हैं।

कार्य का स्वरूप

चाय इंडस्ट्री में पौधों की बुआई, प्रोसेसिंग, ऑक्शनिंग, ब्रांडिंग, मार्केटिंग व रिसर्च का काम होता है। पौधों के लिए सही मिट्टी तैयार करना और फर्टिलाइजर्स का सही चुनाव भी इनके काम में शामिल होता है। चाय की तैयार पत्तियां सही समय और तरीके से ताड़ना भी अपने आप में एक महत्वपूर्ण काम है। इसके बाद पत्तियों की प्रोसेसिंग का काम फैक्ट्रियों में होता है। यहां के बाद विभिन्न बागानों से आई पत्तियों की टेस्टिंग करके नीलामी के लिए भेजते हैं।

कंप्यूटर की मदद

वैसे तो चाय की गुणवत्ता पता लगाने के लिए टी टेस्टर्स होते हैं लेकिन अब इसके सटीक सम्मिश्रण के लिए कंप्यूटर की मदद भी ली जाती है। फिर भी टी टेस्टर्स के कथन को ही सर्वोपरि माना जाता है। भारत में असम, दार्जीलिंग और नीलगिरी में चाय के सबसे अच्छे बागान हैं। एक ही बागान में चाय की कई किस्में उगाई जा सकती हैं। यह एक मौसमी पौधा है, लिहाजा एक ही झाड़ से अलग-अलग सीजन में अलग-अलग तरह की पत्तियां निकलती हैं। इन्हें अलग तरीके से हैंडल भी किया जाता है।

योग्यता

शैक्षणिक: बुनियादी शिक्षा हासिल किए लोग भी टी इंडस्ट्री में शामिल हो सकते हैं। इसके बाद नौकरी के लिए जरूरी कौशल सीखा जा सकता है। हालांकि बॉटनी, फूड साइंस, हॉर्टीकल्चर में बीएससी या एग्रीकल्चर साइंस के डिग्रीधारियों को प्राथमिकता दी जाती है। बिजनेस मैनेजमेंट या मार्केटिंग में विशेषज्ञता रखने वाले लोगों को मार्केटिंग के क्षेत्र में अवसर मिल जाते हैं। टी टेस्टर्स को इस काम के लिए विधिवत प्रशिक्षण मिलता है। इसके अलावा इनमें नैसर्गिक प्रतिभा भी होती है। हालांकि दक्ष टैस्टर बनने के लिए वर्षों तक अभ्यास व प्रशिक्षण जारी रखना पड़ता है। इससे ही टेस्टिंग की कला निखरती है।

व्यक्तिगत योग्यता: इस क्षेत्र में दिलचस्पी रखने वालों को घर से बाहर रहते हुए काम करने की आदत होनी चाहिए। उनका शारीरिक तौर पर फिट व आत्मनिर्भर होना और उनमें लीडरशिप का गुण होना जरूरी है। चाय बाजार और उसके बदलते मापदंडों पर पकड़ होनी ही चाहिए। टी टेस्टर्स की स्वाद कलिकाएं बेहतर होनी चाहिए। टी ब्रोकर बनने की चाह रखने वालों को चाय बाजार पर पकड़ के साथ ही इसके उत्पादक और खरीदार दोनों से अच्छे संबंध बनाने होते हैं।

रोजगार के अवसर

दुनियाभर में भारत के चाय का सबसे बड़ा निर्माता होने के चलते यहां असीम संभावनाएं हैं। चाय कंपनियों, चाय बागान, टी ब्रोकिंग हाउस, टी एसोसिएशंस और टी बोर्ड ऑफ इंडिया में आपको कार्य करने के अच्छे मौके मिल सकते हैं। अनुभव प्राप्त टी प्लांटर आगे चलकर टी ब्रोकरेज में कदम रख सकता है। चाय सलाहकार बनकर भी व्यक्तिगत रूप से सुझाव देने का काम भी एक बेहतर विकल्प है। मुख्य तौर पर यहां निम्न कार्यों से जुड़ा जा सकता है।

प्लांटेशन/फैक्ट्री मैनेजर: बागान का नियंत्रण मैनेजरों के जिम्मे होता है। इनके काम में प्लांटेशन, रखरखाव, सही समय पर पत्तियों को चुनना, उन्हें पैक करवाकर नीलामी के लिए भेजना शामिल है।

टी टेस्टर: टी टेस्टिंग का क्षेत्र विशेषज्ञता की दरकार रखता है। इन्हें चाय के ढेर सारे फ्लेवर्स में से गुणवत्ता के आधार पर चुनाव करना होता है। इसकी एक खामी यह है कि तरह-तरह की चाय टेस्ट करने से आपकी पाचन शक्ति या दांतों पर विपरीत असर पड़ सकता है, क्योंकि तेजी के दिनों में एक दिन में 200-300 कप भी चखने पड़ सकते हैं।

रिसर्चर: यहां रिसर्च का ज्यादातर काम बॉटेनिस्ट, बायोटेक्नोलॉजिस्ट्स और दूसरे वैज्ञानिक करते हैं।

इनके काम में अच्छी से अच्छी गुणवत्ता की चाय तैयार करना शामिल है।

टी ब्रोकर: टी ब्रोकर बिचौलियों का काम करते हैं, यानी वह उत्पादक और खरीदार के बीच सही तालमेल बैठाते हैं। यहां टी इंडस्ट्री का अनुभव काम आ सकता है।

कंसल्टेंट: टी बोर्ड ऑफ इंडिया और दूसरे टी एसोसिएशंस अपने यहां सलाह-सुझाव के लिए इन लोगों को नौकरी पर रखती हैं।

पारिश्रमिक

किसी अन्य क्षेत्र की तरह यहां भी अनुभव वेतन निर्धारण में दबर्दस्त भूमिका निभाता है। फिर भी प्रशिक्षुओं की शुरुआत 5 हजार रुपए से होती है जबकि अनुभव प्राप्त पेशेवर 25 हजार रुपए प्रतिमाह तक वेतन पा सकते हैं। विशेषज्ञों को 40-50 हजार तक की आय संभव है।

टी टेस्टिंग से जुड़े कार्य में चाय के ढेर सारे फ्लेवर्स में से गुणवत्ता के आधार पर चुनाव करना होता है।

प्रशिक्षण देने वाले संस्थान

असम एग्रीकल्चरल यूनिवर्सिटी, जोरहट
इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ प्लांटेशन मैनेजमेंट, बेंगलुरु
दीपरस इंस्टीट्यूट ऑफ प्रोफेशनल स्टडीज, कोलकाता
दार्जीलिंग टी रिसर्च एंड मैनेजमेंट एसोसिएशन, दार्जीलिंग
असम दार्जीलिंग टी रिसर्च, दार्जीलिंग
बिरला इंस्टीट्यूट ऑफ फ्यूचरिस्टिक स्टडीज, कोलकाता
द टी टेस्टर्स एकेडमी, कुन्नूर, केरल
यूपीएएसआई टी रिसर्च इंस्टीट्यूट, वलपरई।

होम्योपैथी चिकित्सा

चिकित्सा के विभिन्न क्षेत्रों में अब करियर के अनेक अवसर उपलब्ध हैं। मैडीकल लाइन में जाने के इच्छुक युवाओं के लिए करियर की दृष्टि से होम्योपैथी चिकित्सा का क्षेत्र भी अच्छा माना जाता है। होम्योपैथी चिकित्सा की बड़ी प्राचीन पद्धति है। सबसे प्रमुख बात यह है कि इसकी दवाओं का शरीर पर कोई साइड इफैक्ट नहीं होता। पुराने से पुराने रोगों के निदान में होम्योपैथी चिकित्सा कारगर सिद्ध हुई है। इसी कारण जहां लोगों का एलोपैथी के मुकाबले इस चिकित्सा के प्रति विश्वास बढ़ता जा रहा है वहीं युवाओं को करियर के रूप में इस चिकित्सा क्षेत्र में अच्छे अवसर मिलने की संभावना बलवती हुई है।वर्तमान समय में होम्योपैथी चिकित्सा का दायरा बढ़ा है। ऐसा माना जाता है कि इसकी शुरूआत जर्मनी से हुई थी और यह अमेरिका तक विस्तृत होते हुए भारत में भी फैल गई।

रोजगार के दृष्टिकोण से होम्योपैथी में डिग्री प्राप्त करने के बाद युवा चाहें तो अपना स्वयं का क्लीनिक खोलकर प्रैक्टिस शुरू कर सकते हैं या फिर किसी सरकारी अस्पताल अथवा स्वयंसेवी संगठन में नियुक्ति पा सकते हैं। शिक्षण क्षेत्र में नियुक्ति मिलने की संभावना रहती है नियुक्ति हेतु विज्ञापन विभिन्न राष्ट्रीय समाचारपत्रों में समय-समय पर प्रकाशित होते रहते हैं। इस क्षेत्र में प्रवेश पाने के लिए आवेदक को विज्ञान विषय सहित 12वीं कक्षा उत्तीर्ण होना चाहिए। इन्टर्नशिप सहित इस क्षेत्र में पढ़ाई की कुल समय सीमा पांच वर्ष की होती है। भारत के विभिन्न कालेजों में होम्योपैथी की पढ़ाई होती है। ऐसे प्रमुख संस्थानों की जानकारी समाचारपत्रों में मिलती रहती है।

कुछ संस्थानों के पते छात्रों की सुविधा हेतु यहां दे रहे हैं। इन संस्थानों से सम्पर्क कर विस्तृत जानकारी हासिल की जा सकती है। प्रवेश के लिए योग्यता, पाठ्यक्रम की अवधि तथा शुल्क आदि से संबंधित सभी बातें आवेदक को संस्थान से सम्पर्क कर पहले ही मालूम कर लेनी चाहिएं।

* के.एन.एच. मैडीकल कालेज, बरारी रोड, भागलपुर, (बिहार)
* नैशनल होम्योपैथिक मैडीकल कालेज, लखनऊ,(उ.प्र.)
* आर.वी.टी.एस. गवर्नमैंट होम्योपैथिक मैडीकल कालेज एंड हॉस्पिटल, मुजफ्फरपुर, (बिहार)
* स्टेट कानपुर होम्योपैथिक मैडीकल कालेज, जी.एच.के. बिल्डिंग, कानपुर। (उ.प्र.)

सफलता के लिए समर्पण जरूरी- रसील गुजराल

रसील गुजराल अंसल कासा पैराडॉक्स की क्रिएटिव हैड और एक सफल इंटीरियर डिजाइनर हैं। प्रसिद्ध चित्रकार और आर्कीटैक्ट सतीश गुजराल की बेटी रसील का कहना है कि इंसान को धन तक जाने वाले सबसे छोटे रास्ते की तलाश नहीं करनी चाहिए। यहां वह अपने जीवन से जुड़ी यादें ताजा करने के साथ-साथ अपनी सफलता का राज सांझा कर रही हैं।

रसील ने बताया कि उन्होंने स्कूली शिक्षा देहरादून ने एक बोर्डिंग स्कूल में प्राप्त की। उनका कहना है कि वहां उन्होंने अपने स्कूली दिनों के सबसे अच्छे पल बिताए। इसका कारण यह है कि वहीं उन्हें अपनी खूबियों को जानने का मौका मिला, उनमें सही मायनों में आत्मविश्वास पैदा हुआ। वहां उन्होंने पढ़ाई के साथ-साथ खेलों में भी काफी अच्छा किया और उन्हें कई सोशल स्किल्स का ज्ञान भी मिला।

इंटीरियर डिजाइनिंग का प्रशिक्षण उन्होंने अपने पिता और अपने भाई मोहित गुजराल के आर्कीटैक्चरल ऑफिस में लिया। यहां उन्हें तकनीकी बातों का ज्ञान मिला जबकि उनकी रचनात्मकता को पंख फैलाने की पूरी आजादी दी गई। बेशक शुरूआत में उन्होंने कई गलतियां कीं परंतु वह समय रहते उन्हें सुधार भी लिया करती थीं। यहां उन्हें किसी संस्थान में थ्योरी और प्रैक्टीकल जैसे बंधनों में नहीं बंधना पड़ा। यहां उन्होंने इंटीरियर डिजाइनर से अधिक एक इंटीरियर आर्कीटैक्ट का प्रशिक्षण हासिल किया।

फैशन इंस्टीच्यूट ऑफ टैक्नोलॉजी, न्यूयॉर्क के डीन के लिए रैजीडैंशियल इंटीरियर डिजाइनिंग का काम उनका पहला प्रोजैक्ट था। पहले प्रोजैक्ट की यादें सांझी करते हुए रसील ने कहा कि डीन 1986 में नैशनल इंस्टीच्यूट ऑफ फैशन टैक्नोलॉजी की स्थापना के लिए भारत आए हुए थे। उन्होंने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर डिजाइनिंग का अनुभव हासिल करने वाले व्यक्ति के साथ काम करना उनके लिए बहुत रोमांचपूर्ण रहा। चूंकि सारा काम भारतीय ब्यूरोक्रेसी से होकर किया जाना था, उन्हें इस दौरान कई बातों से पहली बार परिचित होने का मौका मिला।

उन्होंने कहा कि सबसे रोचक बात थी कि इस प्रोजैक्ट में कंसल्टैंट के तौर पर कार्य करने के लिए कभी उनकी फीस अदा नहीं की गई क्योंकि उन्हें बार-बार बिल क्लीयर करवाने के लिए लोगों के पास जाने में शर्म आती थी। उनका कहना है कि आत्मनिर्भरता किसी से सीखी नहीं जा सकती यह खुद सीखनी पड़ती है। खुद को लगातार चुनौतियों का सामना करने को प्रेरित करने और अतीत में हासिल सफलताओं से ढीले नहीं पड़ना जैसी बातें उन्होंने अपने पिता से सीखीं।

वह किसी भी प्रोजैक्ट का महत्व उसके आकार, सम्भावनाओं या मिलने वाली रकम से नहीं लगाती हैं। उनकी संतुष्टि उन प्रोजैक्ट्स को तत्कालीन आवश्यकताओं के अनुसार सबसे अच्छे ढंग से पूरा करने में निहित रहती है। उनका मानना है कि उनका एक मां-पत्नी-बेटी-किसी की मित्र होना ही उनको एक सम्पूर्ण इंसान बनाता है। उनके लिए जीवन का कोई एक भाग किसी अन्य भाग से अधिक महत्व नहीं रखता। उनके लिए सभी भूमिकाओं में संतुलन और सौहार्द बनाए रखना ही असली चुनौती है।

रसील का कहना है कि सफलता के लिए आपके परिवार का सहयोग बहुत महत्वपूर्ण है। साथ ही अपने काम से लगन और उसके प्रति समर्पण की भावना भी व्यक्ति में होनी चाहिए। अपने काम से लगाव ही व्यक्ति को सफल बनाता है।

सीमाओं का पालन करें

कार्यस्थल पर कई कारणों से हमारे आत्मसम्मान को ठेस पहुंच सकती है। अक्सर हमें निजता के अतिक्रमण, नजरअंदाज या हमारा उपयोग किए जाने अथवा कई लोगों की बातों एवं तानों से आहत होने का सामना करना पड़ता है।

ध्यान देने वाली बात यह है कि अपनी निजता के उल्लंघन के लिए काफी हद तक हम खुद जिम्मेदार होते हैं। किसी भी व्यक्ति के प्रोफैशनल और पर्सनल विकास तथा इससे भी बढ़ कर उसके मानसिक स्वास्थ्य के लिए जरूरी है कि वह कार्यस्थल पर अपने लिए तय निजी सीमा का उल्लंघन किसी को न करने दे।

कार्यस्थल पर निजी सीमा से तात्पर्य उस अंतर से है जो हमें अन्यों से अलग करता है। इसमें पर्सनल स्पेस, शारीरिक दूरी, संवाद, भावनात्मक एवं सामाजिक सीमाएं शामिल हैं।

किसी भी व्यक्ति के व्यक्तित्व और निजी अधिकारों की रक्षा के लिए इन सीमाओं का पालन करना बेहद जरूरी हो जाता है।

कार्यस्थल पर हमारी अधिकतर परेशानियों का मुख्य कारण इन निजी सीमाओं की रक्षा नहीं कर पाना है। अक्सर किसी ग्रुप में फिट होने की कोशिश में हम अन्यों को इन सीमाओं का उल्लंघन करने की छूट दे देते हैं।

हम अपने सच्चे रूप को इस भय में छुपाए रखने का यत्न करते हैं कि कहीं हम अन्यों से दूर न हो जाएं। इस प्रकार के व्यवहार से हम अक्सर कुंठा के शिकार होते हैं। इसके विपरीत यदि हम अपनी एक निजी सीमा निर्धारित कर लें तो हम सुरक्षित रहने के साथ-साथ लोगों से अधिक प्रभावशाली ढंग से निपटने में सक्षम हो सकेंगे। सीमाओं की रक्षा करने वाले लोगों के सहकर्मियों से संबंध ऐसा नहीं कर पाने वालों से कई गुना बेहतर रहते हैं।

19 May Page 8_Page 3.qxd 5/18/2025 10:25 PM Page 1

संक्षिप्त खबरें

रूस ने यूक्रेन पर दागे 273 ड्रोन, अबतक का सबसे बड़ा हमला

कीव, (एजेंसी) : शांति वार्ता विफल होने के कुछ ही घंटों बाद रूस ने यूक्रेन पर जबरदस्त ड्रोन हमला कर दिया। हमले में कम से कम एक नागरिक की मौत हो गई और तीन अन्य घायल हो गए।

यूक्रेन की वायुसेना के अनुसार, यह हमला अब तक के सबसे बड़े ड्रोन हमलों में से एक था। यह हमला यूक्रेन और रूस के बीच 2022 के बाद पहली सीधी वार्ता के दो दिनों बाद और डोनाल्ड ट्रम्प-व्लादिमीर पुतिन के बीच टेलीफोन पर होने वाली बातचीत से एक दिन पहले हुआ है। इसी साल 23 फरवरी को यूक्रेन पर रूस ने युद्ध की तीसरी वर्षगांठ की पूर्व संध्या पर 267 ड्रोन दागे थे।

यूक्रेन की वायु सेना ने हमले की पुष्टि करते हुए कहा कि रूस ने स्थानीय समयानुसार सुबह करीब 8 बजे 273 ड्रोन दागे, जिनका लक्ष्य मुख्य रूप से कीव क्षेत्र और देश के पूर्व में निप्रोपेट्रोव्स्क और डोनेट्स्क क्षेत्र थे। हमले में राजधानी क्षेत्र में 28 वर्षीय महिला की मौत हो गई और चार साल के बच्चे सहित कुछ लोग घायल हो गए।

वायुसेना के अनुसार कुल 273 ड्रोन दागे गए, जिनमें से 88 को मार गिराया गया, जबकि 128 ड्रोन इलेक्ट्रॉनिक जैमिंग तकनीक के कारण निष्क्रिय हो गए। कीव के क्षेत्रीय गवर्नर मायकोला कलाश्निक ने कहा कि हमले से आधारभूत संरचना को काफी नुकसान पहुंचा है, जिससे कई इलाकों में बिजली आपूर्ति बाधित हो गई है। यूक्रेन सरकार ने कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए अंतरराष्ट्रीय समुदाय से रूस के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।

इस बीच हमले की तीव्रता और रणनीति देखकर विशेषज्ञों का मानना है कि रूस अब यूक्रेन पर साइबर और ड्रोन अटैक एक साथ करके दबाव बढ़ाने की कोशिश कर रहा है। यह हमला रूस की उस रणनीति को दशार्ता है, जिसमें वह कूटनीतिक वार्ता के साथ-साथ सैन्य दबाव बनाए रखने की नीति अपना रहा है।

उल्लेखनीय है कि शुक्रवार को तुर्की के इस्तांबुल में हुई वार्ता में युद्धविराम को लेकर कोई ठोस सहमति नहीं बन पाई और उसी के बाद यह हमला सामने आया। देखना यह है कि यह हमले कूटनीतिक प्रयासों को पूरी तरह पटरी से उतार देंगे या अंतरराष्ट्रीय समुदाय हस्तक्षेप कर किसी समाधान की दिशा में कदम उठाएगा।

पालः स्वामी रामदेव और आचार्य बालकृष्ण को समन

काठमांडू, (एजेंसी) : नेपाल की एंटी करप्शन ब्यूरो की तरफ से कथित जमीन घोटाले में स्वामी रामदेव और आचार्य बालकृष्ण को समन भेजा गया है।

नेपाल सरकार द्वारा आयुर्वेद विश्वविद्यालय तथा शोध संस्थान बनाने के लिए पतंजलि ट्रस्ट नेपाल को सरकारी जमीन दी गई थी। इस जमीन की खरीद-बिक्री से संबंधित गड़बड़ियों की जांच चल रही है। इस मामले में एंटी करप्शन ब्यूरो की तरफ से पूर्व प्रधानमंत्री माधव कुमार नेपाल से भी पूछताछ की जा चुकी है।

नेपाल के कंपनी रजिस्ट्रार के दफ्तर में पतंजलि योगपीठ नेपाल और पतंजलि ट्रस्ट नेपाल दोनों ही कंपनियों को गैर नाफामुलक कंपनी के रूप में रजिस्टर्ड किया गया है। इन दोनों ही कंपनियों में स्वामी रामदेव और आचार्य बालकृष्ण संचालक समिति में हैं जबकि नेपाल की तरफ से शालीग्राम सिंह संचालक समिति में हैं।

ब्यूरो के तरफ से प्रवक्ता राजेन्द्र पौडेल ने बताया कि संचालक समिति में होने के कारण रामदेव और बालकृष्ण को समन भेजा गया था लेकिन उनकी तरफ से जून के आखिरी सप्ताह में यह जवाब आया कि नेपाल में हुई सभी खरीद-बिक्री के लिए स्थानीय प्रतिनिधि शालिग्राम सिंह जवाबदेह हैं इसलिए कानूनी रूप से उनसे ही पूछताछ की जाए।

नेपाल सरकार ने कैबिनेट की मंजूरी के साथ पतंजलि योगपीठ नेपाल और पतंजलि ट्रस्ट नेपाल कॉन्जमिन हदबंदी की छूट देते हुए जमीन का आवंटन किया था। आयुर्वेद विश्वविद्यालय, आयुर्वेद शोध संस्थान, योग महाविद्यालय तथा अन्य प्रयोजन के लिए बनेपा जिले में में 61 बीघा, दांग जिले मे 75 बीघा, 22 बीघा, स्यांगजा जिले में 18 बीघा, चितवन में 15 बीघा, जनकपुर में 25 बीघा, बारा और परसा जिले में 50 बीघा और काठमांडू में 11 बीघा जमीन पतंजलि योगपीठ और पतंजलि ट्रस्ट ने अपने नाम पर खरीदा।

इसके दो वर्ष के बाद ही पतंजलि ट्रस्ट नेपाल ने बनेपा में सहूलियत में मिले 61 बीघा जमीन को महंगे दाम पर बेच कर कहीं और जमीन की खरीद की। तत्कालीन नेपाल सरकार ने इस खरीद-बिक्री को अनुमति प्रदान कर दी थी लेकिन नेपाल के जमीन खरीद बिक्री कानून के मुताबिक सरकार द्वारा आवंटित जमीन की बिक्री नहीं हो सकती है।

पतंजलि नेपाल के ट्रस्टी शालिग्राम सिंह की दलील है कि नेपाल सरकार के कैबिनेट से पास होने के बाद जमीन की खरीद-बिक्री की गई है इसलिए इसमें पतंजलि ट्रस्ट और स्वामी रामदेव एवं आचार्य बालकृष्ण को जबरन घसीटा जा रहा है।

मैक्सिकन नौसेना का जहाज ब्रिज से टकराया, दो की मौत, 19 घायल

न्यूयार्क, (एजेंसी) : अमेरिका के न्यूयार्क में बड़ा हादसा हो गया। मेक्सिन नौ सेना का ट्रेनिंग जहाज ब्रुकलिन ब्रिज से टकरा गया। न्यूयार्क सटी के मेयर एरिक एडम्स ने बताया कि हादसे में दो लोगों को मौत होने और 19 लोगों घायल होने की खबर है।घायलों में दो की हालत गंभीर बनी हई है। न्यूयार्क फायर डिपार्टमेंट के मुताबिक हादसा शनिवार की देर शाम को हुआ। हादसे के तुरंत बाद ही रेस्क्यू आरपेरशन शुरू कर दिया गया। सभी घायलों को तुरंत ही अस्पताल में दाखिल कराया गया। हादसे के पीछे कारण क्या रहे, इसके बारे में अभी जांच की जा रही है। यह नौसेना का जहाज नौसैनिक कैडेटों को ट्रेनिंग देने के लिए प्रयोग किया जाता है। इसमें कुल 277 लोग सवार थे, जिनमें नाविक, अधिकारी और कैडेट भी शामिल थे।

टॉप 10 में शामिल देश की 9 कंपनियों के मार्केट कैप में 3.35 लाख करोड़ की बढ़ोतरी, रिलायंस को सबसे ज्यादा फायदा

नई दिल्ली, (एजेंसी) :घरेलू शेयर बाजार में पिछले कारोबारी सप्ताह के दौरान हुई खरीद-बिक्री के कारण देश की टॉप 10 मोस्ट वैल्यूड कंपनियों में से 9 कंपनियों के मार्केट कैप में 3.35 लाख करोड़ रुपये से अधिक की बढ़ोतरी हो गई। इनमें सबसे अधिक फायदा रिलायंस इंडस्ट्रीज को हुआ। दूसरी ओर, टॉप 10 में शामिल 1 कंपनियों के मार्केट कैप में 19 हजार करोड़ रुपये से अधिक की गिरावट आ गई।

इस सप्ताह के कारोबार के दौरान रिलायंस इंडस्ट्रीज, एचडीएफसी बैंक, टाटा कंसलटेंसी सर्विसेज (टीसीएस), आईसीआईसीआई बैंक, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई), आईटीसी, बजाज फाइनेंस, हिन्दुस्तान यूनिलीवर और इंफोसिस के मार्केट कैप में 3,35,048.62 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हो गई। दूसरी ओर, भारती एयरटेल के मार्केट कैप में 19,330.14 करोड़ रुपये की गिरावट आ गई।

12 मई से 16 मई के बीच हुए कारोबार के दौरान रिलायंस इंडस्ट्रीज का मार्केट कैप 1,06,703.54 करोड़ रुपये बढ़ कर 19,71,139.96 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। इसी तरह आईसीआईसीआई बैंक का मार्केट कैप 46,306.99 करोड़ रुपये उछल कर 10,36,322.32 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। इसके अलावा, टाटा कंसलटेंसी सर्विसेज (टीसीएस) का मार्केट कैप 43,688.40 करोड़ रुपये की उछाल के साथ 12,89,106.49 करोड़ रुपये के स्तर पर इंफोसिस का मार्केट कैप 34,281.79 करोड़ रुपये बढ़ कर 6,60,365.49 करोड़ रुपये के स्तर पर, एचडीएफसी बैंक का मार्केट कैप 34,029.11 करोड़ रुपये की तेजी के साथ 14,80,323.54 करोड़ रुपये के स्तर पर, बजाज फाइनेंस का मार्केट कैप 32,730.72 करोड़ रुपये बढ़ कर 5,69,658.67 करोड़ रुपये के स्तर पर, आईटीसी का मार्केट कैप 15,142.09 करोड़ रुपये की मजबूती के साथ 5,45,115.06 करोड़ रुपये के स्तर पर, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) का मार्केट कैप 11,111.15 करोड़ रुपये बढ़ कर 7,06,696.04 करोड़ रुपये के स्तर पर और हिंदुस्तान यूनिलीवर का मार्केट कैप 11,054.83 करोड़ रुपये उछल कर 5,59,437.68 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया।

दूसरी ओर, टॉप 10 कंपनियों में शामिल इकलौती कंपनी भारती एयरटेल का मार्केट कैप सोमवार से शुक्रवार के कारोबार के बाद 19,330.14 करोड़ रुपये कम होकर 10,34,561.48 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया।

मार्केट कैप के लिहाज से रिलायंस इंडस्ट्रीज 19,71,139.96 करोड़ रुपये के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) के साथ देश की सबसे अधिक मार्केट कैप वाली कंपनी रही। इसके बाद एचडीएफसी बैंक (कुल मार्केट कैप 14,80,323.54 करोड़ रुपये), टीसीएस (कुल मार्केट कैप 12,89,106.49 करोड़ रुपये), आईसीआईसीआई बैंक (कुल मार्केट कैप 10,36,322.32 करोड़ रुपये), भारती एयरटेल (कुल मार्केट कैप 10,34,561.48 करोड़ रुपये), स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (कुल मार्केट कैप 7,06,696.04 करोड़ रुपये), इंफोसिस (कुल मार्केट कैप 6,60,365.49 करोड़ रुपये), बजाज फाइनेंस (कुल मार्केट कैप 5,69,658.67 करोड़ रुपये), हिंदुस्तान यूनिलीवर (कुल मार्केट कैप 5,59,437.68 करोड़ रुपये) और आईटीसी (कुल मार्केट कैप 5,45,115.06 करोड़ रुपये) के नाम सबसे मूल्यवान टॉप 10 कंपनियों के लिस्ट में दूसरे से दसवें स्थान पर बने रहे।

अगले सप्ताह खुलेंगे 5 नए आईपीओ, 3 कंपनियों की होगी लिस्टिंग

नई दिल्ली, (एजेंसी) :सोमवार 19 मई से शुरू होने वाले कारोबारी सप्ताह के दौरान प्राइमरी मार्केट में पांच नए आईपीओ लॉन्च होने वाले हैं। इनमें दो आईपीओ मेनबोर्ड सेगमेंट के हैं, जबकि तीन आईपीओ एसएमई सेगमेंट के हैं। इन आईपीओ की लॉन्चिंग के अलावा इस सप्ताह तीन कंपनियां लिस्टिंग के जरिए शेयर बाजार में अपने कारोबार की शुरूआत करने वाली हैं। लिस्ट होने वाली ये तीनों कंपनियां एसएमई सेगमेंट की हैं।

इस सप्ताह 20 मई को बोराना वीव्स का 144.89 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेगा। इस आईपीओ में 22 मई तक बोली लगाई जा सकेगी। आईपीओ के तहत बोली लगाने के लिए 200 रुपये से 216 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 69 शेयर का है। कंपनी के शेयरों का एलॉटमेंट 23 मई को किया जाएगा। वहीं, इनकी लिस्टिंग 27 मई को बीएसई और एनएसई पर होगी।

इसी दिन विक्ट्री इलेक्ट्रिक व्हीकल्स का 40.66 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेगा। इस आईपीओ में 23 मई तक बोली लगाई जा सकेगी। आईपीओ के तहत बोली लगाने के लिए 72 रुपये प्रति शेयर का मूल्य तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 1,600 शेयर का है। कंपनी के शेयरों का एलॉटमेंट 27 मई को किया जाएगा। वहीं, इनकी लिस्टिंग 28 मई को एनएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर होगी।

इसी तरह बेलराइज इंडस्ट्रीज का 2,150 करोड़ रुपये का आईपीओ 21 मई को सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेगा। इस आईपीओ में 22 मई तक बोली लगाई जा सकेगी। आईपीओ के तहत बोली लगाने के लिए 85 रुपये से 90 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 166 शेयर का है। कंपनी के शेयरों का एलॉटमेंट 26 मई को किया जाएगा। वहीं इनकी लिस्टिंग 28 मई को बीएसई और एनएसई पर होगी।

21 मई को ही डार क्रेडिट एंड कैपिटल का 25.66 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेगा। इस आईपीओ में 23 मई तक बोली लगाई जा सकेगी। आईपीओ के तहत बोली लगाने के लिए 57 रुपये से 60 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 2,000 शेयर का है। कंपनी के शेयरों का एलॉटमेंट 26 मई को किया जाएगा। वहीं इनकी लिस्टिंग 28 मई को एनएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर होगी।

इसके अलावा यूनिफाइड डाटा टेक सॉल्यूशंस का 144.47 करोड़ रुपये का आईपीओ 22 मई को सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेगा। इस आईपीओ में 26 मई तक बोली लगाई जा सकेगी। आईपीओ के तहत बोली लगाने के लिए 260 रुपये से 273 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 400 शेयर का है। कंपनी के शेयरों का एलॉटमेंट 27 मई को किया जाएगा। वहीं इनकी लिस्टिंग 29 मई को बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर होगी।

जहां तक अगले सप्ताह स्टॉक मार्केट में लिस्टिंग की बात है तो सोमवार 19 मई को वर्चुअल गैलेक्सी इन्फोटेक के शेयर एनएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर लिस्ट होकर कारोबार की शुरूआत करेंगे इसी तरह इंटेग्रिटी इंफ्राबिल्ड डेवलपर्स के शेयरों की लिस्टिंग 20 मई को एनएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर होगी। इसके अलावा 21 मई को एक्रेशन फार्मास्यूटिकल्स के शेयर एनएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर लिस्ट होंगे।

जेलेंस्की की कूटनीतिक दौड़ः ट्रंप-पुतिन वार्ता से पहले रोम में अमेरिका और यूरोपीय नेताओं से की मुलाकात

रोम, (एजेंसी) :यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने रविवार को इटली की राजधानी रोम में अमेरिका और यूरोप के शीर्ष नेताओं से मुलाकात की। यह दौरा ऐसे समय हुआ है जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के बीच सोमवार को एक अहम फोन वार्ता होनी है, जिसका उद्देश्य यूक्रेन में लंबे समय से जारी युद्ध को समाप्त करने की दिशा में कदम बढ़ाना है।

जेलेंस्की ने अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस और विदेश मंत्री मार्को रुबियो से अमेरिकी राजदूत आवास पर मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने युद्धविराम के प्रयासों पर चर्चा की। जर्मन चांसलर फ्रेडरिक मर्ज ने भी जेलेंस्की और रुबियो दोनों से मुलाकात कर युद्ध समाप्ति के प्रयासों पर जोर दिया।

चांसलर मर्ज के मुताबिक फ्रांस और ब्रिटेन के नेताओं के साथ सहमति बनी है कि वे ट्रंप से आगामी बातचीत के लिए एकजुट रणनीति पर काम करेंगे। उन्होंने कहा, ₹मेरा स्पष्ट मानना है कि अमेरिका और यूरोप अब एक उद्देश्यपूर्ण ढंग से इस भयानक युद्ध को जल्द समाप्त करने की दिशा में काम कर रहे हैं।

वहीं, शांति की कोशिशों के बीच रूस ने यूक्रेन पर अब तक का सबसे बड़ा ड्रोन हमला किया है। यूक्रेनी वायुसेना के अनुसार, रूस ने कुल 273 ड्रोन और डिकोय दागे। इनमें से 88 को मार गिराया गया, जबकि 128 इलेक्ट्रॉनिक प्रणाली से निष्क्रिय हो गए।

जानकारी के मुताबिक, कीव, दिनप्रोपेट्रोव्स्क और डोनेट्स्क क्षेत्रों को निशाना बनाकर किए गए इस हमले में 28 वर्षीय महिला की मौत हो गई और तीन अन्य घायल हुए, जिनमें चार साल का एक बच्चा भी शामिल है।

यूक्रेनी वायुसेना के प्रवक्ता यूरी इह्नात ने इसे साल 2022 में युद्ध शुरू होने के बाद का सबसे बड़ा हमला बताया है।

कोलंबिया ने चीन-नीत ब्रिक्स बैंक में शामिल होने के लिए आवेदन किया

शंघाई/बोगोटा, (एजेंसी) :। कोलंबिया ने चीन के नेतृत्व में संचालित न्यू डेवलपमेंट बैंक (एनडीबी) में सदस्यता के लिए आवेदन किया है। यह कदम लैटिन अमेरिकी देशों की बदलती विदेश नीति की दिशा की ओर संकेत करता है, जिसमें वे अब पारंपरिक अमेरिकी प्रभाव से हटकर चीन जैसे उभरते वैश्विक शक्ति केंद्रों की ओर रुख कर रहे हैं।

कोलंबिया के राष्ट्रपति गुस्तावो पेट्रो ने हाल ही में अपने चीन दौरे के दौरान शंघाई में ब्राजील की पूर्व राष्ट्रपति और एनडीबी की प्रमुख दिल्मा रूसेफ से मुलाकात की। पेट्रो ने घोषणा की कि उनका देश इस बहुपक्षीय विकास बैंक में 512 मिलियन अमेरिकी डॉलर के शेयर खरीदेगा।

राष्ट्रपति पेट्रो ने विशेष रूप से उस 120 किलोमीटर लंबे नहर या रेलवे परियोजना का ज़िक्र किया जो कोलंबिया के अटलांटिक और प्रशांत महासागर के तटों को जोड़ने के लिए प्रस्तावित है। उन्होंने इसे दक्षिण अमेरिका और एशिया के बीच व्यापार के लिहाज से रणनीतिक कड़ी बताया और आशा जताई कि एनडीबी से इस परियोजना को वित्तीय सहयोग मिलेगा।

कोलंबिया एनडीबी में सदस्यता के लिए आवेदन करने वाला लैटिन अमेरिका का दूसरा देश है। इससे पहले 2021 में उरुग्वे ने इस बैंक में शामिल होने की इच्छा जताई थी। हालांकि, कोलंबिया का यह कदम वॉशिंगटन में चिंता का कारण बन सकता है, क्योंकि यह देश अब तक अमेरिका का प्रमुख सहयोगी और ₹वॉर ऑन ड्रग्स₹ अभियान का समर्थनकर्ता रहा है।

इस बीच, अमेरिकी विदेश विभाग ने स्पष्ट किया है कि वह लैटिन अमेरिका में चीन की बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव (बीआरआई) से जुड़ी परियोजनाओं के लिए किसी भी तरह की फंडिंग का विरोध करेगा।

चीन की विमान कंपनियों ने नेपाल का कानून मानने से क्या इनकार, सरकार को नहीं देतीं टैक्स

काठमांडू, (एजेंसी) :चीन की विमान कंपनियां नेपाल के नियम कानून को नहीं मानती हैं। नेपाल आने वाले सभी विमानों की कंपनियां यहां की सरकार को टैक्स देती हैं, लेकिन चीन की कोई भी एयरलाइंस नेपाल सरकार को टैक्स नहीं देती हैं।

नेपाल के ऑडिटर जनरल ने बीते दिनों अपनी वार्षिक रिपोर्ट सार्वजनिक की है। इसमें नेपाल में उड़ान भरने वाले चार चीनी एयरलाइंस कंपनियों के द्वारा सरकार के तरफ से निर्धारित टैक्स को नहीं देने पर सवाल खड़े किए हैं। सरकार को सौंपी गई इस रिपोर्ट के मुताबिक एयर चाइना, साउदर्न चाइना एयरलाइंस, चाइना ईस्टर्न एयरलाइंस और सिचुवान एयरलाइंस ने नेपाल सरकार के द्वारा निर्धारित टैक्स नहीं दिया है।

ऑडिटर जनरल की रिपोर्ट में इस बात का भी उल्लेख है कि इन चारों चीनी एयरलाइंस कंपनियों से अन्य विदेशी एयरलाइंस की तरह टैक्स वसूला जाए। इसके मुताबिक दिसंबर 2024 तक इन चार चीनी एयरलाइंस कंपनी ने नेपाल सरकार को टैक्स नहीं देने से करीब 400 करोड़ रुपए का घाटा हुआ है। उन्होंने नेपाल सरकार को जल्द से जल्द टैक्स लेने अन्यथा इन विमान कंपनियों की सेवा सुविधा को बंद करने को कहा है।वित्त मंत्रालय में राजस्व सचिव रहे दिनेश घिमिरे ने शनिवार को कहा कि मंत्रालय के तरफ से बार बार चारों चीनी एयरलाइंस कंपनियों को टैक्स देने को लेकर पत्राचार किया गया, लेकिन उनके तरफ से कोई जवाब नहीं मिला है। उन्होंने कहा कि शुरूआत में तो चीनी राजदूत ने मंत्रालय में आकर टैक्स नहीं देने की बात की थी। चीनी राजदूत का कहना था कि चीन सरकार का नियम है विश्व में कहीं भी किसी भी एयरपोर्ट पर लैंड करने और उड़ान करने के लिए अतिरिक्त टैक्स या वैल्यू एडेड टैक्स नहीं देना पड़ता है। फिर नेपाल में क्यों दिया जाए.राजस्व सचिव ने बताया कि जब दुनिया की सारी एयरलाइंस कंपनिया नेपाल के नियम कानून का सम्मान करते हुए यह टैक्स देती हैं तो चीन की एयरलाइंस कंपनी को भी देना चाहिए। वित्त मंत्रालय की तरफ से नागरिक उड्डयन मंत्रालय को इनकी सेवा सुविधा को बंद कर लाइसेंस रद्द करने की भी सिफारिश की गई है, लेकिन राजनीतिक कमजोरी के कारण उस पर अमल नहीं किया जा रहा है।

व्हाइट हाउस में लश्कर के संदिग्ध आतंकी की एंट्री, बनाया गया बोर्ड सदस्य

वाशिंगटन, (एजेंसी) : अमेरिका के व्हाइट हाउस में एक ऐसे व्यक्ति की तैनाती हो गई है, जो कि लश्कर का संदिग्ध आतंकवादी रहा है। व्हाइट हाउस की एडवाइजरी बोर्ड आफ ले लीडर्स में इस संदिग्ध इस्लामिक आतंकवादी को शामिल किया गया है। इन नियुक्तियों ने जहां भारत के साथ ही अंतर्राष्ट्रीय जगत में चिंता पैदा कर दी है, वहीं दक्षिणपंथी कार्यकर्ता लारा लूमर भी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ट ट्रम्प के प्रशासन से खासे खफा हैं।

दरअसल अमेरिका प्रशासन ने बीते व्हाइट हाउस की एडवाइजरी बोर्ड आफ ले लीडर्स का गठन किया। इसमें इस्माइल रायर और मुस्लिम स्कालर शेख हमजा यूसूफ को भी नामित किया गया। कथित तौर पर इस्माइल रायर के इस्लामी जिहादियों से संबंध रहे हैं। दावा है कि इस्माइल रायर पहले रेंडेल रायर के नाम से जाना जाता था। कथित तौर पर इसके संबंध पाकिस्तान के आतंकवादी संगठन लश्कर-ए-तैयबा से रहे हैं। आरोप है कि रायर ने वर्ष 2000 में पाकिस्तान में हुए लश्कर के ट्रेनिंग सेंटर में भाग लिया था और कश्मीर में आतंकी गतिविधियों में भी शामिल रहा है। दूसरे नामित सदस्य शेख हमजा यूसूफ मुस्लिम स्कालर होने के साथ ही जायतूना कालेज के सह संस्थापक हैं। उन पर भी कथित तौर पर इस्लामिक कट्टरपंथियों से संबंध रखने के आरोप हैं।

दक्षिणपंथी कार्यकर्ता लारा लूमर ने इस्माइल रायर की तैनाती पर खासी नाराजगी व्यक्त की है। उन्होंने इसे अमेरिकी प्रशासन का एक आत्मघाती कदम बताते हे कहा इस्माइल रायर लश्कर ए तैयबा के आतंकी कैंप में ट्रेनिग ले चुका है। उसने कश्मीर में भारतीय ठिकानों पर फायरिंग जैसी गतिविधियों में भी हिस्सा लिया। अमेरिका की अदालत ने भी 2004 में रायर को आतंकवादी गतिविधियों के लिए दोषी पाते हुए 20 साल की सजा सुनाई थी। इसमें उसने 13 साल जेल में बिताए हैं। रायर ने वर्ष 2003 में मिडिल ईस्ट फोरम के साथ एक इंटरव्यू में कबूल किया था कि मुझे लश्कर के लोग पसंद आए। यह एक चरमपंथी समूह नहीं हैं।

फिलीस्तीन और मिस्त्र के राष्ट्रपतियों ने गाजा पर हमले को तुरंत रोकने की अपील की

बगदाद, (एजेंसी) : इराक की राजधानी बगदाद में आयोजित 34वें अरब लीग शिखर सम्मेलन के दौरान फिलीस्तीनी राष्ट्रपति महमूद अब्बास और मिस्त्र के राष्ट्रपति अब्देल-फत्ताह अल-सीसी ने गाजा पट्टी में इस्त्राइली सैन्य अभियान को तत्काल और स्थायी रूप से समाप्त करने की पुरजोर अपील की।राष्ट्रपति अब्बास ने सम्मेलन को संबोधित करते हुए अरब देशों से आग्रह किया कि वे एक सामूहिक अरब योजना को अपनाएं, जिसका उद्देश्य इजराइली हमलों को रोकना और क्षेत्र में स्थायी शांति स्थापित करना हो। उन्होंने कहा कि, ह्वटिकाऊ शांति केवल इजराइली कब्जे की समाप्ति और फिलीस्तीनी जनता को उनके पूर्ण अधिकार मिलने के बाद ही संभव है।वहीं मिस्त्र के राष्ट्रपति अल-सीसी ने गाजा में बीते 19 महीनों से जारी ह्वव्यवस्थित अत्याचार और अमानवीय हिंसाह्व की कड़ी निंदा की। उन्होंने कहा कि यह हिंसा फिलीस्तीनी जनसंख्या को ₹मिटाने₹ का प्रयास है।

19 May Page 9_Page 3.qxd 5/18/2025 9:25 PM Page 1

फिंच का बयान: नाइटराइडर्स अपनी खराब हालत के लिए खुद जिम्मेदार हैं, केकेआर प्लेऑफ से बाहर

बेंगलुरु, (एजेंसी) : कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) का प्लेऑफ में पहुंचना अब नामुमकिन हो गया है, क्योंकि रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के खिलाफ उनका मैच बारिश के कारण रद्द हो गया। पूर्व ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर आरोन फिंच का मानना है कि अपनी इस हालत के लिए खुद केकेआर ही जिम्मेदार है।

शनिवार का मैच केकेआर के लिए बहुत जरूरी था। अगर वे अपने दोनों बचे हुए मैच जीतते, तो उनके 15 अंक हो सकते थे। साथ ही, उन्हें बाकी मैचों के नतीजों में भी मदद की जरूरत थी और नेट रन रेट भी बेहतर करना था।

लेकिन बारिश की वजह से मैच रद्द होने पर उन्हें सिर्फ 1 अंक मिला। अब उनके 13 मैचों में कुल 12 अंक ही हैं।

फिंच ने जियोहॉटस्टार पर कहा, ₹केकेआर की शुरूआत ही अच्छी नहीं हुई। आंद्रे रसेल जैसे मैच जिताने वाले खिलाड़ी को ज्यादातर मैचों में नीचे के क्रम में भेजा गया, जिससे उन्हें मैच पर प्रभाव डालने का पूरा मौका नहीं मिला। टीम की हार के लिए केकेआर खुद ही जिम्मेदार हैं।

फिंच ने 7 मई को चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ हार को अहम बताया। उस मैच में केकेआर ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 179 रन बनाए थे। वह स्कोर उस पिच पर अच्छा माना जा रहा था। लेकिन चेन्नई ने जोर लगाकर वह मैच जीत लिया और केकेआर की प्लेऑफ की उम्मीदों को बड़ा झटका लगा।

फिंच बोले, ₹वह मैच तो केकेआर के हाथ में था, फिर भी वे नहीं जीत पाए। इस तरह के कई मौके पूरे टूनामेंट में आए जहां केकेआर की टीम एकजुट होकर नहीं खेल सकी।₹

जहां केकेआर प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो गई, वहीं आरसीबी को 1 अंक मिलने से अब वह 12 मैचों में 17 अंकों के साथ तालिका में सबसे ऊपर है।

केकेआर अब अपना आखिरी लीग मैच 25 मई को सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ खेलेगी।

आईपीएल 2025 में रविवार को डबल हेडर के तहत दो मैच खेले जाने हैं। दोपहर को पहला मैच राजस्थान रॉयल्स और पंजाब किंग्स के बीच होगा। यह मैच जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम में खेला जाएगा। दूसरा मैच शाम में दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में दिल्ली कैपिटल्स और गुजरात टाइटंस के बीच होगा।

मेघालय में अंतर-जिला स्थानांतरण प्रक्रिया की अंतिम तिथि 24 मई तक, राज्य फुटबॉल संघ ने की घोषणा

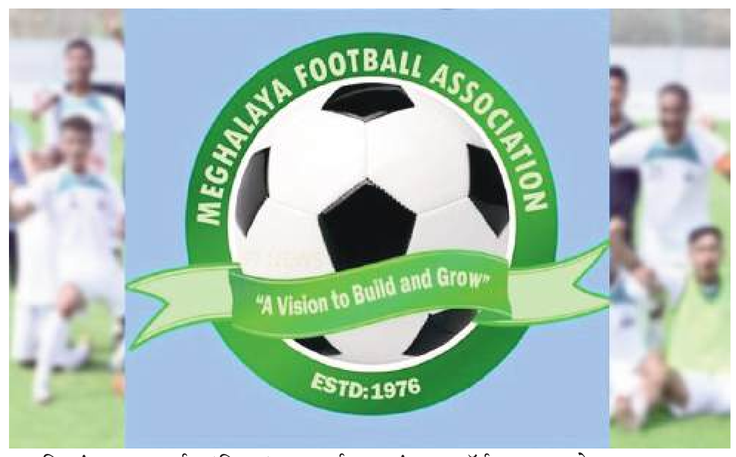

शिलांग, 18 मई (हि.स.)। मेघालय फुटबॉल एसोसिएशन ने राज्य में फुटबॉल खिलाड़ियों के लिए अंतर-जिला स्थानांतरण 2025 की समय सीमा 24 मई तक बढ़ाने का निर्णय लिया है।

एक बयान में, मेघालय फुटबॉल एसोसिएशन (एमएफए) के अध्यक्ष हैमिल्टनसन डोहलिंग और महासचिव सुनेश सीएम ने कहा कि एमएफए ने खिलाड़ियों के स्थानांतरण को पूरा करने के लिए पूर्ण स्थानांतरण फॉर्म जमा करने और रजिस्टर पर हस्ताक्षर करने की अंतिम तिथि 17 मई तय की थी। लेकिन, एमएफए अधिकारियों ने खिलाड़ियों और क्लबों की सुविधा के लिए समय सीमा को एक सप्ताह बढ़ाने का निर्णय लिया है।

बयान में कहा गया है कि गुलाबी रंग के फॉर्म संबंधित खिलाड़ी की तस्वीर के साथ एमएफए कार्यालय में जमा किए जाने चाहिए, सफेद फॉर्म जिला संघ द्वारा रखे जाएंगे और पीले फॉर्म क्लब द्वारा रखे जाएंगे। बयान में कहा गया है कि संबंधित खिलाड़ी की फोटो के बिना कोई भी फॉर्म स्वीकार नहीं किया जाएगा।बताया कि स्थानांतरण को पूरा करने के लिए खिलाड़ियों को एमएफए कार्यालय में व्यक्तिगत रूप से रजिस्टर पर हस्ताक्षर करना होगा और उस समय एक हजार रुपये का स्थानांतरण शुल्क जमा करना होगा। यह प्रक्रिया 24 मई तक रविवार को छोड़कर सभी कार्य दिवसों पर दोपहर 3 बजे से शाम 5 बजे तक जारी रहेगी। हस्ताक्षर होने के बाद, स्थानांतरण को अंतिम रूप दिया जाएगा और एमएफए अधिकारी सभी संबद्ध जिला संघों को खिलाड़ियों के स्थानांतरण की अंतिम सूची प्रकाशित करेंगे।

उप्र राज्य स्तरीय आर्म रेसलिंग प्रतियोगिता में ओवरऑल चैम्पियन बनी मुरादाबाद की टीम का हुआ स्वागत

मुरादाबाद,(एजेंसी) :उत्तर प्रदेश राज्य स्तरीय आर्म रेसलिंग प्रतियोगिता में ओवरऑल चैम्पियन बनी मुरादाबाद की टीम का रविवार को स्वागत अभिनंदन समारोह हुआ।उत्तर प्रदेश आर्म रेसलिंग एसोसिएशन के सचिव शाहवेज अली ने रविवार को बताया कि आर्म रेसलिंग एसोसिएशन ऑफ उत्तर प्रदेश के अंतर्गत आर्म रेसलिंग एसोसिएशन ऑफ लखनऊ द्वारा 14-15 मई को लखनऊ के चौक स्थित नेहरू युवा केंद्र में दो दिवसीय उत्तर प्रदेश राज्य स्तरीय आर्म रेसलिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें उत्तर प्रदेश के 20 जिलों के 250 से अधिक खिलाड़ियों ने प्रतिभाग किया।जिसमें मुरादाबाद, कानपुर, लखनऊ, बलिया, सहारनपुर, महराजगंज, गोरखपुर, सीतापुर, बस्ती, मुजफ्फरनगर, वाराणसी, गोंडा आदि जिलों के खिलाड़ियों ने अपनी प्रतिभा दिखाई। इस प्रतियोगिता में मुरादाबाद जिले के टाइनी टोट्स, मॉडर्न पब्लिक स्कूल, आर एस डी एकेडमी पब्लिक स्कूल, मिलेनियम वर्ल्ड स्कूल, स्प्रिंगफील्ड कॉलेज, एस एस चिल्ड्रेन एकेडमी आदि के 26 खिलाड़ियों ने प्रतिभाग किया।

जिला आर्म रेसलिंग संघ के सचिव मोहित चौधरी ने बताया कि प्रतियोगिता में मुरादाबाद की टीम ने प्रथम स्थान प्राप्त किया है। जिसमें सब जूनियर बालक वर्ग राइट हैंड से अंडर 40 किलोग्राम भार वर्ग में योग प्रकाश ने स्वर्ण पदक, अंडर 55 किलो वर्ग में यथार्थ शर्मा ने स्वर्ण पदकऔर यश सैनी ने कांस्य पदक जीता।जूनियर बालक वर्ग राइट हैंड से अंडर 50 किलोग्राम वर्ग में जैन मलिक ने कांस्य पदक, अंडर 55 किलोग्राम भार वर्ग में आर्यन त्यागी ने कांस्य, अंडर 60 किलोग्राम में आर्यन शर्मा ने स्वर्ण पदक, अंडर 70 किलो में अक्षय सिंह कांस्य पदक जीता, ओवर 80 किलो में आदित्य कुमार ने स्वर्ण पदक व शुभांग सिंह ने कांस्य पदक जीता।लेफ्ट हैंड बालक वर्ग में दिव्य, रतनजीत, मोहरीज ने कांस्य पदक जीता। सब जूनियर बालिका वर्ग अंडर 40 किलो में वरदा फातिमा ने स्वर्ण, अंडर 45 किलो में अनुष्का राज सिंह ने स्वर्ण पदक जीता। जूनियर बालिका वर्ग अंडर 45 किलो में आशिता सिंह ने स्वर्ण पदक, अंडर 55 किलो में जन्नत निशा ने स्वर्ण पदक, अंडर 65 किलो में सुहानी ने स्वर्ण पदक जीता।

आईपीएल 2025: बेंगलुरु-कोलकाता मुकाबला बिना टॉस के रद्द, प्लेऑफ की रेस से बाहर हुई केकेआर

बेंगलुरु, (एजेंसी) :इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के 58वें मुकाबले में क्रिकेट प्रेमियों को मायूसी का सामना करना पड़ा। एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) और कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के बीच मुकाबला बारिश की भेंट चढ़ गया। लगातार बारिश के कारण टॉस भी संभव नहीं हो सका और अंततः अंपायरों ने रात्रि 10:24 बजे मैच रद्द करने का निर्णय लिया।बारिश से मुकाबला रद्द होने के चलते दोनों टीमों को 1-1 अंक दिए गए। इस परिणाम ने आरसीबी को 17 अंकों के साथ अंक तालिका में शीर्ष पर पहुंचा दिया, जबकि कोलकाता की प्लेऑफ की उम्मीदों पर पूर्णविराम लग गया। केकेआर 13 मैच में 12 अंक तक ही पहुंच सकी।एक ओर बेंगलुरु की टीम 17 अंकों के साथ शीर्ष चार में जगह बनाने के काफी करीब पहुंच गई है। हालांकि उसकी प्लेऑफ में जगह पक्की नहीं हुई है, क्योंकि चार टीमों के पास अब भी 17 या उससे अधिक अंक अर्जित करने का मौका है।

वहीं, डिफेंडिंग चैंपियन कोलकाता नाइट राइडर्स के लिए मैच रद्द होने के बाद मिले एक अंक से करारा झटका लगा है।

टीम केकेआर में रोवमैन की जगह शिवम शुक्ला का आगमन

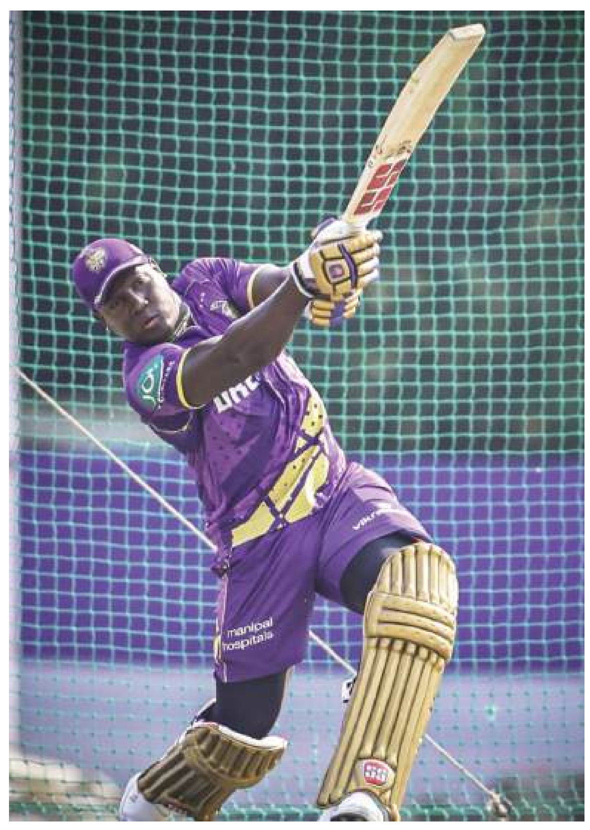

कोलकाता, (एजेंसी) :गत विजेता कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) ने आईपीएल 2025 के शेष मैचों के लिए वेस्टइंडीज के ऑलराउंडर रोवमैन पॉवेल की जगह मध्य प्रदेश के मिस्ट्री स्पिनर शिवम शुक्ला को शामिल किया है, जिसकी घोषणा रविवार को फ्रेंचाइजी ने की।

यह कदम इस बात की पुष्टि के बाद उठाया गया है कि पॉवेल, इंग्लैंड के मोईन अली के साथ, चिकित्सा समस्याओं के कारण शेष सत्र के लिए वापस नहीं आएंगे। केकेआर ने एक बयान में कहा, ₹रोवमैन एक प्रक्रिया से गुजर रहे हैं,₹ क्योंकि आईपीएल 2025 का सत्र थोड़े समय के निलंबन के बाद शनिवार को फिर से शुरू हुआ।

29 वर्षीय शुक्ला को घरेलू स्तर पर सीमित अनुभव है, उन्होंने केवल एक सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी सत्र खेला है, जिसमें उन्होंने बंगाल के खिलाफ 4-29 के प्रदर्शन सहित कई मैचों में आठ विकेट लिए थे। उन्होंने हाल ही में मध्य प्रदेश प्रीमियर लीग में सुर्खियां बटोरीं, जहां वे टूनार्मेंट में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज रहे, उन्होंने 10 विकेट लिए, जिसमें एक बार पांच विकेट लेना भी शामिल है।

एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ बारिश के कारण केकेआर का खिताब बचाने का अभियान जल्दी ही समाप्त हो गया, क्योंकि शनिवार को भारत-पाकिस्तान सीमा तनाव के कारण कुछ समय के लिए स्थगित हुए आईपीएल 2025 सीजन को फिर से शुरू किया गया।

हालांकि, संशोधित शेड्यूल की कीमत चुकानी पड़ी है, क्योंकि कई विदेशी सितारे अंतरराष्ट्रीय ड्यूटी और व्यक्तिगत कारणों से शेष सीजन के लिए उपलब्ध नहीं हैं, जिससे प्लेऑफ की दौड़ में टीम संयोजन प्रभावित हो सकते हैं।

बारिश के कारण आईपीएल 2025 की पॉइंट टेबल पर काफी असर पड़ा। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) 12 मैचों में 17 अंकों के साथ गुजरात टाइटन्स (11 मैचों में 16 अंक) और पंजाब किंग्स (11 मैचों में 15 अंक) को पछाड़कर शीर्ष पर पहुंच गई, हालांकि गुजरात टाइटन्स और पंजाब किंग्स दोनों के पास अभी भी एक-एक गेम बचा है।

केकेआर का अगला मुकाबला 25 मई को अरुण जेटली स्टेडियम में सनराइजर्स हैदराबाद से होगा।

फुटबॉल : महिला टीम की खिलाड़ियों से मिले पुरुष टीम के कप्तान सुनील छेत्री, किया प्रेरित

बेंगलुरु, (एजेंसी) :भारतीय पुरुष फुटबॉल टीम के कप्तान सुनील छेत्री ने भारतीय महिला फुटबॉल टीम के बेंगलुरु स्थित शिविर का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने अगले महीने होने वाले एएफसी महिला एशियाई कप 2026 क्वालीफायर के लिए तैयारी कर रहीं महिला टीम की खिलाड़ियों से बात की और उन्हें प्रेरित किया। इस दौरान खिलाड़ियों की ओर से सुनील छेत्री को टीम के सभी सदस्यों द्वारा हस्ताक्षरित एक जर्सी भी भेंट की गई।

सीनियर महिला राष्ट्रीय टीम वर्तमान में बेंगलुरु में पादुकोण-द्रविड़ सेंटर फॉर स्पोर्ट्स एक्सीलेंस में प्रशिक्षण ले रही है। टीम 29 मई और 3 जून को उज्बेकिस्तान के खिलाफ दो फीफा महिला अंतरराष्ट्रीय मैत्री मैच भी खेलेगी।

ऑल इंडिया फुटबॉल फेडरेशन ने रविवार को बताया कि यह पहली बार नहीं था कि छेत्री महिला टीम के खिलाड़ियों से मिलने आए, लेकिन उन्होंने शिविर में कई नए चेहरों को देखकर आश्चर्य व्यक्त किया। छेत्री ने कहा कि यह एक अद्भुत अनुभव था। पिछली बार जब मैं इस टीम से मिला था, तब से अब बहुत ज्यादा पुराने चेहरे नहीं बचे हैं, जो बताता है कि मैं कितना बूढ़ा हो गया हूं। बहुत सारे युवा खिलाड़ी हैं और मुझे उनके बारे में मुख्य कोच से बहुत अच्छी प्रतिक्रिया मिली है।

उन्होंने कहा कि हर कोई खुश नजर आ रहा था। उन्हें उज्बेकिस्तान के खिलाफ कुछ अच्छे दोस्ताना मैच खेलने हैं और फिर एशियाई कप क्वालीफायर्स खेलने हैं। मैं उन्हें शुभकामनाएं देता हूं। मैं बस यही चाहता हूं कि वे खुश रहें, एक-दूसरे के साथ सहज महसूस करें और अपनी ट्रेनिंग का आनंद लें।

ग्रुप बी में शामिल भारतीय महिला टीम अपना एएफसी महिला एशियाई कप 2026 क्वालीफाइंग अभियान 23 जून को थाईलैंड के चियांग माई में मंगोलिया के खिलाफ शुरू करेगी, जिसके बाद वो तिमोर-लेस्ते (29 जून), इराक (2 जुलाई) और मेजबान थाईलैंड (5 जुलाई) से खेलेंगे।

प्रशंसकों ने सफेद कपड़ों से किया यादगार इशारा, मांजरेकर ने किया

बेंगलुरु, (एजेंसी) : पूर्व भारतीय क्रिकेटर संजय मांजरेकर ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और कोलकाता नाइट राइडर्स के बीच आईपीएल मैच के दौरान प्रशंसकों द्वारा की गई दिल को छू लेने वाली श्रद्धांजलि की सराहना की, जहां प्रशंसक टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद विराट कोहली को सम्मानित करने के लिए एकत्र हुए थे।

शनिवार शाम को बेंगलुरु का एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम सफेद रंग के समुद्र में तब्दील हो गया, क्योंकि प्रशंसकों ने कोहली के शानदार टेस्ट करियर को श्रद्धांजलि देने के लिए प्रतिष्ठित नंबर 18 वाली सफेद जर्सी पहनी थी। हार्दिक इशारा एक विनम्र प्रशंसक अभियान के रूप में शुरू हुआ - एक साधारण सोशल मीडिया पोस्ट जिसमें रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के समर्थकों से आरसीबी बनाम केकेआर मुकाबले में विराट कोहली की सफेद जर्सी पहनने का आग्रह किया गया, जो हाल ही में टेस्ट क्रिकेट से उनके संन्यास के सम्मान में था। एक छोटे से विचार के रूप में शुरू हुआ यह विचार जल्द ही एक शक्तिशाली आंदोलन में बदल गया, क्योंकि प्रशंसक एक ऐसे खिलाड़ी की विरासत का जश्न मनाने के लिए एकजुट हुए, जिसने लाल गेंद के खेल को अपना सब कुछ दे दिया।

मांजरेकर ने जियोहॉटस्टार पर कहा, ₹विराट कोहली के लिए प्रशंसकों का जो प्यार है, वह कुछ खास है। यह एक आईपीएल नाइट मैच था, और प्रशंसक भारतीय क्रिकेट इतिहास के एक पल को याद करने के लिए सफेद कपड़े पहने हुए आए थे। यह एक सुंदर इशारा है। पांच साल तक, उन्होंने टेस्ट क्रिकेट को देखने लायक और अधिक लोकप्रिय बनाया। हम अक्सर कहते हैं कि कोई भी खिलाड़ी खेल से बड़ा नहीं है, लेकिन ऐसे समय में जब टेस्ट क्रिकेट प्रशंसकों को आकर्षित करने के लिए संघर्ष कर रहा था, विराट ने इसे वह ध्यान दिया जिसकी इसे सख्त जरूरत थी।₹

उन्होंने कहा, ₹वह अभी भी आईपीएल में खेल रहे हैं, लेकिन उनमें हमेशा टेस्ट क्रिकेट को जीवित रखने की इच्छा थी। एक कप्तान के रूप में, मैंने कभी भी ऐसा भारतीय टेस्ट कप्तान नहीं देखा, जो टीम के अच्छा प्रदर्शन न करने या चीजें खराब होने पर भी तीव्रता को इतना ऊंचा बनाए रखने में कामयाब रहा हो। यह अपने आप में एक विरासत है।

शनिवार का मैच, जो एक सप्ताह के ब्रेक के बाद आईपीएल 2025 की बहाली को चिह्नित करता है, विराट कोहली की सोशल मीडिया पोस्ट के माध्यम से टेस्ट क्रिकेट से संन्यास की घोषणा करने के बाद पहली उपस्थिति थी।

हालांकि, लगातार बारिश के कारण मैच को बिना एक भी गेंद फेंके रद्द कर दिया गया। दोनों टीमों को एक-एक अंक दिया गया, और इसके साथ ही आरसीबी 12 मैचों में 17 अंकों के साथ अंक तालिका में शीर्ष पर पहुंच गई और प्लेऑफ में अपनी जगह पक्की करने के करीब पहुंच गई, जबकि केकेआर 13 मैचों में 12 अंकों के साथ प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो गई।

अमेरिका में खेलेंगे ताईक्वांडो खिलाड़ी व प्रयागराज में तैनात सिपाही ऋषी राय

विश्व पुलिश गेम्स के लिए भारतीय ताइक्वांडो टीम में गैबिपुर के ऋषी राय का हुआ चयन

प्रयागराज,(एजेंसी) : उत्तर प्रदेश पुलिस विभाग के प्रयागराज पुलिस तैनात सिपाही ऋषी राय 22 जून से 7 जूलाई तक अमेरिका के बर्मिंघम स्थित अलबामा में इस वर्ष आयोजित होने वाले विश्व पुलिस गेम्स में खेलने जाएंगे। यह जानकारी रविवार को हिन्दुस्थान समाचार एजेंसी के प्रतिनिधि से अनौपचारिक मुलाकात में ताईकांडो खिलाड़ी ऋषी राय ने दी।

प्रयागराज पुलिस लाइंस में तैनात सिपाही गौतम स्पोर्ट्स अकादमी में प्रशिक्षित ऋषी राय उत्तर प्रदेश के गाजीपुर जनपद के सैदपुर गांव निवासी है। वह पुलिस विभाग में खेल कोटे से सिपाही के पद पर नियुक्त हुए है। उनकी खेल के प्रति लगन ने विश्व पुलिस गेम्स के लिए भारतीय टीम में चयन हो गया ।

उन्होंने बताया कि आगामी 27 जून से 7 जुलाई तक अमेरिका के बर्मिंघम स्थित अलबामा में इस वर्ष विश्व पुलिश गेम्स का आयोजन होने जा रहा है जिसके लिए भारतीय पुलिस गेम्स में खेले जाने वाले विभिन्न खेलों के खिलाड़ियों का चयन किया गया है । इसमें गाजीपुर के लाल और ताईक्वांडो खिलाड़ी ऋषी राय का चयन भारतीय ताईक्वांडो टीम में किया गया है जो अमेरिका में जुटने जा रहे विश्व के तमाम देशों के पुलिस खिलाड़ियों के समक्ष पुरुषों के 68किग्रा में भारत का नेतृत्व करेंगे।

वहीं ऋषी राय के कोच व गौतम स्पोर्ट्स अकादमी के प्रबन्ध निदेशक अमित कुमार सिंह ने बताया कि ऋषी वर्ष 2016 में मेरे संपर्क में आए और उनके अनुशाषित दिनचर्या व ताईक्वांडो खेल के प्रति सच्ची निष्ठा भावना ने मुझे प्रभावित किया । कोच ने बताया कि ऋषी के नाम दर्जनों राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय पदक हैं । इनके शानदार खेल के प्रदर्शन को देखते हुये राज्य सरकार के खेल कोटे से ऋषी राय को वर्ष 2023 में उत्तर प्रदेश पुलिस में भर्ती कर लिया गया है । भर्ती के पश्चात भी ऋषी के प्रशिक्षण व दिनचर्या में कोई बदलाव नही आया है और विगत वर्ष जून में गुवाहाटी(असम) में आयोजित नवीं अखिल भारतीय पुलिश गेम्स में भी बी.एस. एफ., सी.आर.पी.एफ. और आई.टी.बी.पी. जैसे टीमों को हरा कर स्वर्ण पदक जीता और राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं का अपना दबदबा यहां भी बनाए रखा । इस अद्वितीय प्रदर्शन को देखते हुये अखिल भारतीय पुलिस स्पोर्ट्स कंट्रोल बोर्ड नई दिल्ली के उच्चाधिकारियों ने वर्ल्ड पुलिस गेम्स के लिए ऋषी राय का चयन भारतीय दल में कर लिया है । इस अवसर पर ऋषी राय को उत्तर प्रदेश के पुलिस महानिदेशक (डी.जी.पी.) प्रशांत कुमार ने पुलिस मुख्यालय लखनऊ में संम्मानित किया , इस अवसर पर मुख्य अतिथि भूतपूर्व महान क्रिकेटर कपिल देव ने ऋषी राय को प्रतीक चिन्ह प्रदान किया और विश्व दौरे के लिए शुभकामनाएं दीं । इधर विश्व पुलिस गेम्स के लिए भारतीय टीम में ऋषी के चयन की खबर पाते ही गौतम स्पोर्ट्स अकादमी गैबिपुर में साथी खिलाड़ियों व अकादमी के सदस्यों में खुशी की लहर दौड़ पड़ी , सभी ने एक दूसरे को मिठाईयां खिलाकर बधाइयाँ दीं , गाजीपुर ताईक्वांडो एसोसिएशन के चेयरमैन डा.मुकेश सिंह ने कहा कि जनपद वापसी पर ऋषी राय को सम्मानित किया जाएगा ।

19 May Page 10_Page 3.qxd 5/18/2025 10:25 PM Page 1

संक्षिप्त खबरें

आईएसआई के निमंत्रण पर गौरव गोगोई पाकिस्तान गए थे : मुख्यमंत्री

गुवाहाटी, (एजेंसी) : असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्व सरमा ने कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई को लेकर एक बार फिर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने रविवार को पत्रकारों से बातचीत करते हुए दावा किया कि गोगोई पाकिस्तान सरकार के गृह मंत्रालय और वहां की खुफिया एजेंसी आईएसआई के निमंत्रण पर पाकिस्तान गए थे।

मुख्यमंत्री ने कहा, ₹गौरव गोगोई को पाकिस्तान सरकार के गृह विभाग की ओर से निमंत्रण दिया गया था। उन्होंने यह निमंत्रण स्वीकार कर पाकिस्तान की यात्रा की थी। इस संबंध में सभी दस्तावेज और तथ्य सामने लाए जाएंगे। यदि गौरव गोगोई सांस्कृतिक मंत्रालय या विदेश मंत्रालय के आमंत्रण पर गए होते तो भी बात अलग होती।

सरमा ने कांग्रेस पर विदेशी एजेंसियों से संबंध रखने का आरोप लगाते हुए कहा कि जो नेता देश विरोधी तत्वों से संबंध रखते हैं, उन्हें जनता पहचान चुकी है। उन्होंने कहा, गोगोई और पाकिस्तान की एजेंसी के बीच जो भी संबंध हैं, यह केवल एक राजनीतिक मुद्दा नहीं है, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ा मामला है।

उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री पहले भी ऐसे बयान दे चुके हैं, हालांकि गौरव गोगोई और कांग्रेस पार्टी इन आरोपों को सिरे से खारिज कर चुकी है।

मेघालय : सोशल मीडिया पर भारत विरोधी पोस्ट करने के आरोप में दो गिरफ्तार

शिलांग, (एजेंसी) : सोशल मीडिया पर भारत विरोधी सामग्री पोस्ट करने के आरोप में मेघालय पुलिस ने दो पाकिस्तान प्रेमियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किये गये दोनों उत्तर गारो पहाड़ जिले के निवासी हैं।

शिलांग स्थित राज्य पुलिस मुख्यालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि जिला प्रशासन द्वारा 15 मई को दर्ज कराई गई प्राथमिकी के आधार पर उनके खिलाफ मामला दर्ज किया था। शनिवार को उत्तर गारो पहाड़ जिले के बाझेंगडोबा थाना अंतर्गत दो गांवों में छापेमारी कर दोनों को गिरफ्तार किया गया।

उन्होंने फेसबुक पर एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें वे गारो भाषा में भारत के खिलाफ नारे लगाते और पाकिस्तान का समर्थन करते नजर आए। हालांकि, वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने गिरफ्तार किए गए दोनों लोगों के नाम सार्वजनिक नहीं किया हैं।

उन्होंने बताया कि इससे पहले, पहलगाम में आतंकवादी हमले के एक सप्ताह बाद, पूर्वी खासीपहाड़ जिले में एक व्यक्ति को अपने फेसबुक पेज पर कथित रूप से आपत्तिजनक टिप्पणी करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था।

हैदराबाद को दहलाने की कोशिश नाकाम, दो गिरफ्तार

हैदराबाद, (एजेंसी) : पुलिस ने हैदराबाद को दहलाने की आईएसआईएस की योजना का भंडाफोड़ कर दो लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस का दावा है कि सऊदी अरब से आईएसआईएस मॉड्यूल ने इन लोगों को निर्देश दिए थे। पुलिस इन दोनों से पूछताछ कर रही है।

पुलिस को सूचना मिली थी कि आतंकी गतिविधि में शामिल कुछ स्लीपर सेल के सदस्य हैदराबाद शहर में धमाके करने की योजना बना रहे हैं। इसके बाद आंध्र प्रदेश और तेलंगाना पुलिस ने संयुक्त अभियान चलाया। पुलिस ने धमाकों की योजना बनाने वाले आईएसआईएस मॉडल के अभियान विफल करते हुए रविवार को दो लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आंध्र प्रदेश के विजयनगरम से सिराज और हैदराबाद से समीर को गिरफ्तार किया है। पुलिस इनसे पूछताछ कर रही है।

पुलिस का दावा है कि सिराज ने विजयनगरम में विस्फोटक खरीदे थे और वह समीर के साथ मिलकर हैदराबाद में धमाकेकी योजना बना रहे थे। जांच के दौरान पुलिस को पता चला कि आईएसआईएस मॉड्यूल ने सऊदी अरब से सिराज और समीर को धमाके करने के आदेश दिए थे।

लिक्विडेशन में गई पैक्स का जल्द निपटारा कर नए रजिस्ट्रेशन के लिए नीति बनेगी : अमित शाह

अहमदाबाद, (एजेंसी) : केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि देश में 2029 तक सभी पंचायत में पैक्स रजिस्ट्रेशन हो और 2 लाख नई सेवा सहकारी मंडलियों और डेयरियों को रजिस्ट्रेशन कराने का अभियान चलाया गया है। परंतु, यह पैक्स पहले की तरह बीमार नहीं हो, इसके लिए 22 प्रकार की गतिविधियों को पैक्स से जोड़ने का काम केन्द्र सरकार ने किया है। विश्वास है कि आगामी दिनों में एक भी पैक्स आर्थिक रूप से बीमार नहीं होंगे। इसके अलावा जल्द ही केन्द्र सरकार लिक्विडेशन में गई पैक्स का जल्द निपटारा कर इनकी जगह नए पैक्स के रजिस्ट्रेशन के लिए नीति लाएगी।

अमित शाह रविवार को अहमदाबाद के सोला स्थित साइंस सिटी में गुजरात राज्य सहकारी संघ की ओर से आयोजित विकसित भारत के निर्माण में सहकारिता की भूमिका महा सम्मेलन में बोल रहे थे। इसमें देशभर के करीब 4 हजार सहकारी अग्रणी शामिल हुए। इस महा सम्मेलन में देश के सहकारी क्षेत्र में हुई 57 नई पहल और प्राकृतिक खेती के संबंध में भी चर्चा होगी।इससे पूर्व केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि यूनाइटेड नेशन ने वर्ष 2025 को अंतरराष्ट्रीय सहकारिता वर्ष के रूप में मनाने का निर्णय किया है। सहकारिता समग्र विश्व के अंदर आज इतनी प्रासंगिक है जितना 1919 वर्ष के दौरान था। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में वर्ष 2021 से भारत में सहकारी आंदोलन को पुनर्जीवित करने का बहुत बड़ा प्रयास यहां से शुरू हुआ। इसका अनुमोदन करने के लिए देश के अंदर सहकारिता वर्ष मनाने की शुरूआत करने का निर्णय हुआ। इसके तहत दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में सम्मेलन हुआ जिसमें सहकार से समृद्धि और विकसित भारत में सहकारिता की भूमिका इन दोनों स्लोगन देश के सहकारिता नेताओं के समक्ष रखा गया।केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा कि आज गुजरात में सहकारिता सम्मेलन का आयोजन किया गया है। वर्ष 2021 से लेकर 2025 तक देश के सहकारिता के क्षेत्र में जो-जो परिवर्तन हुए, इसे वक्ताओं ने यहां रखा। परंतु, जब तक यह परिवर्तन नीचे पैक्स और पैक्स के सदस्यों और किसानों तक नहीं पहुंचता है, तब तक यह परिवर्तन भी सहकारी क्षेत्र को मजबूत नहीं कर सकता है।

असम से भाजपा सांसद दिलीप सैकिया 'संसद रत्न पुरस्कार-2025' से होंगे सम्मानित

गुवाहाटी/नई दिल्ली, (एजेंसी) : असम से भाजपा सांसद दिलीप सैकिया को उत्कृष्ट संसदीय कार्य प्रदर्शन के लिए प्रतिष्ठित संसद रत्न पुरस्कार 2025 से सम्मानित किया जाएगा। वह उन 17 सांसदों में शामिल हैं जिन्हें आगामी जुलाई के अंत में नई दिल्ली में आयोजित होने वाले 15वें संस्करण में यह पुरस्कार दिया जाएगा। इस वर्ष दो संसदीय समितियों को भी इस सम्मान से नवाजा जाएगा।

संसद रत्न पुरस्कार समिति ने रविवार को घोषणा की कि यह पुरस्कार सांसदों के विषय पर आधारित बहसें, पूछे गए प्रश्न और पेश किए गए निजी सदस्य विधेयकों जैसे मापदंडों के आधार पर उनकी निष्पक्ष संसदीय उपलब्धियों को मान्यता देता है।

यह पुरस्कार वर्ष 2010 में पूर्व राष्ट्रपति डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम के सुझाव पर शुरू किया गया था। नागरिक समाज की ओर से दिए जाने वाले इन सम्मानों का उद्देश्य संसदीय उत्कृष्टता को सम्मानित करना है।

इस वर्ष चार सांसदों को ‌ह्लसंसदीय लोकतंत्र में विशिष्ट एवं निरंतर योगदानह्व के लिए विशेष पुरस्कार भी प्रदान किए जाएंगे - जिनमें उड़ीसा से भाजपा सांसद भर्तृहरि माहताब, केरल से आरएसपी के एनके प्रेमचंद्रन, महाराष्ट्र से एनसीपी (एसपी) की सुप्रिया सुले और शिवसेना के श्रीरंग अप्पा बारणे शामिल हैं। ये सभी सांसद 16वीं और 17वीं लोकसभा में शीर्ष प्रदर्शनकर्ता रहे हैं और अब 18वीं लोकसभा में भी अपना उत्कृष्ट योगदान दे रहे हैं।

राज्यों की बात करें तो महाराष्ट्र सबसे आगे है जहां से सात सांसदों को यह पुरस्कार मिलेगा, जबकि उत्तर प्रदेश, झारखंड और राजस्थान से दो-दो तथा उड़ीसा, तमिलनाडु, केरल और असम से एक-एक सांसद चयनित हुए हैं।

इसके अलावा दो स्थायी संसदीय समितियों को भी सम्मानित किया जाएगा - जिनमें वित्त पर स्थायी समिति (अध्यक्ष : भर्तृहरि माहताब) और कृषि पर स्थायी समिति (अध्यक्ष : डॉ चरणजीत सिंह चन्नी) शामिल हैं।

पुरस्कारों का चयन करने वाली जूरी समिति की अध्यक्षता राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष हंसराज गंगाराम अहीर कर रहे हैं, जो 2010 में संसद रत्न पुरस्कार प्राप्त करने वाले पहले सांसद थे।

इन पुरस्कारों की शुरूआत से अब तक 14 संस्करणों में कुल 125 सांसदों को सम्मानित किया जा चुका है। यह पहल प्राइम प्वाइंट फाउंडेशन और ईमैगजीन प्रीसेंस द्वारा डॉ. कलाम के विजन के अनुरूप एक गैर-व्यावसायिक उपक्रम के रूप में चलाई जा रही है।

शरद पवार ने कहा- मैंने पीएमएलए संशोधनों का विरोध किया था

मुंबई, (एजेंसी) : राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा एसपी) के अध्यक्ष शरद पवार ने रविवार को कहा कि मैंने यूपीए सरकार के कार्यकाल में तत्कालीन केंद्रीय मंत्री पी चिदंबरम द्वारा प्रस्तावित धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) में किए गए संशोधनों की खिलाफत की थी। चिदंबरम ने यह कानून उनकी मर्जी वगैर लाया और सरकार बदलने के बाद इस संशोधन के पहले शिकार बने थे।

शरद पवार रविवार को शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत की नरकाचा स्वर्ग नामक मराठी पुस्तक विमोचन कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। शरद पवार ने मनी लॉन्ड्रिंग कानून में संशोधनों के खिलाफ आवाज उठाई थी और धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) में किए गए संशोधनों के सख्त खिलाफ हैं। पवार ने कहा कि अधिनियम में बदलाव से ऐसा हुआ कि यह जांच एजेंसी या सरकार की जिम्मेदारी होने के बजाय आरोपितों पर अपनी बेगुनाही साबित करने का भार डाल देता है। पवार ने कहा, संशोधन के तुरंत बाद, यूपीए सत्ता से बाहर हो गई और भाजपा ने अपनी सरकार बनाई। बदलावों के परिणाम आज दिखाई दे रहे हैं।

उल्लेखनीय है कि 2022 में राउत को गोरेगांव पश्चिम में पात्रा चॉल के विकास से जुड़े एक मामले में उनके कथित संबंधों के लिए ईडी ने गिरफ्तार किया था। बाद में एक विशेष पीएमएलए अदालत ने उनकी गिरफ्तारी को अवैध करार दिया, जिसके बाद शिवसेना यूबीटी नेता को जमानत पर रिहा कर दिया गया। तब तक राउत तीन महीने से अधिक जेल में बिता चुके थे।

रक्षा राज्य मंत्री 17वीं लंगकावी प्रदर्शनी में भाग लेने जाएंगे मलेशिया

नई दिल्ली, (एजेंसी) : रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ 20 से 24 मई तक मलेशिया के लंगकावी में आयोजित होने वाली लंगकावी अंतरराष्ट्रीय समुद्री और अंतरिक्ष प्रदर्शनी (एलआईएमए 2025) के 17वें संस्करण में भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करेंगे। एलआईएमए 2025 में एक भारतीय मंडप स्थापित किया गया है, रक्षा राज्य मंत्री इसका उद्घाटन करेंगे।

मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड, भारत डायनेमिक्स लिमिटेड, बीईएमएल, हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड व ग्लाइडर्स इंडिया लिमिटेड सहित कई डीपीएसयू तथा अन्य निजी रक्षा कंपनियां इस प्रदर्शनी में भाग लेंगी और भारतीय रक्षा उद्योग जगत की सामर्थ्य का प्रदर्शन करेंगी। इस वर्ष, डोर्नियर विमान और एक भारतीय नौसेना जहाज सहित भारतीय रक्षा परिसंपत्तियां भी लंगकावी अंतरराष्ट्रीय समुद्री एवं अंतरिक्ष प्रदर्शनी 2025 में भाग लेंगी।

रक्षा मंत्रालय के अनुसार रक्षा राज्य मंत्री इस प्रदर्शनी के अवसर पर मलेशिया के रक्षा मंत्री दातो सेरी मोहम्मद खालिद बिन नॉर्डिन से मुलाकात करेंगे। इस यात्रा से द्विपक्षीय रक्षा सहयोग एवं व्यापक रणनीतिक साझेदारी और भी मजबूत होगी।

उल्लेखनीय है कि भारत और मलेशिया के बीच सशक्त एवं बहुआयामी संबंध हैं, जो रक्षा व सुरक्षा सहित कई रणनीतिक क्षेत्रों तक फैल चुके हैं। दोनों देश साल 2024 में मलेशिया के प्रधानमंत्री की भारत यात्रा के दौरान स्थापित व्यापक रणनीतिक साझेदारी के दृष्टिकोण के तहत कार्य करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

वर्ष 1991 में स्थापित और हर दो साल में आयोजित होने वाली लंगकावी अंतरराष्ट्रीय समुद्री एवं अंतरिक्ष प्रदर्शनी को एशिया-प्रशांत क्षेत्र

गुजरात की समुद्री सीमा में संदिग्ध बोट की हलचल के बाद कोस्टगार्ड अलर्ट

अमरेली, (एजेंसी) : अमरेली जिले के जाफराबाद के निकट समुद्री सीमा में रविवार को संदिग्ध बोट की हलचल देखी गयी। जाफराबाद बंदरगाह से करीब 22 नॉटिकल माइल दूर बोट दिखने के बाद मछुआरों ने इसकी सूचना मरीन पुलिस थाने और कोस्टगार्ड को दी। कोस्टगार्ड की त्वरित कार्रवाई के बाद बोट तेजी से भाग निकला। कोस्टगार्ड हेलिकॉप्टर से जांच कर रही है।

जानकारी के अनुसार अमरेली जिले के जाफराबाद बंदरगाह से करीब 22 नॉटिकल माइल दूर एक संदिग्ध बोट की हलचल दिखने पर वहां मौजूद मछुआरों ने इसकी सूचना तुरंत कोस्टगार्ड और मरीन पुलिस को दी। कोस्टगार्ड तुरंत हरकत में आया और संदिग्ध बोट के स्थान की ओर रवाना हो गया। जानकारी के अनुसार भारतीय कोस्टगार्ड की बोट देखकर संदिग्ध बोट तेजी से भाग निकला। कोस्टगार्ड हेलिकॉप्टर से इसकी जांच में जुट गया है।जाफराबाद बोट एसोसिएशन के प्रमुख कन्हैयालाल सोलंकी ने कहा कि बोट में कई लोग थे। मछुआरों ने उनके साथ बातचीत करने की कोशिश की, लेकिन बोट कहीं रुका नहीं। मामले की जानकारी मिलने पर स्थानीय विधायक हीरा सोलंकी भी बंदरगाह पहुंचे और वायरलेस के जरिए समुद्र में मौजूद मछुआरों से बातचीत की। अंदर की स्थिति और संदिग्ध बोट के बारे में जानकारी प्राप्त की।विधायक हीराभाई ने कहा कि सुबह 11.30 बजे मछुआरों के जरिए संदिग्ध बोट के संबंध में जानकारी मिली थी। मामले की जानकारी जिला कलक्टर को सूचना दी गई। कोस्टगार्ड पूरे क्षेत्र में सर्च ऑपरेशन चला रहा है।दूसरी ओर भारत और पाकिस्तान के बीच मौजूदा हालात को देखकर सभी बंदरगाहों पर अलर्ट जारी किया गया है। पीपावाव मरीन पुलिस की बोट भी पेट्रोलिंग कर रही है। सभी लैंडिंग प्वॉइंट पर पुलिस वॉच रखा गया है। कोस्टगार्ड की बोट संदिग्ध बोट की तलाश में जुटी है।

देश के लिए मरना श्रेष्ठ है, लेकिन आज देश के लिए जीने वालों की आवश्यकता : प्रांत प्रचारक

विदिशा में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ मध्य भारत प्रांत के संघ शिक्षा वर्ग विशेष का शुभारंभ

भोपाल/विदिशा, (एजेंसी) : राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के मध्य भारत प्रांत के प्रांत प्रचारक विमल गुप्ता ने कहा कि हिंदू जीवन चार आश्रमों पर आधारित है। चौथा आश्रम संन्यास आश्रम है, जो व्यक्ति को मोक्ष की राह पर ले जाता है। उन्होंने कहा कि ₹साधना कठिनता से सफल होती है। जो कठिनाइयों में जी नहीं सकता, वह कभी साधक नहीं बन सकता है₹ ₹देश के लिए मरना श्रेष्ठ है, लेकिन देश के लिए जीने वालों की आज आवश्यकता है।प्रांत प्रचारक गुप्ता रविवार को विदिशा में स्वयंसेवक संघ मध्य भारत प्रांत के संघ शिक्षा वर्ग के उद्घाटन सत्र में स्वयंसेवकों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण वर्ग में आए हुए हम सभी साधक हैं, अपनी साधना को सफल करने के लिए इस वर्ग में उपस्थित हुए हैं। अपने संघ कार्य को मजबूती देने के लिए हम इस वर्ग में प्रशिक्षण ले रहे हैं।

दरअसल, विदिशा के टीला खेड़ी स्थित सरस्वती शिशु मंदिर के परिसर में रविवार को संघ शिक्षा वर्ग विशेष का उद्घाटन हुआ। इस समारोह के दौरान सर्वाधिकारी हरिश्चंद्र शर्मा और मध्य भारत प्रांत के प्रांत प्रचारक विमल गुप्ता ने भारत माता की चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर वर्ग का शुभारंभ किया। इस वर्ग में आठ विभाग के 31 जिलों से 183 शिक्षार्थी 107 स्थानों से सम्मिलित हुए हैं। इस वर्ग में सभी जिलों का प्रतिनिधित्व हुआ। इस वर्ग में 40 वर्ष की आयु पूर्ण करने वाले स्वयंसेवक ही अपेक्षित है, जिन्होंने संघ के खंड, जिला एवं विभाग स्तरीय वर्ग में प्रशिक्षण प्राप्त कर लिया है। इस 15 दिवसीय प्रशिक्षण वर्ग का सार्वजनिक समापन 2 जून को होगा।

संघ शिक्षा वर्ग विशेष में शामिल शिक्षार्थियों को शारीरिक, बौद्धिक,योग,सेवा, प्रबंधन का प्रशिक्षण प्राप्त होगा। संघ का कार्य व्यक्ति निर्माण का कार्य है। इस 15 दिन के वर्ग में अनुशासित दिनचर्या का पालन करते हुए अपने व्यक्तित्व को मजबूत करना है। 40 वर्ष से 65 वर्ष की आयु के स्वयंसेवकों को इस वर्ग में अपेक्षित किया है।

प्रांत प्रचारक गुप्ता ने उद्घाटन सत्र के दौरान अपने संबोधन में श्रीमद्भागवत गीता उदाहरण देते हुए कहा कि गीता के छठवें अध्याय के 35 वे श्लोक में भगवान कृष्ण ने मन को बड़ा चंचल बताया है और निरंतर अभ्यास से ही मन को नियंत्रित किया जा सकता है। इस वर्ग से देश भक्ति का वैराग्य हमारे अंदर आने वाला हैं, हमे अपने जीवन में देश भक्ति वैराग्य हमेशा बनाकर रखना चाहिए। समाज में शाखा की भूमिका जागरण श्रेणी के माध्यम से स्पष्ट हो सके और शाखा समाज परिवर्तन का केंद्र बन सके इसलिए हम वर्ग में प्रशिक्षण लेने आए हैं।

उन्होंने अंत में कहा कि इस वर्ग से हमे समय का प्रबंधन, कार्यकर्ता का प्रबंधन, कार्य का प्रबंधन सीख कर जाना हैं। समूह में रहकर सामूहिकता की भावना से कार्य करने की कला हम इस वर्ग में सीखकर जाने वाले हैं। अटल जी की कविता ₹तब थे अकेले आज हुए इतने भला तब न डरे तो अब क्या डरेंगे।₹ से उन्होंने अपने बौद्धिक का समापन किया।

उत्तराखंड के देहरादून से गिरफ्तार किए गए पांच बांग्लादेशी, मददगार भारतीय महिला भी पकड़ी गई

देहरादून पहुंचाने में मदद करने वाले नूर इस्लाम, दिल्ली और मोहम्मद आलम, बिहार की पुलिस को तलाश

देहरादून, (एजेंसी) : उत्तराखंड की देहरादून पुलिस ने एक संयुक्त अभियान में 05 बांग्लादेशी नागरिकों और 01 भारतीय महिला को गिरफ्तार किया है जबकि 04 नाबालिग को पुलिस संरक्षण में रखा गया है। एसएसपी देहरादून ने इसकी पुष्टि की है।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक देहरादून अजय सिंह ने बताया कि उन्हें गोपनीय सूचना मिली थी कि देहरादून के क्लेमन्टाउन क्षेत्र में कुछ बांग्लादेशी नागरिक अवैध रूप से रह रहे हैं। इस सूचना पर उन्होंने एसओजी, एलआईयू और थाना क्लेमन्टाउन की एक संयुक्त टीम गठित कर बाहरी व्यक्तियों के सत्यापन की प्रभावी कार्रवाई के निर्देश दिए।

इस पर पुलिस टीम को क्लेमन्टाउन क्षेत्र में सत्यापन की कार्रवाई के दौरान लेन नम्बर 11, पोस्ट आफिस रोड, क्लेमन्टाउन से 05 बांग्लादेशी नागरिक निर्मल राय, शेम राय, लिपि राय, कृष्णा उर्फ संतोष, मुनीर चन्द्र राय और 04 नाबालिग बांग्लादेशी बच्चों और उनके साथ निवास कर रही 01 भारतीय महिला पूजा रानी और एक भारतीय नाबालिग बालक मिल गए। बांग्लादेशी नागरिकों से जब वैध दस्तावेज मांगे गए तो वे पुलिस टीम को कोई भी दस्तावेज उपलब्ध नहीं करवा पाए। इस दौरान तलाशी में मुनीर चन्द्र राय से पटना-बिहार और पश्चिम बंगाल के 02 अवैध आधार कार्ड बरामद हुए और कृष्णा उर्फ संतोष व निर्मल राय से बांग्लादेश की आईडी बरामद हुई।

सभी बांग्लादेशी नागरिकों को अवैध रूप से भारत में प्रवेश कर निवास करने के अपराध और भारतीय महिला को षडयंत्र के तहत बांग्लादेशी नागरिको की सहायता करने के अपराध में गिरफ्तार कर लिया गया। इसके अलावा पूछताछ के बाद अब पुलिस बांग्लादेशी नागरिकों को देहरादून तक पहुंचाने में मदद करने वाले नूर इस्लाम पुत्र रहमान अली, न्यू अशोक नगर, दिल्ली और मोहम्मद आलम, पूर्वी चंपारण, बिहार की तलाश में जुट गई है।

नक्सलवाद पर राहुल गांधी की भूमिका संदिग्ध, पीठ पीछे गड़बड़ कर रहे हैं, मेरे पास इसके प्रमाण मौजूद : उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा

जगदलपुर, (एजेंसी) : । छत्तीसगढ़ के उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने रविवार को राहुल गांधी पर गंभीर आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि राहुल गांधीपीठ पीछे गड़बड़ कर रहे हैं। नक्सलवाद देश के सबसे बड़े संकटों में से एक है और इसमें भी राहुल गांधी की भूमिका संदिग्ध लगती है।

प्रदेश के उपमुख्यमंत्री और गृहमंत्री विजय शर्मा ने आज स्थानीय सर्किट हाउस में मीडिया से बातचीत के दौरान नक्सलवाद की समस्या पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर यह गंभीर आरोप लगाया। उन्होंने छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले के तेलंगाना सीमा पर करेगुट्टा की पहाड़ियों में 21 दिनों तक चले अभियान के दौरान तेलंगाना सरकार से अपेक्षित सहयोग नहीं मिलने के सवाल पर कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी ह्लपीठ पीछे गड़बड़ह्व कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि नक्सलवाद देश के सबसे बड़े संकटों में से एक है और इसमें भी राहुल गांधी की भूमिका संदिग्ध लगती है। मेरे पास इसके प्रमाण मौजूद हैं, जिनके आधार पर मैं यह बात कह रहा हूं।

उपमुख्यमंत्री शर्मा ने नक्सलियों से वार्ता करने के सवाल पर कहा कि सरकार नक्सलियों से वार्ता करने को तैयार हैं, पर नक्सली किस विषय पर वार्ता करना चाहते हैं, इसका मसौदा उन्हें प्रस्तुत करना होगा। उन्होंने कहा कि नक्सली हथियार छोड़ें तो सरकार उनके पुनर्वास के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि नक्सली घटनाओं में हुई एफआईआर को भी सरकार वापस लेने को तैयार है, लेकिन इसके लिए नक्सलियों को अपने हथियार डालने होंगे।इस दौरान उप मुख्यमंत्री में नक्सली संगठनों की स्थिति और आत्मसमर्पित नक्सलियों के पुनर्वास के विषय में जानकारी देते हुए कहा कि सुकमा जिले के बड़े शेट्टी गांव ने स्वयं को नक्सली मुक्त घोषित कर दिया है, जिसकी वजह से भाजपा सरकार ने अपनी घोषणा के अनुरूप गांव के विकास कार्यों के लिए एक करोड़ रुपए की राशि की ग्राम पंचायत को प्रदान की है।उन्होंने कहा कि नक्सली लगातार आम आदिवासियों को अपना निशाना बनाते रहे हैं । उन्होंने चिंगावरम की घटना का उल्लेख करते हुए बताया कि कैसे नक्सलियों ने यात्री बस को निशाना बनाकर 16 ग्रामीणों को बारूदी विस्फोट से उड़ा दिया था । उन्होंने गांव वालों से अपील की है कि वह सामंजस्य से गांव से जो भी लोग नक्सली संगठन से जुड़े हैं, उनसे चर्चा कर उन्हें वापस लौटने के लिए प्रेरित करें । उन्होने कहा कि नक्सलियों के बड़े लीडरों के बच्चे तो विदेशों में शिक्षा ले रहे हैं, वहीं दूसरी ओर नक्सली बस्तर के आदिवासियों को और उनके बच्चों को प्राइमरी और मिडिल स्कूल तक भी पढ़ने देना नहीं चाहते।

संक्षिप्त खबरें

जिला विधिक सेवा पदाधिकार के द्वारा लीगल एंपावरमेंट का आयोजन

नई पत्रवार्ता प्रतिनिधि

बलियापुर : प्रखंड कार्यालये सभागार में रविवार को धनबाद जिला विधिक सेवा प्राधिकार की ओर से मेगा लीगल एंपावरमेंट कैंप का आयोजन किया गया। जिसमें धनबाद व्यवहार न्यायालय के न्यायिक दंडाधिकारी अनामिका कश्यप मुख्य रूप से मौजूद थी। उन्होंने लोगों को एंपावरमेंट कैंप के महत्व पर विस्तार ढंग से प्रकाश डाला। सरकार द्वारा लोगों को दी जा रही मुफ्त कानूनी सहायता के बारे में जानकारियां दी गई। इसके अलावा घरेलू हिंसा, सड़क दुर्घटना आदि मामलों में सरकार की ओर से दी जाने वाली मुआवजा राशि के बारे में भी बताया। कार्यक्रम में मौजूद अधिकार मित्र एजाज अहमद ने अनाथ बच्चों, विधवा महिलाओं आदि लाचार लोगों के लिए सरकार द्वारा चलाई जा रही लाभकारी योजना के बारे में जानकारी दी। शिविर में जेएसएलपीएस के तहत ग्राम संगठन समूह की आठ महिलाओं को 6 लाख का ऋण राशि का चेक तथा कृषि विभाग की ओर से पांच किसानों को चार लाख की ऋण की राशि का चेक प्रदान किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन प्रखंड प्रमुख पिंकी देवी, उप प्रमुख आशा देवी, जिला परिषद सदस्य उषा महतो, विधायक प्रतिनिधि विजय रजक आदि के द्वारा दीप प्रचलित कर किया गया। मौके पर शैलेन मंडल,डीपीआरओ मो.आलम,बीपीओ विशाल कुमार , हीरालाल मोदक, प्रतिमा देवी, नमिता देवी, तपन रजक जगदीश रजक, संतोष कुमार सिंह, आनंद चक्रवर्ती, अदिति कुमारी समेत काफी संख्या में ग्रामीण मौजूद थे।

सुबोध कुमार सिंह की चौथी पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन

मजदूर आंदोलन को मजबूत करने का संकल्प

सिंदरी: सीपीआईएम और ठेका मजदूर यूनियन (सीटू) सिंदरी द्वारा जुझारू मजदूर नेता कॉमरेड सुबोध कुमार सिंह की चौथी पुण्यतिथि पर भावभीनी श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत एक मिनट के मौन और चित्र पर माल्यार्पण कर की गई। सबसे पहले स्व. सुबोध सिंह के परिजनों, उनकी पत्नी और दोनों बेटियों,ने श्रद्धासुमन अर्पित किए। सीटू नेता काली सेन गुप्ता ने उनके योगदान को याद करते हुए कहा कि सुबोध सिंह ने ठेका मजदूरों के अधिकारों की लड़ाई में ऐतिहासिक भूमिका निभाई थी। उन्होंने कहा कि आज मजदूर आंदोलन गहरे संकट से गुजर रहा है। मोदी सरकार द्वारा 44 श्रम कानूनों को खत्म कर चार श्रम संहिताएं थोपने की कोशिश मजदूरों को पूंजीपतियों का गुलाम बनाने की साजिश है। इसी के विरोध में 9 जुलाई 2025 को सभी केंद्रीय श्रम संगठनों ने राष्ट्रव्यापी हड़ताल का आह्वान किया है। सुबोध सिंह को सच्ची श्रद्धांजलि, उनके अधूरे कार्यों को पूरा करने में है। सभा में प्रमुख रूप से सीपीआईएम सिंदरी-बलियापुर लोकल कमेटी सचिव विकास कुमार ठाकुर, शाखा-1 सचिव गौतम प्रसाद, ज्ञान विज्ञान समिति के राज्य उपाध्यक्ष हेमंत जायसवाल, जनवादी महिला समिति नगर अध्यक्ष रानी मिश्रा, सचिव मिठू दास, रंजू प्रसाद, सविता देवी, सीपीआई(एमएल) के नेता सुरेश प्रसाद, राजद नगर अध्यक्ष मुनेश्वर यादव, सुबल चंद्र दास, स्वामीनाथ पांडे, प्रमोद कुमार सिंहा, आर.के. मिश्रा, शिबू राय, जीतू राय, सुरेंद्र पांडे, आनंद मंडल, प्रफुल्ल कुमार स्वेन एवं रामलाल महतो सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे। सभा के अंत में सभी ने मजदूर आंदोलन को मजबूत करने का संकल्प लिया और कॉमरेड सुबोध सिंह के विचारों को जन-जन तक पहुंचाने का प्रण लिया।

पिंटू कुमार सिंह ने पारसनाथ रेलवे स्टेशन का किया निरीक्षण

यात्रियों की समस्याओं के समाधान को लेकर जोन के महाप्रबंधक से मिलेंगे

पारसनाथः हाजीपुर जोन के जोनल सलाहकार समिति के सदस्य पिंटु कुमार सिंह ने रविवार को पारसनाथ रेलवे स्टेशन का निरीक्षण किया। सफाई कर्मियों की संख्या कम रहने के कारण स्टेशन परिसर की सफाई व्यवस्था संतोष जनक देखने को नहीं मिला। प्लेटफॉर्म नंबर 3 तथा 4 पर प्रतीक्षालय नहीं रहने से यात्रियों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। गति शक्ति योजना के तहत निर्माण कार्य काफी धीमा है। कार्य की गुणवत्ता पूरी तरह से सवालों के घेरे में है। ऑन डयूटी आरपीएफ को ठहरने की कोई व्यवस्था नहीं है। जिससे आरपीएफ को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। पार्किंग में शेड नहीं है। पिंटु कुमार सिंह ने उक्त समस्याओं को लेकर जोन के महाप्रबंधक से मिलेंगे और समस्याओं को समाधान कराने का प्रयास करेंगे।

झारखंड बांग्ला भाषा उन्नयन समिति की बैठक संपन्न

नई पत्रवार्ता प्रतिनिधि

बलियापुरः झारखंड बांग्ला भाषा उन्नयन समिति की बैठके रविवार को बलियापुर में नारायण चंद्र पाल की अध्यक्षता में हुई। बैठक में 19 मई 1972 को असम में मातृभाषा बांग्ला के लिए संघर्ष कर रहे छात्रों पर तत्कालीन असम सरकार द्वारा की गई गोलीबारी में 11 छात्र शहीद हो गए थे। बैठक में उसकी याद में सोमवार को धनबाद स्थित रणधीर वर्मा चौक के समीप आयोजित होने वाले धरना प्रदर्शन को सफल बनाने का निर्णय लिया गया। बैठक में मुख्य रूप से बेंगू ठाकुर, बलराम प्रमाणिक, राहुल रजक, दीपक रजक, प्रकाश रजक, अमित रजक, सूरज रजक आदि थे।

सिंदरी अनुमंडल के तमाम थाना क्षेत्रों में प्रतिबंधित अवैध लॉटरी का जाल झुनझुनवाला के जिम्मे

पुलिस दिखावे के लिए करती है गिरफ्तारी, झुनझुनवाला के लोग डंके के चोट पर करते हैं कारोबार

झरिया : सिन्द्री अनुमंडल इन दिनों प्रतिबंधित अवैध लॉटरी का एक बड़ा बाजार बन चुका है। लॉटरी पीआर 7 नामक यह नेटवर्क अब झरिया, जोड़ापोखर, जामाडोबा, डिगवाडीह, पाथरडीह,चासनाला, भौरा, सिंदरी में जड़ें जमा चुकी है। झुनझुनवाला का लॉटरी क्षेत्र में खुलेआम बेचवाने के लिए पुलिस दूसरे लॉटरी विक्रेता के लोगो को पकड़ दवाब बना रही है। थानों के सीसीटीवी जांच किया जाएगा तो झुनझुन वाला का सिंडिकेट जे सिंह,एवं कुलपति का फुटेज साफ दिखेगा वही झुनझुनवाला इन दोनों को झरिया से लेकर सिन्द्री तक का काम देखने का जिम्मा दिया है। सूत्रों के अनुसार लॉटरी बिक्रेताओं ने कहा कि लॉटरी पूरे झरिया विधान सभा में सिर्फ झुनझुनवाला का टिकट विकेगा दूसरे

लॉटरी विक्रेताओं को पुलिस पकड़ कर दवाब बना रही है। जिसको लेकर झरिया एवं जोड़ापोखर पुलिस लॉटरी विक्रेताओं को पकड़ कर पूछताछ कर रही है।

शनिवार कि रात अवैध लाटरी के कारोबारी झुनझुनवाला के दो चहेते सेटिंग गेटिंग के लिए घंटों थाना में बैठे देखें जाते हैं। लॉटरी टिकटों की छपाई ,बिहार से लेकर झारखंड के निरसा में अपने स्तर पर ही होती है, झरिया ,जामाडोबा जेलगोरा एजेंसी के पास टिकट पहुंचता है,जहां से छोटे छोटे एजेंसी को टिकट पहुंचाया जाता है।लॉटरी टिकट विक्रेताओं ने कहा कि झुनझुनवाला ही पुलिस को मैनेज कर रखा है। कुछ लोग गली-गली घूमकर महिलाओं को टिकट बेचते हैं, जो महिलाएं बहुत आसानी से अवैध लॉटरी टिकट विक्रेताओं के झांसे में आ जाती है। इलाके के हर चौराहे पर एक नुमाइंदा ह्लडॉलरह्व लेकर बैठा है, जो गरीबों के मजबूरी को कैश में तब्दील करता है।सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि इतने बड़े पैमाने पर चल रहे इस कारोबार पर अब तक न तो कोई बड़ी कार्रवाई हुई है, और न ही कोई गिरफ्तारी। क्या प्रशासन इस पूरे गोरखधंधे से अनजान बना हुआ है या फिर आंख मूंदकर सब देख रहा है?इधर चर्चा है कि एक थाना की पुलिस ने दो को हिरासत में लिया है।

लॉटरी सिंडिकेट के प्रशासनिक व्यवस्था को देख रहे जे सिंह लॉटरी बिक्री संभाल रहे कुलदीप को बरारी मोड़ से भारी मात्रा में लॉटरी टिकट के साथ रविवार को पुलिस गस्ती दल ने धर दबोचा था। जिसे हिरासत में लेकर पूछताछ करने की भी चर्चा है।

दोलाबड़ में चड़क पूजा मेला में उमड़ी भीड़

नई पत्रवार्ता प्रतिनिधि

बलियापुरः दोलाबड़ गांव में रविवार को चड़क पूजा के मौके पर गांव के शिव मंदिर प्रांगण में भोक्ता घुरा मेला धूमधाम से आयोजित किया गया। इस अवसर पर शिव भक्तों ने भगवान शिव की पूजा अर्चना के साथ अपने शरीर के विभिन्न अंगों में लोहे की किले चुभोकर नाचते गाते रहे। मंदिर प्रांगण में स्थापित भोक्ता खूंटा के लट पर लटक कर घूमते रहे। यह दौर देर शाम तक चलता रहा। सैकड़ो महिला पुरुषों ने मेले का आनंद उठाया। मेला कार्यक्रम को संपन्न कराने में मुखिया सुनीता मल्लिक, राकेश मल्लिक, पंचायत समिति सदस्य भोलानाथ महतो, लालमोहन महतो, रमेश गोप, लखीराम महतो, मिंटू सेन, नीरेश महतो, कीर्तन महतो, चंद्रशेखर पांडेय, चंडीचरण पांडेय, साधन गोप, संतोष महतो, उज्जवल सेन समेत चड़क पूजा समिति के सदस्यों एवं नवयुवकों का योगदान रहा।

8 लेन काको में ग्रामीणों ने आमजनों के लिए खोला पनशाला

राहगीरों की प्यास बुझाने की कोशिशः आनंद

कतरास : कतरास : शहीद मनिंद्र नाथ मंडल ग्रामीण विकास ट्रस्ट की ओर से भीषण गर्मी को देखते हुये काको पेट्रोल पंप के समीप जनहित में प्यासों के लिए पनशाला में शर्बत, चना एवं गुड़ का वितरण किया गया। मौके पर निम्नलिखित ग्रामीण एवं सदस्यगण उपस्थित थे। मौके पर आनंद मंडल,राम प्रसाद दास,राज कुमार,राजन मोदक,प्रफुल मंडल,भीखू मोदक, मुनेश्वर गोप,मुन्द्रिका सिंह, प्रवीण मंडल,राम प्रसाद दास, उत्तम कुमार मंडल,महेन्द्र मंडल,अरुण मंडल,उमापद मंडल,रोबिन मोदक,अम्बुज मंडल, दुलाल दास,दिलीप मंडल,शिबु माँझी सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

चोरों ने बीसीसीएल कर्मी के घर का ताला तोड़ा,तीन लाख रुपए मूल्य के गहनों की चोरी की

झरिया : जोड़ापोखर थाना क्षेत्र के जेलगोरा सीआईएसएफ कैम्प के निकट रहने वाले बीसीसीएल कर्मी अवधेश यादव का घर का ताला तोड़कर चोरो ने शनिवार की रात 3 लाख रुपए मूल्य के गहनों की चोरी कर लिया है। श्री यादव ने रविवार को जोड़ापोखर थाना में मामला दर्ज कराया है। पीड़ित ने बताया कि शनिवार की रात में धनबाद स्टेशन से परिवार को लाने के लिए गये थे। घर में ताला बंद था। तभी चोरो ने फायदा उठाकर ताला तोड़कर घर में घुस गए। अलमीरा का ताला तोड़कर अलमीरा को तोड़ दिया, जिसमें रखे गहने सोने का हार, सोने का चैन, दो जोड़ी सोने की अंगूठी, झुमका, चांदी का पायल चोरी हुई है।

बीआईटी सिंदरी में विकास विषय पर संगोष्ठी आयोजित

डॉ. समीर एसएम ने साझा की प्रेरणादायक यात्रा

सिंदरीः 17 मई शनिवार को बीआईटी सिंदरी के इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग ने बीआईटी सिंदरी स्टूडेंट ब्रांच के सहयोग से विकास, एक स्वयंसेवक के दृष्टिकोण से अवसर और व्यावसायिक विकास विषय पर एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया। इस कार्यक्रम की शुरूआत गरिमामय स्वागत समारोह के साथ हुई, जिसमें सभी गणमान्य अतिथियों और प्रतिभागियों का गर्मजोशी से अभिनंदन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन विभागाध्यक्ष के स्वागत भाषण से हुआ। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय व्यावसायिक संगठनों की भूमिका पर प्रकाश डाला और कहा कि ऐसे मंच नवोदित इंजीनियरों को वैश्विक स्तर पर तकनीकी उत्कृष्टता और नेतृत्व क्षमता विकसित करने का अवसर प्रदान करते हैं। उन्होंने छात्रों को ऐसे आयोजनों में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित किया। संगोष्ठी के मुख्य वक्ता डॉ. समीर एसएम, प्रोफेसर, एनआईटी कालीकट, ने स्वयंसेवक के रूप में अपने अनुभव साझा किए। उन्होंने बताया कि स्वयंसेवा ने कैसे उनकी तकनीकी दक्षता, नेतृत्व कौशल और संवाद क्षमता को निखारा। उन्होंने स्वयंसेवा से जुड़ी आम भ्रांतियों को दूर करते हुए इसे व्यक्तिगत और व्यावसायिक विकास का एक प्रभावशाली माध्यम बताया बी आईटी सिंदरी के निदेशक डॉ. पंकज राय ने छात्रों को संबोधित करते हुए भविष्य में इस प्रकार के और कार्यक्रम आयोजित करने का सुझाव दिया और छात्रों को तकनीकी मंचों के माध्यम से निरंतर सीखते रहने की प्रेरणा दी। संगोष्ठी का समापन एक संवादात्मक प्रश्नोत्तर सत्र और स्टूडेंट ब्रांच के सचिव द्वारा प्रस्तुत धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

देश के जवानों को समर्पित डे नाइट, शॉर्ट पिच क्रिकेट टूनार्मेंट का मैथन में आयोजन

निरसा : देश के बहादुर सैनिकों के समर्पित डे नाइट, शॉर्ट पिच क्रिकेट टूनार्मेंट के चैंपियन बना मैथन महाकाल बॉयज ग्रुप। जबकि उपविजेता चिरकुंडा प्रिंस क्लब की टीम रही।

मैथन स्थित बीएसके कॉलेज मैदान में शनिवार की रात्रि में आयोजित शॉर्ट स्पीच डे नाइट प्रतियोगिता में पहले बल्लेबाजी करते हुए मैथन महाकाल बॉयज की टीम ने निर्धारित 6 ओवरों में कुल 46 रन बनाया जिसके जवाब में उतरी चिरकुंडा प्रिंस क्लब की टीम ने 5 ओवर में महज 21 रन बनाकर ऑल आउट हो गई। इस तरह मैथन महाकाल बॉयज की टीम चैंपियन बनी। विजेता टीम को मेढा पंचायत के मुखिया मनोज राउत एवं समाज सेवी रंजीत महतो द्वारा ट्रॉफी प्रदान किया गया। इस मौके पर रंजीत महतो ने कहा कि देश के जवानों को समर्पित डे नाईट शॉर्ट पिच क्रिकेट टूनार्मेंट बड़े ही सौहार्दपूर्ण माहौल में संपन्न हुआ है। जिसमें कुल 31 टीमों ने भाग लिया था प्रतियोगिता 6 ओवर का निर्धारित था एक टीम में आठ खिलाड़ी भाग लेने की अनुमति थी पूरी रात चली इस प्रतियोगिता में क्रिकेट प्रेमी भी जमे रहे और अपने-अपने टीम को विजई बनाने के लिए नारेबाजी भी करते रहे आखिरकार मैच का अंतिम एवं फाइनल मुकाबला मैथन महाकाल बॉयज एवं चिरकुंडा प्रिंस क्लब के बीच हुआ जिसने मैथन महाकाल बॉयज की टीम चैंपियन बनी। प्रतियोगिता में मैन ऑफ द सीरीज महाकाल बॉयज ग्रुप के शिवा कुमार को मिला जबकि मैन ऑफ द मैच महाकाल बॉयज ग्रुप के रूपम महतो को दिया गया वहीं मैन ऑफ द बैट्समैन का पुरस्कार चिरकुंडा प्रिंस क्लब के बादशाह को दिया गया प्रतियोगिता को सफल बनाने में समाज सेवी रंजीत महतो का महत्वपूर्ण योगदान था।

सिंदरी कॉलेज के प्रोफेसर सह पत्रकार को श्रद्धांजलि दी गई

सिंदरी : सिंदरी के ऑफिसर्स क्लब में लायंस क्लब ऑफ सिंदरी के द्वारा स्वर्गीय अनिल आशुतोष सिंदरी कॉलेज सिंदरी के प्रोफेसर सह पत्रकार के लिए श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया। इस सामाजिक कार्यक्रम में लायंस क्लब सिंदरी के साथ धनबाद, बाघमारा आदि के लायंस एवं सामाजिक कार्यकर्त्ता लोग पहुंचे। लायंस क्लब सह चेम्बर ऑफ कॉमर्स सिंदरी के अध्यक्ष दीपक कुमार दीपू ने स्वर्गीय अनिल आशुतोष को एक समाजसेवी भी कहा एवं उनके द्वारा कृत कार्यों का वर्णन किया। उसी क्रम में लायंस पब्लिक स्कूल के प्राचार्य रमेश शर्मा ने उन्हें अश्रुपूर्ण श्रद्धांजलि के साथ उनके द्वारा सिंदरी बचाने में तन, मन एवं धन तक न्योछावर करने वाला कहा। धनबाद के वरिष्ठ

समाजसेवी सह वियाडा अध्यक्ष विजय झा ने अपनी श्रद्धांजलि प्रो.अनिल आशुतोष को दी, साथ ही मृतक के लिए समाज का स्तम्भ कहा। उनके अलावा घनबाद विधायक राज सिन्हा, भाजपा विधायक प्रत्याशी तारा देवी, बीआईटी निदेशक पंकज राय, वरिष्ठ भाजपाई सह पूर्व पार्षद दिनेश सिंह, पूर्व नगर अध्यक्ष सह महामंत्री मनोज मिश्रा, प्रशांत दुबे, भाजपा के पूर्व नगर अध्यक्ष विजय सिंह, वरिष्ठ भाजपाई शैलेश सिंह, शशी सिंह, ब्रजेश सिंह, राजेश ठाकुर, विजय कुमार ठाकुर, अभिषेक बाजपेई आदि लोगों ने अपनी सच्ची श्रद्धांजलि दी। बजरंग दल के विभाग मंत्री विकास गिरी ऊर्फ सोनू गिरी अपने टीम के साथ स्वर्गीय प्रो. अनिल आशुतोष को अपनी श्रद्धांजलि दी। उपरोक्त लोगों के अलावा स्वर्गीय अनिल के बचपन के मित्र अशोक गोयल ने अपने वक्तव्य में मृतक को कर्मठ, कर्मयोगी, ज्ञानी एवं निःस्वार्थ भावना से कार्य को करनेवालों में थे कहा। कार्यक्रम का संचालन लायंस सिंदरी के प्रशांत पाण्डेय ने किया। उपरोक्त लोगों के अलावा सैकड़ों लोगों ने अपनी श्रद्धांजलि दी। साथ सिंदरी के पत्रकरों में बरमेश्वर शर्मा, राजकुमार शर्मा, सुरेश महतो, रतन अग्रवाल , राहुल पाण्डेय, अजय उपाध्याय, अशोक कुमार, गणेश कुमार आदि के साथ अन्य लोग भी मौजूद थे। मृतक अनिल आशुतोष के कार्यक्रम में सिंदरी हर्ल के वरिष्ट मानव संसाधन अधिकारी विक्रांत कुमार, लायंस के गिरधारी अग्रवाल, दिलीप रिटोरिया, बबली सरदार, लवली सरदार आदि लोग उपस्थित रहे।

आईईटीई क्लब बीआईटी सिंदरी ने अंतिम वर्ष के छात्रों को दी भावभीनी विदाई

सिंदरीः सिंदरी बीआईटी आईईटीई स्टूडेंट्स फोरम, बीआईटी सिंदरी ने एक भावुक समारोह में क्लब के अंतिम वर्ष के छात्रों को विदाई दी। इस अवसर पर क्लब के चेयरपर्सन आदर्श कुमार, जनरल सेक्रेटरी शिवम सिंह सहित सभी सदस्य उपस्थित रहे। क्लब के जूनियर सदस्यों ने सीनियर्स के साथ बिताए पलों को याद करते हुए नम आंखों से उन्हें विदाई दी। उन्होंने कहा कि यह क्षण उनके लिए खुशी और उदासी का मिलाजुला भाव लेकर आया, खुशी इस बात की कि सीनियर्स अब एक नए सफर पर निकल रहे हैं, और उदासी इस बात की कि अब वे मार्गदर्शन करने वाले साथ नहीं होंगे। चेयरपर्सन आदर्श कुमार ने सीनियर्स के योगदान की सराहना करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। जनरल सेक्रेटरी शिवम सिंह ने भी सभी अंतिम वर्ष के छात्रों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि क्लब को उनके मार्गदर्शन की हमेशा कमी खलेगी। कार्यक्रम का समापन सभी सदस्यों द्वारा साझा की गई यादों और भावनाओं के साथ हुआ। क्लब की ओर से अंतिम वर्ष के छात्रों को संदेश दिया गया। आपका भविष्य उज्ज्वल हो, और आप जीवन की हर चुनौती को सफलता में बदलें।

Page 12_Page 3.qxd 5/18/2025 10:54 PM Page 1

जिले के सभी ब्लॉक में विधिक सशक्तिकरण शिविर का किया गया आयोजन

डालसा प्रशासनिक निष्क्रियता के प्रतिहित प्रहरी के रूप में कार्य करती है: न्यायाधीश अभिजित

तीन करोड़ 54 लाख 74 हजार 730 रूपए की परिसंपत्तियों का किया गया वितरण

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

धनबाद : प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकार वीरेन्द्र कुमार तिवारी के निर्देश पर एक दिवसीय विधिक सशक्तिकरण सह जागरूकता शिविर का आयोजन रविवार को जिले के सभी प्रखंडों में किया गया. निरसा प्रखंड कार्यालय में आयोजित मेगा एंपावरमेंट कैंप में लोगों को संबोधित करते हुए अनुमंडल न्यायिक दंडाधिकारी अभिजित पांडेय ने कहा कि जिला विधिक सेवा प्राधिकार प्रशासनिक निष्क्रियता के प्रति हित प्रहरी के रूप में कार्य करती है.

सरकारी योजनाओं का लाभ जरूरतमंदों तक सुगमता से पहुंचाई जा सके इस शिविर का मुख्य उद्देश्य है. पूर्वी टुंडी में आयोजित शिविर में संबोधित करते हुए प्रथम श्रेणी न्यायिक दंडाधिकारी ऋषि कुमार ने कहा कि दूर - सुदूर ग्रामीण इलाकों में रह रहे आम जनता त्वरित न्याय कैसे प्राप्त करें इस पर लोगों को जागरूक करने के लिए डालसा इस तरह के जागरुकता कार्यक्रम करता रहा है.लीगल एड डिफेंस कांउसिल सिस्टम के डिप्टी चीफ अजय कुमार भट्ट ने लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि विधिक जागरूकता शिविर के माध्यम से धनबाद जिले के सभी गांव तक डालसा द्वारा गठित टीम के माध्यम से पहुंचने का लक्ष्य है,जिससे कि जिले के दूर-सुदूर इलाकों में रह रहे ग्रामीण जनता तक सुलभ एवं त्वरित न्याय प्रक्रिया को पहुंचाया जा सके.वहीं मीडिया से बातचीत करते हुए अवर न्यायाधीश डालसा के सचिव मयंक तुषार टोपनो ने

कहा कि जिले के सभी 10 प्रखंडों गोविंदपुर, निरसा, धनबाद प्रखंड कार्यालय ,कलियासोल ,इग्यार कुंड ,बाघमारा ,बलियापुर टुंडी पूर्वी, टुंडी, तोपचांची प्रखंड कार्यालय में मेगा लीगल एंपावरमेंट कैंप का आयोजन हुआ.जिसमें प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश बीरेन्द्र कुमार तिवारी के निर्देश पर

अनुमंडल न्यायिक दंडाधिकारी अभिजीत पांडेय, प्रथम श्रेणी न्यायिक दंडाधिकारी विवेक राज, ऋषि कुमार, ऐश्वर्या श्रीवास्तव, अनामिका कच्छप ,सुरेश उरांव ,शिवानी शर्मा अपेक्षा, साकिया कौसर ,सृष्टि घई समेत लीगल ऐड डिफेंस काउंसिल सिस्टम के चीफ कुमार विमलेंदु, डिप्टी चीफ अजय कुमार भट्ट, सहायक कांउसिल कन्हैया लाल ठाकुर,नीरज गोयल, सुमन पाठक, शैलेन्द्र झा ,नीरज गोयल , मुस्कान चोपड़ा समेत सभी विभागों के पदाधिकारी डालसा के पैनल के अधिवक्ता और लाभुक शामिल हुए. धनबाद प्रखंड कार्यालय में प्रभारी प्रखंड विकास पदाधिकारी एवं अंचल अधिकारी, न्यायिक पदाधिकारी द्वारा विधिक सशक्तिकरण शिविर का आयोजन किया गया. जिसमें जिला विधिक सेवा प्राधिकार द्वारा चलाई जा रही निशुल्क विधिक सहायता के बारे में बताया गया एवं सरकार द्वारा चलाई जा रही जन कल्याणकारी योजनाओं का लाभ शिविर के माध्यम से लोगों को दिया गया. उन्होंने बताया कि रविवार को विभिन्न ब्लॉकों में अवर न्यायाधीश,अंचलाधिकारी, प्रखंड विकास पदाधिकारी, विभिन्न थाना के थाना प्रभारियों के नेतृत्व में ऑन स्पोर्ट 39 हजार 987 लाभुकों के बीच 3 करोड 54 लाख 74 हजार 730 रूपए की परिसंपत्तियों का वितरण किया गया.

शिविर में दिव्यांगों को व्हीलचेयर, लाभुकों को पीएम आवास योजना, वृद्धा पेंशन, दिव्यांग पेंशन, श्रमिकों को ई- श्रम कार्ड, श्रमिकों को मनरेगा जॉब कार्ड, श्रम विभाग की तरफ से पैंट - शर्ट साड़ी वृद्धा पेंशन, विधवा पेंशन, दिव्यांग पेंशन,व्हीलचेयर, ट्राईसाईकिल, ब्लाइंड स्टिक, सावित्रीबाई फुले योजना, इंदिरा आवास, केसीसी लोन , जेएसएलपीएस के माध्यम से महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए चेक का वितरण किया गया.

कार्यक्रम को सफल बनाने में सभी ब्लॉकों के बीडीओ, थाना प्रभारी, डालसा की टीम अरुण कुमार , सौरभ सरकार, अनुराग पांडे, विधिक स्वयंसेवक राजेश सिंह , हेमराज चौहान, डिपेंटी गुप्ता, ओम प्रकाश दास ,पंकज वर्मा , निमाई प्रमाणिक, , दिनेश महतो, सहदेव महतो,हेमराज चौहान ,माणिक कुमार दुबे ,रूपा कुमारी ,पंकज कुमार वर्मा, श्याम झा, अशोक कुमार पाठक ,सविता कुमारी ,पूजा झा, उत्तम मंडल ,अजीत कुमार दास ,निमाई प्रमाणिक ,सुबीर कुमार गुरु ,भोलानाथ धीवर, अब्दुल कलाम ,ज्योतिनंदन सिंह ,दिनेश महतो ,मोनू कुमार यादव, चंदन कुमार, एजाज अहमद ,संतोष कुमार सिंह ,आनंद चक्रवर्ती ,जगदीप रजक ,पवन दे ,गौरव कुमार, ओम प्रकाश दास ,रेबोती मरांडी ,सहदेव महतो, संध्या देवी, लक्ष्मी कुमारी, रूपेश कुमार ,राखी घोष, शाहिस्ता अंजुम, कविता कुमारी ,चिरंजीत तिवारी ,पूनम हेमरम, फूलचंद महतो, सुभाष चंद्र महतो ,जयप्रकाश ,लक्ष्मी कुमारी ,विनय कुमार, भोलानाथ धीभर ,निताई कर्मकार ,सपन मरांडी, सीता कुमारी ,परमेश्वर हांड़ी, संदीप कुमार, राहुल कुमार महतो, अजय कुमार साव ,अशोक कुमार गुप्ता ,राजू वर्मन, विशाल कुमार यादव ,अदिति वर्मा ,संदीप कुमार मिश्रा, सूरज मुर्मू, सपना, रमेश किस्कु ,संजय कुमार मंडल, भागीरथ महतो, सुनीत कुमार, बिक्रम, अमित कुमार दान, उप प्रमुख , मुखिया ,पंचायत समिति सदस्य, उप मुखिया ,एवं जिले के समस्त प्रखंडों के कर्मचारी गण एवं दूर सुदूर ग्रामीण इलाकों से आए ग्रामीण जनता का योगदान रहा.

कतरास नगर निगम क्षेत्र के शिक्षक 4 प्रतिशत वार्षिक मानदेय को लेकर विधायक मथुरा महतो से मिले

विधायक ने सभी शिक्षकों से 21 को रांची चलने व शिक्षा मंत्री से वार्ता कराने की बात कहीं

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

कतरास : कतरास नगर निगम क्षेत्र के सहायक अध्यापकों ने 4 प्रतिशत वार्षिक मानदेय वृद्धि को लेकर कतरास नगर निगम क्षेत्र का एक प्रतिनिधि मंडल समाजसेवी राजेन्द्र प्रसाद राजा एवं चंदन मोदक के नेतृत्व में रविवार को टुण्डी विधायक सह सरकार के सचेतक व पूर्व मंत्री मथुरा प्रसाद महतो से मिलकर ज्ञापन सौंपा.सहायक अध्यापकों ने श्री महतो से कहा कि 4 प्रतिशत वार्षिक मानदेय वृद्धि का फाइल 2024 में आपके प्रयास से

अधिकारियों के नजर में तो आया पर आज भी वह फाइल अधिकारियों के धूल फांक रहा है.मथुरा प्रसाद महतो ने कहा कि आप शिक्षकगण मेरे साथ 21 मई 2025 को रांची चले मैं स्वयं इसे देखूंगा. जरूरत पड़ी तो शिक्षा मंत्री से बात कर मामले को अपने स्तर से जल्द से जल्द निपटारा करने की कोशिश करेंगे. कतरास नगर निगम क्षेत्र के सभी शिक्षक सचेतक के नेतृत्व में रांची जाएंगे.

भाजपा ने कतरास में निकाली भव्य तिरंगा यात्रा, उमड़ी भीड़

धनबाद सांसद ढुल्लू महतो व बाघमारा विधायक शत्रुघ्न महतो भी यात्रा में रहे शामिल

भारतीय सेना जिंदाबाद, पाकिस्तान मुदार्बाद के लगाए गए गगनभेदी नारे

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

कतरास : आपरेशन सिंदूर में भारतीय सैनिकों के शौर्य प्रदर्शन व भारत द्वारा पाकिस्तान को धूल चटाने वाले सैनिकों के मनोबल ऊंचा करने को लेकर कतरास में पेट्रोल पम्प से भाजपा के अगुवाई में तिरंगा यात्रा निकाली गयी. जिसमें सभी संगठन के लोग मौजूद थे, सभी लोग भारत माता की जय, भारतीय सैनिक जिंदाबाद, पाकिस्तान मुदार्बाद कि नारे लगा रहे थे. तिरंगा यात्रा कतरास थाना चौक ,रानी सती मंदिर, मस्जिद पट्टी चौक होते हुये नदी किनारे सूर्य मंदिर प्रांगण में आम जनता को संबोधित करते हुए धनबाद सांसद ढुल्लू

महतो ने कहा कि भारतीय सैनिकों ने पाकिस्तान को करारा जबाब देते हुए दुश्मन के सभी हमलों को आकाश और जमीन दोनों जगहों में ध्वस्त करने का कार्य किया. बाघमारा विधायक शत्रुघ्न महतो ने अपने संबोधन में कहा कि हमारे देश के सभी सैनिकों ने दुश्मन के दांत खट्टे करके अपनी शौर्य को प्रदर्शन किया. जिसकी जितनी प्रशंसा की जाय कम होगी. तिरंगा यात्रा में कतरास के कई सामाजिक संगठनों, स्थानीय नागरिकों और विभिन्न राजनीतिक दलों के कार्यकताओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया.तिरंगा यात्रा के दौरान रानी सती मंदिर समिति द्वारा पुष्प वर्षा कर लोगो के हौसला अफजाई की. मौके पर भारतीय सेना के 6 सेवानिर्वित जवान के अलावा महेश पासवान, तत्कालीन पार्षद राजेन्द्र प्रसाद, किशोरी गुप्ता, आनंद यादव, सूर्यदेव मिश्रा, प्रिंस शर्मा, श्रीकांत सिंह, चुन्ना यादव, खुशवंत कुमार, दिनेश उपाध्याय, प्रभास वर्मा, फिरोज रजा,श्याम किशोर कल्लू, रविन्द्र विजय, दीपक अग्रवाल, मुकेश झा सहित सैकड़ों अन्य लोग शामिल थे.

संक्षिप्त खबर

महुदा रेलवे स्टेशन यार्ड में कोयला लदी खड़ी रैक के एक बॉक्स से धुआं निकलने से मची अफरातफरी

बीसीसीएल के अग्निशमन विभाग ने पहुंचकर धुएं पर पाया काबू

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

महुदा : महुदा रेलवे स्टेशन के यार्ड में खड़ी कोयला लोड मालगाड़ी के एक बॉक्स से धुंआ निकलने से अफरा तफरी मच गई.आनन फानन में महुदा रेलवे के अधिकारियों ने बीसीसीएल के बेनीडीह कार्यालय को सुचित कर घटना की जानकारी दी गई. सूचना पाकर बीसीसीएल के अग्निशमन विभाग से एक दमकल मौके पर पहुंचा तथा बॉक्स से निकल रहे धुंए को बुझा दिया गया. इस संबंध में महुदा रेलवे के चीफ यार्ड मास्टर एससी राय ने बताया कि शुक्रवार प्रातः बेनीडीह साइडिंग से कोयला लोडकर आयी एक मालगाडी महुदा यार्ड में खड़ी थी और उसे मालगाड़ी को आद्रा जाना था. रविवार प्रातः जब इंजन मालगाड़ी को लेने आया तब कर्मियों ने देखा कि एक बॉक्स से धुंआ निकल रहा है. कर्मियों ने मालगाड़ी से बॉक्स को अलग कर धुंआ को बुझाया गया. घटना में किसी प्रकार का कोई नुकसान नहीं हुआ है.

कदाचार मुक्त व शांतिपूर्ण संपन्न हुई पॉलिटेक्निक प्रवेश प्रतियोगिता व जेईई एडवांस परीक्षा

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

धनबाद : रविवार को जिले में आयोजित पॉलिटेक्निक प्रवेश प्रतियोगिता परीक्षा 2025 तथा जेईई एडवांस परीक्षा कदाचार मुक्त व शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हुई. इसकी जानकारी देते हुए उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी सुश्री माधवी मिश्रा ने बताया कि पॉलिटेक्निक प्रवेश प्रतियोगिता परीक्षा 2025 एसएसएलएनटी महिला महाविद्यालय, जवाहरलाल नेहरू मेमोरियल सीनियर सेकेंडरी स्कूल डिगवाडीह, पीके रॉय मेमोरियल कॉलेज, झरिया गुजराती हिंदी हाई स्कूल, एसएसएनएमएस इंटर कॉलेज सिजुआ, सरस्वती विद्या मंदिर भूली सहित 26 सेंटरों पर शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हुई.उन्होंने बताया कि सभी सेंटरों में दंडाधिकारी, गश्ती दल दंडाधिकारी, पुलिस पदाधिकारी एवं पुलिस बल की प्रतिनियुक्ति रही। कंट्रोल रूम भी कार्यरत रहा. परीक्षा केंद्रों पर मोबाइल फोन, कैलकुलेटर, डिजिटल डायरी, स्मार्ट वॉच सहित सभी प्रकार के इलेक्ट्रॉनिक उपकरण ले जाने पर पाबंदी रही. हर परीक्षार्थी की सघन जांच कर बायोमेट्रिक उपस्थिति ली गई. परीक्षा सीसीटीवी कैमरे की निगरानी में संपन्न हुई.वहीं जेईई एडवांस 2025 की परीक्षा बरवाअड्डा स्थित इयोन डिजिटल और कुसुम विहार स्थित पर्थ डिजिटल में शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई.

शिक्षा का मंदिर कहें या कबाड़खाना, जी हां हम बात कर रहे हैं निरसा प्रखंड के सिमुलडांग के प्राथमिक विद्यालय का

बच्चें भय से नहीं बैठते हैं, भरी दुपहरिया पेड़ के नीचे बैठकर पढ़ने को मजबूर, शिक्षा पदाधिकारी खामोश

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

निरसा : निरसा प्रखंड अंतर्गत मदनपुर पंचायत के सिमुलडांग गांव में एक प्राथमिक विद्यालय कि स्थिति काफी जर्जर व जीर्ण-शीर्ण अवस्था में है. इसे शिक्षा का मंदिर न कहकर कबाड़ स्थल कहने से आप आपको नहीं रोक सकते है.जहां झारखंड सरकार द्वारा शिक्षा के लिए तरह-तरह के व्यवस्था एवं एजुकेशन लोन देने के लिए तत्पर रहते हैं, वहीं ऐसे स्कूल में किस तरह हमारे झारखंड के बच्चे पढ़ लिखकर आगे बढ़ेंगे यह सोचने के लिए लोग विवश हैं.विद्यालय के छत का पूरा सरिया टूटा हुआ है, ढलाई पूरा छूटा हुआ है, बच्चे यहां पर डर कर इस स्कूल में बैठना बंद कर दिया है. सभी बच्चे इस दुपहरिया में पेड़ के नीचे बैठने पर मजबूर है, आखिर स्कूल के शिक्षक भी करें तो क्या करें. वहीं शिक्षकों का कहना है कि आखिर हम क्या कर सकते हैं, मैं मध्यान्ह भोजन भी हमलोग बच्चों को पेड़ के नीचे बनकर ही देते हैं. स्कूल इतनी भयावह स्थिति में है कि वहां अगर हम बच्चों को बैठाते हैं तो खतरे से खाली नहीं है. कभी भी स्कूल का छत का जर्जर छत ढह सकता है.वही ग्रामीणों का कहना है कि हम लोग कई बार लिख कर दिए हैं पदाधिकारी को की इस स्कूल का सौंदर्यीकरण किया जाए परंतु अभी तक कुछ भी नहीं हुआ है.बच्चे डर कर इस स्कूल में नहीं आते हैं और अभिभावक को मजबूरन दूसरे स्कूल में बच्चों को भेजना पड़ता है.

अवैध कोयला लदी ट्रक पलटी, धंधे का खुला पोल ग्रामीणों का हंगामा, पुलिस कार्रवाई में जुटी

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

निरसा : चिरकुंडा थाना क्षेत्र के डुमरी जोर से अवैध कोयला लोड ट्रक नंबर एनएल ड कएल 6284 कालुबथान ओपी क्षेत्र के पाथर कुंआ पंचायत भवन के निकट असंतुलित होकर पलट गई. ट्रक में लोड कोयला सड़क पर बिखर गया, ट्रक पलटने के साथ ही चालक वहां से फरार हो गया. कोयले से आवागमन बाधित हो गया. घटना पर स्थानीय लोगों ने हंगामा करना शुरू कर दिया. घटना कि सूचना पर ओपी पुलिस पहुंची और ट्रक और कोयला को जब्त कर कानूनी प्रक्रिया में जुट गई है .डुमरीजोड से अवैध कोयला लोड कर ट्रक को चालक तेज गति से भगा रहा था कि असावधानी

के कारण पाथर कुंआ पंचायत भवन के समीप बाउंड्री वाल को तोड़ते हुए ट्रक पलट गई. हालांकि किसी के हताहत होने की सूचना नही है. उक्त घटना अवैध कोयले के कारोबार का जिता जागता

उदाहरण है जो पुलिस को कठघरे में खड़ा करता है. कोयले के शातिर धंधेबाज रात को कौन कहे दिन के उजाले में धंधे को अंजाम दे रहा है. पुलिस की निष्क्रियता को यूं कहें कि दोनों के गठजोड़ से ही निरसा विधानसभा के सभी थाना व ओपी क्षेत्र में अवैध कोयले का कारोबार धड़ल्ले से चल रहा है. दो दिन पूर्व निरसा उत्तर पंचायत के मुखिया दिनेश सिंह ने निरसा ओसीपी में अवैध कोयला सहित एक वैन को पकड़ा था,पुलिस और ईसीएल सुरक्षा कर्मी को सूचना दी, पुलिस तो नही आई काफी विलंबसे सुरक्षा कर्मी ड्रोन लेकर आये तब तक कोयला सहित चालक वैन को लेकर फरार हो गये.

सीएसआर कॉनक्लेव 2025 के आयोजन में झारखंड के स्वास्थय मंत्री डॉ. इरफान बतौर मुख्य अतिथि हुए शामिल

कार्यक्रम में धनबाद विधायक राज सिन्हा व जिप चेयरमैन शारदा सिंह भी रही शामिल

झारखंड प्रदेश एनजीओ एसोसिएशन का किया गया गठन

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

धनबाद : धनबाद एनजीओ एसोसिएशन के तत्वावधान में आयोजित सीएसआर कॉनक्लेव 2025 सामाजिक चेतना, लोक कला और विकास की भावना का प्रतीक बन गया.कार्यक्रम में झारखंड सरकार के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित हुए. उन्होंने कार्यक्रम में झारखंड प्रदेश

एनजीओ एसोसिएशन के गठन की औपचारिक घोषणा की. साथ ही कहा कि जल्द ही रांची में राज्यस्तरीय एनजीओ संगठन का पूर्ण गठन किया जाएगा.उन्होंने आश्वासन दिया कि राज्य के छोटे और लोकल एनजीओ को झारखंड के विकास में जोड़ा जाएगा और कहा कि जितने भी केंद्रीय संस्थानों से सीएसआर फंड अब तक बाहरी एनजीओ को मिलते थे, उन्हें अब झारखंड की जमीनी संस्थाओं को उपलब्ध कराने के लिए सरकार हर संभव प्रयास करेगी. साथ ही उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि माध्यम से कार्य करवाए जाएंगे. स्वास्थ्य के क्षेत्र में राज्य के सभी जिलों में एनजीओ के कार्यक्रम में धनबाद विधायक राज सिन्हा ने भी शिरकत की और धनबाद एनजीओ एसोसिएशन को बधाई दी. उन्होंने मंच पर उपस्थित एनजीओ सदस्यों को अंगवस्त्र प्रदान कर सम्मानित किया.जिला परिषद अध्यक्ष शारदा सिंह ने सभी एनजीओ को सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया और उनके सामाजिक कार्यों की सराहना की.जमशेदपुर से आयी सीमा बाजपेयी, जो कि लायंस क्लब जिला 322अ की जिलापाल हैं, ने सभी एनजीओ को भरोसा दिलाया कि वे सीएसआर से संबंधित कार्यों में हर संभव सहयोग करेंगी.कार्यक्रम की शुरूआत दीप प्रज्वलन के साथ हुई. लगभग 80 एनजीओ की सहभागिता ने कार्यक्रम को व्यापक बनाया.बच्चों ने मनमोहक सांस्कृतिक नृत्य प्रस्तुतियां दीं, वहीं सभी को पौधे भेंट कर पर्यावरण जागरूकता का संदेश दिया गया.

नई पत्र वार्ता पब्लिकेशन प्रा. लि. के लिए प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक *राज किशोर सिन्हा के द्वारा डी.बी. कॉर्प लिमिटेड, भास्कर प्रिंटिंग प्रेस गोविंदपुर मेन रोड, अशोकनगर के जी आश्रम, धनबाद से मुद्रित एवं छठ तालाब विकास नगर कतरास रोड,धनबाद से प्रकाशित। फोन न.7004113115, 9334368784, 7004500339, 7004893985. प्रधान संपादक : अनुज कुमार सिन्हा। *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। निदेशक अनस रहनुमा। ई-मेल - naipatrawartajharkhand@gmail.com.आर.एन.आई नं.JHAHIN/2015/63780.